वर्ष-32, अंक- 59, पृष्ठ-12 | पौष कृष्ण पक्ष 09, संवत 2082 | डालटनगंज (मेदिनीनगर) एवं रांची से एक साथ प्रकाशित | रजिस्ट्रेशन नंः आरएनआई. 61316/94 | www.rastriyanaveenmail.com

डालटनगंज (मेदिनीनगर)
शनिवार
13 दिसंबर 2025

ईश्वर में हमारा विश्वास

राष्ट्रीय नवीन मेल

सत्यमेव जयते

मूल्य 2 रु.

हर पक्ष की खबर | हर पक्ष पर नजर

एक नजर

रांची समेत कई जिलों में छाए आंशिक बादल, बढ़ी कनकनी

रांची। आंशिक बादल छाए रहने के कारण राजधानी रांची और आसपास के क्षेत्रों में शुक्रवार को दिनभर ठंड और कनकनी महसूस हुई। रांची के अलावा राज्य के कई अन्य जिलों में भी आंशिक बादल छाए रहे और इससे कनकनी बढ़ गई। मौसम विभाग ने बताया कि यह स्थिति झारखंड के निचले क्षोभ मंडल में उत्तर-पश्चिम से उत्तर-पूर्व दिशा में बहने वाली हवाओं के कारण बनी है। शुक्रवार को रांची में सुबह हल्के कुहासे के साथ दिन की शुरुआत हुई। हालांकि, सूर्योदय के बाद मौसम साफ हो गया। लेकिन, दोपहर के बाद आसमान में फिर से आंशिक बादल छा गए और इस कारण ठंड और अधिक महसूस की गई। मौसम विभाग के अनुसार, अगले तीन दिनों में न्यूनतम तापमान दो से तीन डिग्री तक बढ़ सकता है। उसके बाद दो दिनों तक तापमान में किसी बड़े बदलाव की संभावना नहीं है। पिछले 24 घंटों में राज्य में सबसे अधिक तापमान चाईबासा में 28.8 डिग्री सेल्सियस और सबसे कम तापमान गुमला में 4.7 डिग्री सेल्सियस रिकॉर्ड किया गया। शुक्रवार को रांची में अधिकतम तापमान 22.6 डिग्री और न्यूतनतम तापमान 8.3 डिग्री सेल्सियस रिकार्ड किया गया। मेदिनीनगर (डालटनगंज) में अधिकतम तापमान 26.2 डिग्री और न्यूतनतम तापमान 7.1 डिग्री सेल्सियस दर्ज हुआ।

व्हाट्सएप से सीधे जुड़ें

1994 से अनवरत हम आपके लिए समाचारों को प्रमुखता की नीति पर कार्य करते रहे हैं। इसे और सुगम बनाने के लिए एक विशेष व्हाट्सएप नंबर **72094 53444** पर आप सीधे अपनी परखी हुई सच्ची खबर फोटो सहित संक्षेप में भेज सकते हैं। आपत्तिजनक बातें भेजने पर आइटी एक्ट के अंतर्गत कार्रवाई हो सकती है। यदि आपको अखबार की प्रति नहीं मिल पा रही है या विज्ञापन देना चाहते हैं तो इस नंबर पर **72094 03444** संपर्क करें।

32,911 किसानों के खातों में पहुंचे 15.63 करोड़ रुपए

झारखंड में 'मड़ुआ क्रांति' शुरू

- कृषि मंत्री ने की 'झारखंड मिलेट मिशन' का नया नाम 'झारखंड मड़ुआ क्रांति' रखने की घोषणा
- बोलीं शिल्पी नेहा तिर्की, अब 60 हजार किसानों तक इस लाभ को पहुंचाने का है लक्ष्य
- रांची के पशुपालन निदेशालय में आयोजित हुआ लाभुक प्रोत्साहन राशि हस्तांतरण कार्यक्रम

नवीन मेल डेस्क

रांची। कृषि मंत्री शिल्पी नेहा तिर्की ने शुक्रवार को राज्य में मोटे अनाज को प्रोत्साहन के लिए चल रहे 'झारखंड मिलेट मिशन' का नया नाम 'झारखंड मड़ुआ क्रांति' रखने की घोषणा की। उन्होंने यह घोषणा रांची स्थित पशुपालन निदेशालय के सभागार में आयोजित लाभुक प्रोत्साहन राशि हस्तांतरण कार्यक्रम के दौरान की। शुक्रवार को आयोजित कार्यक्रम में मंत्री ने कहा कि ग्रामीण इलाकों में मड़ुआ के प्रति बढ़ती रुचि और किसानों की स्वीकार्यता को देखते हुए यह बदलाव किसान हित में किया गया है। कार्यक्रम में मंत्री ने राज्य के 32,911 किसानों के बैंक खातों में डीबीटी (डायरेक्ट बेनिफिट ट्रांसफर) के माध्यम से 15 करोड़ 63 लाख 24 हजार 900 रुपए की प्रोत्साहन राशि ऑनलाइन हस्तांतरित की। विभागीय आंकड़ों के अनुसार, वर्ष 2024-25 में 18 हजार किसानों को मोटे अनाज की खेती पर प्रोत्साहन राशि का लाभ मिला था। कृषि मंत्री ने कहा कि अब 60 हजार किसानों तक इस लाभ को पहुंचाने का लक्ष्य है। पहले जहां 20 हजार हेक्टेयर में मड़ुआ की खेती होती थी, वहीं आज यह बढ़कर एक लाख हेक्टेयर को पार कर चुका है। उन्होंने कहा कि मड़ुआ की खेती में दूसरे फसलों की तुलना में मुनाफा अधिक है। कृषि विभाग मड़ुआ की प्रॉसेसिंग यूनिट स्थापित कर तैयार उत्पादों को अस्पताल, स्कूल और आंगनबाड़ी केंद्रों तक पहुंचाने की योजना पर भी काम कर रहा है। मंत्री ने कहा कि बच्चों को पौष्टिक आहार उपलब्ध कराना उनकी प्राथमिकता है। शिल्पी नेहा तिर्की ने अधिकारियों से कहा कि गलत आंकड़ा देने की शिकायतें मिली हैं। इसकी जांच कराई जा रही है और पुष्टि होने पर संबंधित अधिकारियों-कर्मचारियों पर कार्रवाई की जाएगी। कार्यक्रम में कृषि निदेशक भोर सिंह यादव, समिति के निदेशक विकास कुमार, उद्यान विभाग संयुक्त निदेशक शशि भूषण अग्रवाल, विभागीय अधिकारी तथा दुमका, रांची, खूंटी सहित अन्य जिलों के किसान मौजूद थे।

'धान अधिप्राप्ति केंद्र' की तरह स्थापित किए जा रहे 'मड़ुआ अधिप्राप्ति केंद्र'

कृषि मंत्री शिल्पी नेहा तिर्की ने बताया कि 'धान अधिप्राप्ति केंद्र' की तर्ज पर अब 'मड़ुआ अधिप्राप्ति केंद्र' भी स्थापित किए जा रहे हैं। पहले चरण में गुमला, सिमडेगा और खूंटी जिलों को चिह्नित किया गया है। इन जिलों के 17 लैम्पस-पैक्स केंद्रों के माध्यम से किसानों से मड़ुआ की खरीद की जाएगी। आगामी एक सप्ताह में इस सुविधा के शुरू होने की उम्मीद जताई गई। मंत्री ने बताया कि मड़ुआ की दर बाजार मूल्य के आधार पर तय की जाएगी।

झारखंड में धान की खरीद 15 दिसंबर से होगी शुरू

- किसानों को मिलेंगे 2,450 रुपए प्रति क्विंटल
- धान खरीद के लिए बने हैं 783 अधिप्राप्ति केंद्र

नवीन मेल डेस्क

रांची। हेमंत सोरेन सरकार ने खरीफ विपणन मौसम 2025-26 के तहत राज्य में धान अधिप्राप्ति कार्य 15 दिसंबर 2025 (सोमवार) से शुरू करने की घोषणा की है। राज्यभर में धान खरीद के लिए 783 अधिप्राप्ति केंद्र बनाए गए हैं। राज्य के स्वास्थ्य मंत्री डॉ इरफान अंसारी ने शुक्रवार को कहा कि इस वर्ष किसानों को धान बिक्री पर बोनस सहित प्रति क्विंटल 2,450 रुपए एकमुश्त भुगतान किया जाएगा। मंत्री इरफान अंसारी ने राज्य के सभी मंत्रियों, सांसदों और विधायकों से अपील की है कि वे अपने-अपने क्षेत्रों के चयनित धान अधिप्राप्ति केंद्रों (लैम्पस, पैक्स) आदि पर पहुंचकर धान अधिप्राप्ति कार्य का शुभारंभ करें। डॉ इरफान अंसारी ने कहा कि जनप्रतिनिधियों का यह दायित्व है कि वे किसानों का मनोबल बढ़ाएं। सरकार किसानों के प्रति गंभीर है, क्योंकि किसान समाज की रीढ़ हैं। उन्होंने कहा कि जनप्रतिनिधियों की भागीदारी से किसानों को भरोसा मिलेगा कि सरकार हर कदम पर उनके साथ खड़ी है।

शेष पेज 11 पर...

मोटे अनाजों की खेती को बढ़ावा देने के लिए सतत प्रयत्नशील है सरकार

मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन ग्रामीण अर्थव्यवस्था को मजबूत करने के लिए प्रतिबद्ध हैं। इसलिए हेमंत सोरेन सरकार मोटे अनाजों (मिलेट्स) के उत्पादन को बढ़ावा देने के लिए सतत प्रयत्नशील है। इसके लिए राज्य में 'झारखंड मिलेट मिशन' (अब 'झारखंड मड़ुआ क्रांति') चलाया जा रहा है। इसका मुख्य उद्देश्य मोटे अनाजों की उत्पादकता और खेती को प्रोत्साहित करना है, क्योंकि मोटे अनाज कृषि विविधता को बढ़ावा देते हैं। सूखे क्षेत्रों में कृषि को अधिक लाभदायक बनाते हैं। मोटे अनाज सीमांत किसानों के लिए स्थायी आय का स्रोत भी प्रदान करते हैं। इससे स्थानीय प्रसंस्करण उद्योगों की भी राह खुलती है, जिससे रोजगार के नए अवसर पैदा होते हैं। मोटे अनाज सही अर्थों में झारखंड की अर्थव्यवस्था में महत्वपूर्ण भूमिका निभा सकते हैं। राज्य सरकार 'झारखंड मिलेट मिशन' के तहत मड़ुआ, बाजरा, ज्वार, कोदो, कंगनी, सांवा, चीना, कुटकी, कुटू और चोलाई जैसे मोटे अनाजों की खेती को बढ़ावा दे रही है। ये मोटे अनाज पोषक तत्वों से भरपूर होते हैं।

सांसद ने लोस में उठाया मामला, कहा-

सोन-कनहर पाइपलाइन सिंचाई परियोजना अविलंब पूरी हो

- वर्ष 2017 में 1276 करोड़ रुपए की लागत से बनने वाली इस परियोजना को दी गई स्वीकृति

रांची/नई दिल्ली। गढ़वा जिले में सोन-कनहर पाइपलाइन सिंचाई परियोजना को पूरा कराने का मामला सांसद विष्णु दयाल राम ने शुक्रवार को लोकसभा में उठाया। मामले को उठाते हुए सांसद ने कहा कि केंद्र सरकार की ओर से वर्ष 2017 में 1,276 करोड़ रुपए की लागत से गढ़वा जिले की भूमि को सिंचित करने के लिए सोन-कनहर पाइपलाइन सिंचाई परियोजना की स्वीकृति दी गई थी। लेकिन, राज्य सरकार की उदासीनता के कारण इस परियोजना का निर्माण कार्य विलंब से वर्ष 2019 में एलएंडटी कंपनी ने शुरू किया।

सांसद वीडी राम ने कहा कि योजना को मार्च 2022 तक कार्य को पूरा करना था, जो समय पर नहीं होने से कंपनी के कार्य का विस्तार करते हुए 30 जून 2026 पूरा करने का समय दिया है। लेकिन, कुछ स्थानों पर पंप हाउस बनाने के लिए वन विभाग से अनापति प्रमाण पत्र जारी नहीं होने के कारण उक्त कंपनी अब तक कार्य को पूरा नहीं किया है।

सांसद ने बताया कि कंपनी का लगभग 400 करोड़ रुपए का बिल भुगतान लंबित है। स्वभाविक रूप से उक्त कंपनी ने कार्य की गति को धीमी कर दी है, जिसके कारण सिंचाई परियोजना का लाभ जनता को नहीं मिल पा रहा है। सांसद ने जल शक्ति एवं वन एवं पर्यावरण मंत्रालय से मांग की कि सोन-कनहर पाइपलाइन सिंचाई परियोजना को अविलंब पूरा जाए।

उल्लेखनीय है कि उक्त सिंचाई परियोजना से गढ़वा जिले की 22 हजार हेक्टेयर भूमि सिंचित होगी और 20 में से 18 प्रखंडों में स्थित खेतों तक सिंचाई के लिए पानी पहुंचाया जाएगा।

बीस वर्षों से फरार नक्सली किस्कू गिरिडीह में गिरफ्तार

- जमुई और गिरिडीह के कई थानों में दर्ज हैं नक्सली वारदात के केस

नवीन मेल संवाददाता

गिरिडीह। बिहार एसटीएफ ने अर्धसैनिक बलो के सहयोग से गिरिडीह की कैदी वाहन घटना में शामिल इनामी भाकपा माओवादी मोतीलाल किस्कू को संयुक्त अभियान में गिरफ्तार किया है। करीब 20 वर्षों से फरार इनामी नक्सली मोती लाल किस्कू को गिरिडीह के देवरी थाना क्षेत्र से पकड़ा गया है।

जानकारी के अनुसार, फरार नक्सली मोती लाल को गुप्त सूचना के आधार पर देवरी थाना क्षेत्र से गुरुवार की रात में उस वक्त दबोचा गया, जब वह अपने गांव में आराम फरमा रहा था। इसी दौरान ज्वॉइंट ऑपरेशन में चकाई पुलिस और जवानों ने मोती लाल को दबोचा। मीडिया रिपोर्ट्स के अनुसार, मोती लाल जमुई जिले के चकाई के चिहरा थाना इलाके के हरनी गांव का रहने वाला था, और पिछले 20 वर्षों से नक्सली संगठन में सक्रिय था। मोती लाल चकाई के जीवलाल पासवान हत्याकांड में शामिल था। इसके अलावा, उसके खिलाफ जमुई और गिरिडीह के कई थानों में नक्सली वारदात के केस दर्ज हैं। मोतीलाल मुठभेड़ में मारे गए जोनल कमेटी के सदस्य और इनामी नक्सली चिराग दा के दस्ते में भी शामिल था। वह दस्ते में एके 47 राइफल लेकर चलता था। गिरिडीह में 16 साल पहले हुए कैदी वाहन कांड में भी इसका नाम सामने आ रहा है।

शेष पेज 11 पर...

आज / कल

पिकअप में स्कॉर्पियो की टक्कर, 1 की मौत, 3 घायल

- हरिहरगंज में अनियंत्रित स्कॉर्पियो ने पिकअप को पीछे से टक्कर मारी

हरिहरगंज (पलामू)। हरिहरगंज थाना क्षेत्र के कौआखोह स्थित एनएच-139 पर शुक्रवार की देर शाम एक दर्दनाक सड़क हादसा हुआ। अनियंत्रित स्कॉर्पियो (जेएच03 एआर 6696) ने आगे चल रही पिकअप में पीछे से जोरदार टक्कर मार दी, जिससे दोनों वाहन क्षतिग्रस्त होकर पलट गए।

हादसे में खड़गपुर निवासी सुनील राम (30 वर्ष) की घटनास्थल पर ही मौत हो गई। वहीं, पिकअप में सवार तीन लोग घायल हो गए, जिनमें ढाब गांव निवासी जितेंद्र कुमार (25 वर्ष), पनवा देवी (55 वर्ष) और प्रतिमा कुमारी (21 वर्ष) शामिल हैं। प्रतिमा कुमारी को प्रसव कराने के लिए सीएचसी हरिहरगंज लाया जा रहा था।

घायलों का सीएचसी में प्राथमिक इलाज के बाद उच्च उपचार के लिए रेफर कर दिया गया। पुलिस ने दोनों क्षतिग्रस्त वाहनों को जब्त कर लिया है और मृतक का शव अपने कब्जे में ले लिया है। घटना के बाद मृतक के परिजन गहरे शोक में हैं।

कफ सीरप मामले में ईडी ने की रांची सहित देश के 25 ठिकानों पर छापेमारी

- रांची में तुपुदाना के शैली ट्रेडर्स पर भी हुई कार्रवाई

नवीन मेल डेस्क

रांची। प्रवर्तन निदेशालय (ईडी) ने शुक्रवार को झारखंड, उत्तर प्रदेश और गुजरात के 25 ठिकानों पर छापेमारी की। यह छापेमारी जानलेवा कफ सीरप की खरीद-बिक्री से जुड़े 1000 करोड़ रुपए के अवैध कारोबार की जांच से जुड़ी हुई है। झारखंड में यह छापेमारी रांची के तुपुदाना स्थित शैली ट्रेडर्स में हुई, जहां ईडी ने सुबह से ही अपनी कार्रवाई शुरू कर दी। ईडी की यह कार्रवाई पीएमएलए के तहत चल रही व्यापक जांच का हिस्सा है। मीडिया रिपोर्ट्स के अनुसार, लखनऊ, बनारस, जौनपुर, सहारनपुर, अहमदाबाद और रांची सहित कई शहरों में एक साथ छापेमारी की गई। कफ सीरप के अवैध व्यापार से जुड़े कारोबारी और चार्टर्ड अकाउंटेंट विष्णु अग्रवाल भी जांच के दायरे में हैं। रांची के तुपुदाना औद्योगिक क्षेत्र स्थित शैली ट्रेडर्स के संचालक भोला प्रसाद के प्रतिष्ठान और उनके फ्लैट में भी ईडी की टीम ने तलाशी ली। भोला प्रसाद वाराणसी में पुलिस में दर्ज एक प्राथमिकी में आरोपी हैं और अवैध शेष पेज 11 पर...

कोयला कारोबारियों के कई ठिकानों पर छापेमारी

रांची/धनबाद। ईडी की टीम ने शुक्रवार को धनबाद में कोयला कारोबार से जुड़े कई प्रमुख कारोबारियों के ठिकानों पर छापेमारी की। प्रवर्तन निदेशालय (ईडी) ने धनसार स्थित कोयला आउटसोर्सिंग कंपनी डेको के संचालक मनोज अग्रवाल और कंपनी के निदेशक एएन झा के आवास सहित कई ठिकानों पर दस्तावेजों और रिकॉर्ड की विस्तृत जांच की है। शेष पेज 11 पर...

इंडिया

सुखद परिवर्तन वाला मौसम अब डराने क्यों लगा?

सुनील बादल
कार्यकारी संपादक

पश्चिमी देशों की तरह मौसम भले पहली हेडलाइन न बनता हो पर भारत के लिए आज भी सबसे महत्वपूर्ण बना हुआ है जिससे जीविका से लेकर जीवन जुड़ा हुआ है और हमें कितना प्रभावित करता है हम सभी जानते हैं।इस साल के मानसून पर जलवायु परिवर्तन का प्रभाव दक्षिण एशिया क्षेत्र के लिए बेहद विनाशकारी रहा है। कम दिन में ज्यादा बरसात ही मानसून का नया चेहरा बन चुका है। तूफान कोटो के प्रभाव के कारण वियतनाम अपने दक्षिण-मध्य क्षेत्र में और अधिक भारी वर्षा से जूझ रहा है। झारखंड के पलामू को सूखा प्रभावित क्षेत्र माना जाता है वहां भी बाढ़ जैसी स्थिति कुछ शहरी क्षेत्रों में बन गई थी।थाईलैंड में, एक दिसंबर तक, बाढ़ से कुल नौ प्रांत, 74 जिले और 2,725 गांव प्रभावित हुए, जिनमें लगभग 23 लाख लोग थे। भारतीय मौसम विभाग (आईएमडी) के ताजा आंकड़ों के अनुसार, 2025 का मानसून लगातार दूसरे साल सामान्य से अधिक रहा। इसके पीछे जो चलन दिख रहा है, वह एक चेतावनी है कि बारिश के दिन घट रहे हैं, पर कम दिनों में त्राहि मचाने वाली बारिश होती है।जर्मनवॉच की रिपोर्ट क्लाइमेट रिस्क इंडेक्स 2026 के अनुसार, 1995 से 2024 के बीच दुनिया भर में 9,700 से ज्यादा चरम मौसमी घटनाओं में 8,32,000 लोगों की मौत हुई और 45 खरब अमेरिकी डॉलर (मुद्रास्फीति समायोजित) का आर्थिक नुकसान हुआ। इन दिनों श्रीलंका, इंडोनेशिया, फिलीपींस, मलयेशिया, थाईलैंड तथा वियतनाम में एकसाथ आए विनाशकारी तूफानों ने दक्षिण एशिया में हजारों जानें ले लीं और लाखों लोगों को विस्थापित किया है। चक्रवात सेन्यार व दित्वाह ने 40 लाख लोगों को प्रभावित किया है। इससे पहले भारत, विशेषकर बिहार,पंजाब, पाकिस्तान, नेपाल, बांग्लादेश बाढ़ का सामना कर रहे थे। इस साल मूसलाधार बारिश एवं उसके व्यापक प्रभाव (भूस्खलन और अचानक बाढ़) से पूरा एशिया जूझ रहा है। जलवायु परिवर्तन के कारण वैश्विक औसत की तुलना में दक्षिण एशिया दोगुना तेजी से गर्म हो रहा है। इसके कारण बाढ़, चक्रवात, लू और सूखे जैसी आपदाएं बार-बार हो रही हैं। जलवायु वैज्ञानिक चिराग धारा (क्रेया यूनिवर्सिटी), रॉक्सी मैथ्यू कोल (भारतीय उष्णकटिबंधीय मौसम विज्ञान संस्थान) एवं उनके सहयोगियों द्वारा किए गए अध्ययन के अनुसार, भारत का औसत तापमान पिछले एक दशक (2015-2024) में लगभग 0.9 डिग्री सेल्सियस बढ़ गया है। पश्चिमी और पूर्वोत्तर भारत में साल के सबसे गर्म दिन का तापमान 1950 के दशक की तुलना में 1.5-2 डिग्री तक बढ़ चुका है। ऐसे में, कहीं बाढ़ जैसी स्थिति तो कहीं सूखा दो पड़ोसी राज्यों की दुखद घटनाएं हैं। असम, अरुणाचल और बिहार जैसे राज्यों में बारिश 20 प्रतिशत तक कम आंकी गई। दुनिया भर में लगभग 40 प्रतिशत लोग (तीन अरब से ज्यादा) वर्तमान में उन ग्यारह देशों में रहते हैं, जो पिछले 30 वर्षों में चरम मौसमी बदलाओं-जैसे लू, तूफानों और बाढ़ से सबसे ज्यादा प्रभावित भारत (9वें), चीन (11वें), और लीबिया (चौथे), हैती (5वें) और फिलीपींस (7वें स्थान पर) जैसे विकासशील देश हैं। इस वर्ष की शुरुआत से अब तक प्रशांत व हिंद महासागर में कम से कम 16 चक्रवात और दर्जनों दबाव आए हैं। भारतीय उष्णकटिबंधीय मौसम विज्ञान संस्थान के जलवायु वैज्ञानिक रॉक्सी मैथ्यू कोल के अनुसार, अब मध्यम चक्रवात भी अत्यधिक वर्षा करते हैं और बाढ़ का कारण बन सकते हैं। जलवायु परिवर्तन से दक्षिण एशिया तेजी से गर्म हो रहा है, जिसके चलते उसमें नित नई आने वाली आपदाएं दिन दूनी रात चौगुनी गति से आ रही हैं। अभी तक किसी अध्ययन से इसके कारणों पर प्रामाणिक रिपोर्ट नहीं है पर इसकी आवश्यकता है। मोटे तौर पर हम जानते हैं कि वैज्ञानिक से लेकर धार्मिक शास्त्रों तक में उदाहरण सहित पहले ही बताया गया है कि प्रकृति के संतुलन को जब जब हम हम बिगाड़ते हैं अंधाधुंध वनों की कटाई, खनिज वाले क्षेत्रों में खनन के बाद पेड़ लगाने के नाम पर औपचारिकता निभाने और बहुत तेजी से बढ़ते शहरीकरण से पेड़ पौधे सजावटी या सोसायटी संस्कृति में कहीं कहीं दुर्लभ बनते जा रहे हैं। दूसरी ओर गाड़ियों की तेजी से बढ़ती संख्या और वर्षों तक चलने वाले युद्धों ने भी संतुलन बिगाड़ा है। दुःखद यह भी है कि हमारा अहंकार निजी स्वार्थ और अंधाधुंध बढ़ती जनसंख्या हमें नरक की ओर ले जा रही है और हम जानबूझकर अनजान बने हुए हैं।

पूर्व गृहमंत्री व कांग्रेस नेता शिवराज पाटिल का निधन

- लातूर में घर पर ली अंतिम सांस, कुछ समय से अवस्थ चल रहे थे

लातूर (महाराष्ट्र)। पूर्व केंद्रीय गृहमंत्री और कांग्रेस नेता शिवराज पाटिल का शुक्रवार की सुबह लातूर में उनके आवास पर निधन हो गया। 90 वर्षीय पाटिल ने अपने घर पर आखिरी सांस ली। वे कुछ समय से अवस्थ थे। उनके परिवार के एक सदस्य ने यह जानकारी दी। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी, केंद्रीय गृहमंत्री अमित शाह सहित कई नेताओं ने उनके निधन पर दुख जताया है। शिवराज पाटिल का जन्म 12 अक्टूबर, 1935 को महाराष्ट्र के लातूर जिले के चाकुर गांव में हुआ था। भारतीय राजनीति में एक हस्ती के रूप में उन्हें संसद, केंद्र सरकार और राज्य विधानसभाओं में कई महत्वपूर्ण जिम्मेदारियों वाले अपने लंबे और प्रतिष्ठित करियर के लिए याद किया जाता है। पाटिल ने लोकसभा के 10वें अध्यक्ष के रूप में कार्य किया और सार्वजनिक जीवन में चार दशकों से शेष पेज 11 पर...

नौडीहा बाजार थाना परिसर में मंदिर निर्माण अंतिम चरण में

नौडीहा बाजार। थाना परिसर में मंदिर निर्माण कार्य अब अंतिम चरण में है। इसकी नींव तत्कालीन थाना प्रभारी बीरेंद्र पासवान ने रखी थी। वर्तमान थाना प्रभारी अमित कुमार ने युद्धस्तर पर निर्माण कार्य को गति देते हुए इसे अंतिम रूप तक पहुँचाने का संकल्प लिया है। कोविड काल में हुई बैठक में बबुआ जी सहित कई माइंस संवेदकों ने अनुदान देकर मंदिर निर्माण की अवधारणा को आगे बढ़ाया था। हालांकि कोविड महामारी और अन्य कारणों से कार्य लंबे समय तक बाधित रहा। शुक्रवार को पूजा–अर्चना के साथ ढलाई कार्य प्रारंभ किया गया। कारीगरों के अनुसार निकट भविष्य में मंदिर निर्माण पूर्ण होने की पूरी संभावना है।

मजबूत सड़क पर दोबारा पीसीसी बच्चों के केंद्र में घटिया निर्माण

नवीन मेल संवाददाता

सतबरवा। रबदा पंचायत इन दिनों विकास कार्यों से अधिक अनियमितताओं को लेकर चर्चा में है। सरकारी योजनाओं के क्रियान्वयन में ऐसी गड़बड़ियां सामने आई हैं कि ग्रामीण परेशान हैं और जनप्रतिनिधियों ने भी सवाल उठाए हैं। चतरा लोकसभा के सतबरवा सांसद प्रतिनिधि धीरज कुमार ने 5 दिसंबर को पलामू उपायुक्त समीरा एस को दो अलग-अलग पत्र सौंपकर इन अनियमितताओं पर कठोर कार्रवाई की मांग की है। पिपराकला गांव में पहले से मजबूत और उपयोग में आ रही पीसीसी सड़क पर दोबारा पीसीसी ढालने का काम किया जा रहा है। ग्रामीणों ने सवाल उठाया है कि बिना जरूरत दोबारा निर्माण क्यों? काम बिना शिलापट्ट के किया जा रहा है, जिससे योजना की पारदर्शिता पर गंभीर संदेह है। नई सड़क की ऊँचाई बढ़ने से कई घरों के सामने रास्ता लगभग बंद हो गया है। सांसद प्रतिनिधि ने इसे "सरकारी धन की खुली लूट" बताते हुए तुरंत हस्तक्षेप की मांग की है।

आंगनबाड़ी भवन में घटिया निर्माण

दूसरा मामला सलेया गांव (परहिया टोला) के निर्माणाधीन आंगनबाड़ी भवन का है, जहां ग्रामीणों ने बंगला ईंट, कमजोर सीमेंट, घटिया मानक और शिलापट्ट के अभाव का आरोप लगाया है। यह क्षेत्र आदिम जनजाति बहुल है, जहां बच्चों और गर्भवती महिलाओं की सुरक्षा सर्वोपरि है। ग्रामीणों ने पूछा, ऐसे संवेदनशील स्थल पर इतनी लापरवाही क्यों? सांसद प्रतिनिधि ने डीसी से मांग की है कि दोनों स्थलों का तत्काल निरीक्षण करें। निर्माण सामग्री का वैज्ञानिक परीक्षण का दोषी अधिकारियों-ठेकेदारों पर कड़ी कार्रवाई करने की मांग शामिल है। ग्रामीणों ने कहा कि योजनाएँ जनता के लिए हैं, ठेकेदारों के लाभ के लिए नहीं। लोगों को प्रशासन की निष्पक्ष जांच का इंतजार है।

रामनगर में ट्रांसफार्मर बदला ग्रामीणों को अंधेरे से राहत

नवीन मेल संवाददाता

मोहम्मदगंज। राष्ट्रीय नवीन मेल में "ट्रांसफार्मर जलने से 25 घर अंधेरे में" शीर्षक से प्रकाशित खबर का त्वरित असर देखने को मिला। शुक्रवार को रामनगर टोला में जला हुआ ट्रांसफार्मर बदल दिया गया। ग्रामीणों ने बताया कि खबर प्रकाशित होने के बाद विधायक संजय कुमार सिंह यादव ने सहायक अभियंता रामप्रसाद महतो को तत्काल कार्रवाई सुनिश्चित करने को कहा। विधायक के निर्देश पर जपला विद्युत अवर प्रमंडल ने कागजी कार्रवाई पूरी कर सप्ताह भर में ट्रांसफार्मर बदल दिया। इससे अंधेरा समाप्त हुआ और सिंचाई व पढ़ाई फिर सुचारु हुई। वरिष्ठ कांग्रेसी रामजन्म राम और समाजसेवी कपिलदेव नारायण सिंह ने विधायक और अभियंता के प्रति आभार व्यक्त किया।

जपला में आरपीएफ व स्टेशन प्रबंधन ने चलाया स्वच्छता अभियान

हुसैनाबाद। जपला रेलवे स्टेशन परिसर में आरपीएफ, स्टेशन प्रबंधन और रेल मित्रों ने संयुक्त रूप से स्वच्छता अभियान चलाया। एसआई कार्तिक बिंझा, एएसआई जयप्रकाश यादव, स्टेशन प्रबंधक संजय कुमार सिंह और अन्य लोगों ने रेलवे पार्क में श्रमदान कर सफाई की। स्टेशन प्रबंधक ने कहा कि स्वच्छता एक दिन की जिम्मेदारी नहीं, बल्कि निरंतर चलने वाली आदत है। यात्रियों से परिसर को साफ रखने की अपील की गई। एसआई कार्तिक बिंझा ने कहा कि स्वच्छता से बीमारियाँ दूर रहती हैं और साफ रेलवे पार्क यात्रियों के लिए बेहतर सुविधा प्रदान करेगा।

बिजली चोरी में छह लोग पकड़े गए 66 हजार जुर्माना व एफआईआर दर्ज

मोहम्मदगंज। विद्युत अवर प्रमंडल जपला की टीम ने सहायक अभियंता रामप्रसाद महतो के नेतृत्व में पोटो, भजनियां, झरी और तेंदुआ खुर्द गांवों में छापेमारी कर बिजली चोरी करते छह लोगों कृष्णा राम, गोवर्धन महतो, उदल सिंह, विनय कुमार सिंह, सुनील कुमार सिंह और चंदा देवी को पकड़ा। सभी के खिलाफ एफआईआर दर्ज की गई है और कुल 66 हजार रुपये का जुर्माना लगाया गया है। सहायक अभियंता ने कहा कि आगे भी अभियान जारी रहेगा। थाना प्रभारी नारायण सोरेन ने कहा कि दर्ज एफआईआर के आधार पर कानूनी कार्रवाई सुनिश्चित की जाएगी।

कनकनी से बढ़ी ठंड, जनजीवन प्रभावित

मोहम्मदगंज। उत्तरी–पश्चिमी हवा और घने धुंध ने क्षेत्र में कनकनी अचानक बढ़ा दी है। बिना गर्म कपड़ों के बाहर निकलना मुश्किल हो गया है और जनजीवन पूरी तरह प्रभावित हुआ है। बढ़ती ठंड के कारण खासकर वृद्धों और बच्चों के लिए चिकित्सकों ने अतिरिक्त सावधानी बरतने की सलाह दी है। सर्दी–जुकाम और खांसी जैसी मौसमी बीमारियों से लोग बड़ी संख्या में ग्रसित हैं। न्यूनतम तापमान लगातार 11 डिग्री पर बना हुआ है, जिससे सुबह के समय राहगीर और मुसाफिर ठंड से राहत पाने के लिए जगह-जगह कूड़ा–कचरा जलाते दिखे। न ही वृद्ध और असहाय लोगों के बीच कंबल वितरण की कोई पहल हुई है। किसानों ने बताया कि अत्यधिक शीतलहर का असर तेलहनी–दलहनी फसलों, आलू, टमाटर और अन्य सब्जियों पर पड़ सकता है।

30 किसानों को मिला फसल सुरक्षा का प्रशिक्षण

नवीन मेल संवाददाता

हैदरनगर। फसल सुरक्षा कार्यक्रम के तहत कुकही पंचायत सचिवालय में दो दिवसीय प्रशिक्षण का आयोजन किया गया, जिसमें 30 किसानों को प्रशिक्षित किया गया। कार्यक्रम का शुभारंभ प्रखंड तकनीकी प्रबंधक परवीन जहां ने किया। कृषि विशेषज्ञ शनि कुमार और दिवांशु रंजन ने पौधों की सुरक्षा, कीट नियंत्रण, बीज उपचार, जैव आधारित कीटनाशकों और जैविक खाद बनाने की विधि पर विस्तृत जानकारी दी। प्रशिक्षण के बाद किसानों को खेतों में ले जाकर व्यावहारिक जानकारी भी दी गई। कार्यक्रम में कई पंचायतों के किसान शामिल हुए।

कोषागार मुद्दा सदन में गूंजा, सरकार ने कहा- नए कोषागार की जरूरत नहीं

नवीन मेल संवाददाता

हुसैनाबाद (पलामू)। 08 दिसंबर 2025 को राज्य विधानसभा में हुसैनाबाद कोषागार से जुड़ा मुद्दा प्रमुखता से उठा। क्षेत्र के विधायक संजय कुमार सिंह यादव ने तारांकित प्रश्न के माध्यम से सरकार से पूछा कि क्या संयुक्त बिहार काल में हुसैनाबाद को अनुमंडल घोषित किया गया था। सरकार ने इसका स्वीकारात्मक उत्तर देते हुए पुष्टि की कि हुसैनाबाद लंबे समय से अनुमंडल है। दूसरे प्रश्न में विधायक ने झारखंड गठन के 25 वर्ष पूरे होने के बाद भी हुसैनाबाद में कोषागार की स्थापना न होने पर सरकार से स्पष्टीकरण मांगा। इस पर सरकार ने स्वीकार किया कि आज तक अनुमंडल में कोषागार स्थापित नहीं हुआ है और सभी कार्य पलामू कोषागार के माध्यम से संचालित किए जा रहे हैं। सबसे महत्वपूर्ण प्रश्न पर, क्या सरकार

हुसैनाबाद में कोषागार निर्माण की योजना रखती है, सरकार ने कहा कि अब सभी प्रक्रियाएं ऑनलाइन और पेपरलेस हैं, इसलिए नए कोषागार की आवश्यकता नहीं है। वित्त विभाग के संकल्प संख्या 665 (07.03.2024) का हवाला देते हुए सरकार ने कहा कि वेतन भुगतान से लेकर बिल पारित करने तक की प्रक्रिया इलेक्ट्रॉनिक माध्यम से हो रही है। हालांकि वास्तविक स्थिति इससे भिन्न है। सूत्रों के अनुसार आज भी सरकारी कर्मचारियों को वेतन विपत्र मेदिनीनगर कोषागार जाकर जमा करना पड़ता है और कई तरह की परेशानियाँ झेलनी होती हैं। सरकार ने राजद विधायक को आधे-अधूरे तथ्यों के आधार पर संतुष्ट कर दिया।

प्रशिक्षु शिक्षकों को दी विदाई

नीलांबर–पीतांबरपुर। कुमरेश इंटरनेशनल बीएड कॉलेज, रजवाडीह के प्रशिक्षु शिक्षकों को चार सप्ताह के शिक्षण अभ्यास पूर्ण होने पर राजकीयकृत बालक मध्य विद्यालय लेस्लीगंज में शनिवार को भावपूर्ण विदाई दी गई। 13 नवंबर से 10 दिसंबर तक चले इंटर्नशिप के दौरान प्रशिक्षुओं ने विभिन्न कक्षाओं में अनुशासन, व्यवहार और शिक्षण कला का उत्कृष्ट प्रदर्शन करते हुए बच्चों के सर्वांगीण विकास में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई। प्रधानाध्यापक अरविंद कुमार राम ने कहा कि सभी प्रशिक्षु शिक्षक भविष्य में शिक्षा जगत में अपनी अलग पहचान बनाएंगे। सहायक शिक्षक प्रियदर्शनी, संत कुमार तिवारी, कलावती कुमारी, संगीता कुमारी, सुषमा सोनी, प्रतिमा कुमारी एवं विद्यालय प्रबंधन समिति के अध्यक्ष जफर खान उपस्थित रहे। इंटर्नशिप में रिभा कुमारी, किरण कुमारी, वंदना कुमारी, दीप मलिक, सुरभि कुमारी और वंदना कुमारी (द्वितीय) शामिल रहीं। विद्यालय परिवार ने उनके उज्ज्वल भविष्य की शुभकामनाएँ दीं।

एके सिंह डिग्री कॉलेज में डायन प्रताड़ना, घरेलू हिंसा व लैंगिक भेदभाव के खिलाफ शपथ

हुसैनाबाद। एके सिंह डिग्री कॉलेज प्रांगण में शुक्रवार को 'जेंडर अभियान नई चेतना 4.0' के तहत जागरूकता कार्यक्रम आयोजित किया गया। प्रतिभागियों ने डायन प्रताड़ना, घरेलू हिंसा और लैंगिक भेदभाव के खिलाफ सामूहिक शपथ ली। कार्यक्रम में जेंडर समानता, महिलाओं के अधिकार, किशोरियों की शिक्षा, घरेलू हिंसा की रोकथाम तथा समाज में महिलाओं की नेतृत्व भूमिका जैसे विषयों पर जानकारी दी गई। ग्रामीण महिलाओं ने सक्रिय भागीदारी निभाई।

पांकी में जाम से जनजीवन प्रभावित

अव्यवस्थित पार्किंग व अतिक्रमण बना मुख्य कारण, स्थायी समाधान की मांग तेज

नवीन मेल संवाददाता

पांकी। कर्पूरी ठाकुर चौक से शहीद भगत सिंह चौक तक जाम की समस्या लोगों के लिए बड़ी परेशानी बन चुकी है। प्रतिदिन लगने वाले भीषण जाम से राहगीर, यात्री और वाहन चालक घंटों तक फंसे रहते हैं, लेकिन लगातार शिकायतों के बावजूद स्थिति में सुधार नहीं हो पा रहा। सड़क के दोनों किनारों पर ई-रिक्शा, टेम्पो, ठेला और अन्य वाहन अनियमित ढंग से खड़े रहते हैं। अवैध अतिक्रमण और अव्यवस्थित पार्किंग जाम का मुख्य कारण है। पांकी पुलिस समय-समय पर अभियान चलाकर कार्रवाई करती है, लेकिन व्यवस्था कुछ दिनों बाद फिर लचर हो जाती है। प्रतिदिन लोगों को 20 से 40 मिनट तक जाम की समस्या झेलनी पड़ती है। स्थानीय लोगों ने बताया कि चौराहों पर वाहनों का नियमों के विपरीत इधर-उधर से निकलना भी स्थिति को और खराब करता है। बेतरतीब तरीके से वाहन खड़े करने वालों पर कठोर कार्रवाई नहीं होने से समस्या जस की तस बनी हुई है। हाल ही में सांसद प्रतिनिधि प्रिंस सिंह ने प्रेस कॉन्फ्रेंस कर पांकी की जाम समस्या और सड़क पर अवैध अतिक्रमण की ओर प्रशासन का ध्यान आकर्षित कराया था। मुख्य बाजार में कई दुकानदारों द्वारा सड़क और नाली को अतिक्रमित कर लेने से सड़कें काफी संकीर्ण हो गई हैं, जिसके कारण दो छोटी गाड़ियों के भी पास होने में परेशानी होती है और आए दिन जाम लग जाता है।

निरंजन पासवान बने प्रखंड आपूर्ति पदाधिकारी, क्षेत्र में खुशी की लहर

पांकी। झारखंड स्टाफ सेलेक्शन कमीशन (जेएसएससी) द्वारा आयोजित सीजीएल परीक्षा के घोषित परिणाम में पांकी अम्बेडकर नगर निवासी गोबिंद पासवान के पुत्र निरंजन कुमार का चयन प्रखंड आपूर्ति पदाधिकारी पद के लिए हुआ। परिणाम मिलते ही परिवार व ग्रामीणों में हर्ष की लहर दौड़ गई और लोगों ने मिठाइयाँ बांटकर खुशी जताई। बधाई देने पहुंचे पांकी प्रखंड प्रमुख पंचम प्रसाद, उप प्रमुख अमित चौहान, उप मुखिया आनारिक राम सहित कई लोगों ने निरंजन को बुके भेंट कर सम्मानित किया। प्रमुख पंचम प्रसाद ने कहा कि निरंजन की सफलता से क्षेत्र के युवाओं में नई ऊर्जा का संचार हुआ है। उन्होंने बताया कि निरंजन के पिता मुर्गा बेचने का कार्य करते थे, और परिवार की परिस्थितियों के बावजूद निरंजन ने लगन से पढ़ाई कर यह मुकाम हासिल किया है।

पलामू में सैनिक स्कूल की मांग तेज

- मंत्रालय के जवाब से बढ़ी बेचैनी

नवीन मेल संवाददाता

हैदरनगर। पलामू में सैनिक स्कूल या किसी प्रमुख रक्षा परियोजना की स्थापना की पुरानी मांग एक बार फिर चर्चा में है। रक्षा मंत्रालय को भेजे गए निवेदन पर प्राप्त संक्षिप्त उत्तर से स्थानीय युवाओं और पूर्व सैनिकों में निराशा है। युवा एक्टिविस्ट अंकु सिंह राणा (पूर्व कैडेट, 44 बटालियन एनसीसी) ने बताया कि 11 नवंबर 2025 को रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह और अवर सचिव अशोक कुमार को भेजे गए उनके विस्तृत प्रतिवेदन पर मंत्रालय ने केवल यह लिखा कि सुझाव पर ध्यान दिया गया है। इसके बाद उन्होंने दोबारा आग्रह भेजकर कहा कि यह जनहित का अत्यंत महत्वपूर्ण विषय है। मंत्रालय की दूसरी प्रतिक्रिया में बताया गया कि पीपीपी मॉडल के तहत 100 नए सैनिक स्कूल खोले जा रहे हैं और चौथे चरण के लिए आवेदन 15 मई से 20 सितंबर 2025 तक लिए गए। मगर यह स्पष्ट नहीं किया गया कि क्या पलामू से आवेदन आया था या जिले का भौगोलिक आकलन हुआ या नहीं। यही अनिश्चितता लोगों की चिंता बढ़ा रही है। स्थानीय युवाओं, एनसीसी कैडेटों और पूर्व सैनिकों का कहना है कि पलामू की भू-स्थिति, युवा जनसंख्या और नक्सल प्रभावित क्षेत्रों की जरूरतों को देखते हुए यहां सैनिक स्कूल खुलना चाहिए। उन्होंने जनप्रतिनिधियों और जिला प्रशासन से आग्रह किया है कि वे पीपीपी मॉडल में आवेदन के लिए संस्थानों को प्रोत्साहित करें तथा रक्षा मंत्रालय को तथ्यात्मक प्रस्ताव भेजें। अंकु सिंह राणा ने कहा कि उद्देश्य केवल सैनिक स्कूल खोलना नहीं, बल्कि पलामू के युवाओं के लिए नए अवसर निर्माण करना है।

संदीप कुमार बने भाजपा प्रखंड मंडल अध्यक्ष

सतबरवा। स्थानीय भाजपा कार्यकर्ताओं के बीच रविवार को उत्साह का माहौल उस समय देखने को मिला, जब सतबरवा निवासी संदीप कुमार को पार्टी ने प्रखंड मंडल अध्यक्ष की जिम्मेदारी सौंपी। इस घोषणा के बाद पलामू जिला अध्यक्ष अमित तिवारी, विधायक प्रतिनिधि राणा प्रताप कुशवाहा सहित बड़ी संख्या में कार्यकर्ताओं ने संदीप कुमार का स्वागत माला पहनाकर और मिठाई खिलाकर किया। कार्यक्रम के दौरान विधायक प्रतिनिधि राणा प्रताप कुशवाहा ने कहा कि पार्टी संगठन में संदीप कुमार का अब तक का योगदान सराहनीय और संतोषजनक रहा है।

जेल निर्माण फिर अटका, अतिरिक्त भूमि व सड़क विवाद बना बाधा

नवीन मेल संवाददाता

हुसैनाबाद (पलामू)। 08 दिसंबर 2025 को सदन में हुसैनाबाद में प्रस्तावित अनुमंडलीय कारागार निर्माण का मुद्दा फिर उठा। विधायक संजय कुमार सिंह यादव के प्रश्नों के उत्तर में सरकार ने स्वीकार किया कि वर्ष 2019–20 में जेल निर्माण के लिए भूमि अधिग्रहित की गई थी, लेकिन तकनीकी कारणों से निर्माण संभव नहीं हुआ। झारखंड पुलिस हाउसिंग कॉरपोरेशन ने बताया कि चयनित भूमि की चहारदीवारी कई स्थानों पर कोण बनाती है, जो सुरक्षा मानकों के अनुरूप नहीं है। साथ ही भूमि के बीच से गुजरने वाली सड़क निर्माण में बाधा उत्पन्न कर रही है, जिसका डायवर्जन अनिवार्य है। मेदिनीनगर केंद्रीय कारा के अधीक्षक ने भी मॉर्डन प्रिजन मैन्युअल–2016 के मानकों के अनुसार 6 एकड़ अतिरिक्त भूमि की आवश्यकता बताई है। उपायुक्त पलामू को अतिरिक्त भूमि उपलब्ध कराने और सड़क डायवर्जन की दिशा में कार्रवाई का अनुरोध किया गया है, जो अब तक लंबित है। हुसैनाबाद में कोषागार और जेल—दोनों परियोजनाएँ वर्षों से रुकी हैं और सरकार ने जिम्मेदारी से बचने का प्रयास किया है।

चैनपुर के दो जलाशयों में मत्स्य अंगुलिकाओं का संचयन

- स्थानीय ग्रामीणों को योजनाओं का लाभ दिलाने के उद्देश्य से विभाग की पहल

नवीन मेल संवाददाता

चैनपुर। प्रखंड क्षेत्र के बुटन डूबा डैम और रानीताल डैम में मत्स्य विभाग द्वारा गुरुवार को बड़े पैमाने पर मत्स्य अंगुलिकाओं का संचयन किया गया। बुटन डूबा डैम में एक लाख दस हजार आईएमसी तथा पचास हजार ग्लासाकार मछलियों का संचयन किया गया, जबकि रानीताल डैम में चालीस हजार आईएमसी मछलियां छोड़ी गईं। इस अवसर पर जिला मत्स्य पदाधिकारी, जिला पशुपालन पदाधिकारी तथा चैनपुर प्रखंड विकास पदाधिकारी उपस्थित रहे। जिला मत्स्य पदाधिकारी ने बताया कि संचयन का उद्देश्य स्थानीय ग्रामीणों को मत्स्य विभाग की जनकल्याणकारी योजनाओं से लाभान्वित करना है। उन्होंने कहा कि भविष्य में ये मछलियां पूरी तरह विकसित होने के बाद ग्रामीण मछली पकड़कर आर्थिक लाभ प्राप्त कर सकेंगे।

हुसैनाबाद मुख्य बाजार में खतरा बढ़ा

जर्जर बिजली तारों को हटाने की मांग

नवीन मेल संवाददाता

हुसैनाबाद (पलामू)। हुसैनाबाद नगर के मुख्य बाजार क्षेत्र में लटके जर्जर और पुराने बिजली तारों के कारण हादसे का खतरा बढ़ गया है। इसी गंभीर समस्या की ओर ध्यान आकर्षित कराने के लिए स्थानीय निवासी प्रदीप कुमार पटेल ने विद्युत सहायक अभियंता, हुसैनाबाद को एक लिखित आवेदन सौंपा है। आवेदन में उन्होंने बताया कि बाजार क्षेत्र में वर्षों पुराने, कमजोर और अनावश्यक बिजली के तार एवं खम्भे अब खतरनाक स्थिति में पहुंच चुके हैं। कई तार नीचे लटक रहे हैं और कभी भी गिरकर बड़ी दुर्घटना का कारण बन सकते हैं। सबसे अधिक खतरा स्कूल आने-जाने वाले बच्चों तथा वृद्ध लोगों को बना रहता है। मुख्य सड़क और आवासीय इलाकों के ऊपर से गुजर रहे ये जर्जर तार आम लोगों के लिए गंभीर सुरक्षा चुनौती बन चुके हैं। उन्होंने बिजली विभाग से मांग की है कि पुराने और असुरक्षित तारों को जल्द से जल्द हटाकर क्षेत्रवासियों को सुरक्षित वातावरण उपलब्ध कराया जाए।

प्राकृतिक सौंदर्य भीमबराज में मोटर बोट से जलविहार का आकर्षण बढ़ा, सैलानियों की लगातार बढ़ती आवाजाही

मनोहारी दृश्य में मोटर बोट की सैर अद्भुत अनुभव प्रदान करती है : पर्यटक

नवीन मेल संवाददाता

मोहम्मदगंज। भीमचुल्हा पर्यटक स्थल स्थित भीमबराज में मोटर बोट से जलविहार का आकर्षण लगातार बढ़ रहा है। शुक्रवार को बड़ी संख्या में पहुंचे सैलानियों ने बोट से जलविहार कर प्राकृतिक सौंदर्य का आनंद लिया। पर्यटकों ने कहा कि भीमबराज के मनोहारी दृश्य और शांत वातावरण में मोटर बोट की सैर अद्भुत अनुभव प्रदान करती है। पुजारी सह गाइड पंडित गंगा तिवारी ने बताया कि मोटर बोट सुविधा शुरू होने से यह स्थल पर्यटन का प्रमुख आकर्षण बन गया है। दिसंबर–जनवरी में सैलानियों की भीड़ अन्य वर्षों की तुलना में अधिक रहने की संभावना है। मकर संक्रांति मेला के दौरान भी पर्यटकों की भारी आमद की उम्मीद जताई जा रही है।

बैरिया चौक पर नवनिर्मित यातायात पुलिस पोस्ट का उद्घाटन

धूप-धूल से राहत, ट्रैफिक पुलिसकर्मियों का बोझ होगा कम : आईजी

● शहर की यातायात व्यवस्था प्रभावी बनेगी : एसपी

नवीन मेल संवाददाता

मेदिनीनगर। शहर के बैरिया चौक पर नवनिर्मित यातायात पुलिस पोस्ट का शुक्रवार को पलामू आईजी शैलेंद्र कुमार सिन्हा और एसपी रिशमा रमेशन ने संयुक्त रूप से उद्घाटन किया। कड़ी धूप, बारिश व धूल झेलते हुए ड्यूटी निभाने वाले पुलिसकर्मियों की सुविधा के लिए यह सकारात्मक कदम शहर की यातायात व्यवस्था को मजबूत करेगा।

आईजी शैलेंद्र कुमार सिन्हा ने कहा कि अब यातायात पुलिसकर्मी कड़ी धूप व सड़क की धूल में खुले में खड़े रहकर ड्यूटी नहीं करेंगे। थकान पर पोस्ट के भीतर आराम से उनकी सतर्कता बनी रहेगी तथा ट्रैफिक प्रबंधन सुचारू होगा।

एसपी रीशमा रमेशन ने बताया कि पोस्ट धूप, बारिश व ठंड से बचाव हेतु बनाया गया है। इससे ड्यूटी करने वालों को सुविधा मिलेगी और शहर की यातायात व्यवस्था प्रभावी बनेगी।

मौके पर डीएसपी मणि भूषण प्रसाद, शहर थाना प्रभारी ज्योति लाल रजवार, सदर थाना प्रभारी लालजी, ट्रैफिक प्रभारी सत्येंद्र दुबे, टीओपी-1 प्रभारी इंद्रदेव पासवान, टीओपी-3 प्रभारी अजय कुमार गुप्ता, एएसआई विनोद कुमार यादव, सहायक पुलिस जवान शीतल प्रजापति, हरेंद्र कुमार, धर्मेंद्र कुमार सहित अन्य उपस्थित रहे।

कनकनी बढ़ी, अलाव की व्यवस्था के लिए चार लाख रुपए मिले

● जिलेभर के चौक-चौराहों, अस्पतालों, बस स्टैंडों पर रोज जलेंगे अलाव

नवीन मेल संवाददाता

मेदिनीनगर। पलामू में कड़ाके की ठंड और बढ़ती कनकनी को देखते हुए जिला आपदा प्रबंधन विभाग ने सार्वजनिक स्थलों पर अलाव की व्यवस्था के लिए चार लाख रुपये आवंटित किए हैं। जिले में न्यूनतम तापमान गिरकर 6 डिग्री सेल्सियस पर पहुंच गया है, जिससे जनजीवन काफी प्रभावित हो रहा है। पैदल राहगीरों, फुटपाथी दुकानदारों, रिक्शा-ऑटो चालकों और आम लोगों को राहत देने के लिए प्रतिदिन अलाव जलाने का निर्देश दिया गया है। आपदा प्रबंधन पदाधिकारी जय राम सिंह यादव ने बताया कि सरकार से मिली राशि का उप-आवंटन सभी नगर निकायों और अंचल अधिकारियों (सीओ) को कर दिया गया है। मेदिनीनगर नगर निगम को 25 हजार रुपये, हुसैनाबाद और छतरपुर नगर पंचायत को 15-15 हजार रुपये, हरिहरगंज नगर पंचायत को 10 हजार रुपये दिए गए हैं। इसके अलावा मेदिनीनगर, चैनपुर, पाटन और पांकी अंचलों को 20-20 हजार रुपये तथा अन्य सभी अंचलों सतबरवा, लेस्लीगंज, उंटारी रोड, तरहसी, मनातू, छतरपुर, नावा बाजार, नौडीहा बाजार, विश्रामपुर, मोहम्मदगंज, हुसैनाबाद, हरिहरगंज, पिपरा, पड़वा, पांडू और हैदरनगर को 15-15 हजार रुपये दिए गए हैं। नगर निगम के सहायक आयुक्त प्रमोद उरांव ने बताया कि निगम अपनी ओर से भी शहर के प्रमुख चौक-चौराहों पर अलाव की अतिरिक्त व्यवस्था करेगा। शाम 4 बजे से कनकनी बढ़ जाने के कारण लोगों का जनजीवन अस्त-व्यस्त हो रहा है। रात 7 बजे के बाद सड़कों पर आवागमन कम हो जाता है और लोग ठंड से बचने के लिए घरों में दुबकने को विवश हैं। जिला प्रशासन ने सभी निकायों और अंचल अधिकारियों को स्पष्ट निर्देश दिया है कि अलाव की व्यवस्था में किसी भी प्रकार की लापरवाही नहीं होनी चाहिए।

चैंबर ऑफ कॉमर्स ने की नगर आयुक्त से मुलाकात

● शहर की समस्याओं पर विस्तार से चर्चा, समाधान का आश्वासन

नवीन मेल संवाददाता

मेदिनीनगर। चैंबर ऑफ कॉमर्स एंड इंडस्ट्रीज के प्रतिनिधिमंडल ने नगर निगम मेदिनीनगर के नगर आयुक्त मोहम्मद जावेद हुसैन से शिष्टाचार मुलाकात की और विस्तृत बैठक में शहर की विभिन्न समस्याओं पर चर्चा की।

चैंबर ने पानी आपूर्ति, कचरा संग्रहण, बिजली व्यवस्था और सफाई कार्यों की सराहना करते हुए शिकायतों एवं सुझावों को रखा। बिजली के खंभों की गलत ढंग से स्थापना, अवैध पार्किंग शुल्क वसूली, छमुहान चौक से अस्पताल चौक तक जाम की समस्या और छोटे पार्किंग स्पेस बनाए जाने पर नगर आयुक्त ने शीघ्र कार्रवाई का भरोसा दिया।

चैंबर द्वारा बाजार क्षेत्र में शिविर लगाने के प्रस्ताव को भी नगर आयुक्त ने स्वीकार किया। सड़क दुर्घटनाओं को देखते हुए स्टॉप बैरियर या रेडियमयुक्त डिवाइडर लगाने का सुझाव दिया गया, जिस पर नगर निगम ने सहयोग का आश्वासन दिया।

बैठक में संगठन के अध्यक्ष विकास सिटी, सचिव वरुण जायसवाल, गुरबीर सिंह, संतोष कुमार गुप्ता सहित कई पदाधिकारी उपस्थित थे।

पलामू में पैक्सों के माध्यम से खरीदा जाएगा दो लाख क्विंटल धान

15 दिसंबर से होगी धान खरीद, 63 पैक्स तैयार

● दो से सात दिनों के भीतर किसानों को मिलेगा भुगतान

नवीन मेल संवाददाता

मेदिनीनगर। पलामू में 15 दिसंबर से पैक्सों के माध्यम से किसानों से धान खरीद शुरू हो जाएगी। चालू खरीफ वर्ष में जिले के लिए दो लाख क्विंटल धान खरीदने का लक्ष्य निर्धारित किया गया है। इसके लिए जिले में कुल 63 पैक्स केंद्र प्रस्तावित किए गए हैं। धान खरीद प्रक्रिया सीसीटीवी निगरानी में होगी और पैक्स अध्यक्षों को कैमरा लगाना अनिवार्य किया गया है।

पैक्सों में किसानों के लिए पानी सहित सभी बुनियादी सुविधाओं की व्यवस्था सुनिश्चित करने हेतु प्रखंड खाद्य आपूर्ति पदाधिकारी और पैक्स अध्यक्षों को निर्देश जारी किए गए हैं। विभाग की ओर से पॉश मशीन और धान की गुणवत्ता जांचने वाली मॉच्यूराइजर मशीन उपलब्ध कराई जाएगी।

पलामू जिला खाद्य आपूर्ति पदाधिकारी प्रीति किस्कू ने बताया कि धान खरीद की तैयारी अंतिम चरण में है। पैक्स अध्यक्षों को प्रशिक्षण दिया जा चुका है। सरकार द्वारा निर्धारित दर पर ही किसानों से धान की खरीद की जाएगी। इस वर्ष जिले में अच्छी बारिश के कारण धान की फसल भी बेहतर हुई है। उन्होंने किसानों से अपील की कि वे धान बिचौलियों को न बेचें और सीधे पैक्सों के माध्यम से बेचें, ताकि उन्हें उचित कीमत मिल सके। अब तक ई-उपार्जन पोर्टल पर 13,579 किसानों ने रजिस्ट्रेशन कराया है, जबकि प्रक्रिया अभी जारी है। इच्छुक किसान अपना पंजीकरण करा सकते हैं।

वर्ष 2024-25 में जिले में 3801 किसानों से 35 पैक्सों के माध्यम से 2,83,149 क्विंटल धान की खरीद की गई थी और सभी किसानों को भुगतान भी कर दिया गया था।

इस बार पैक्सों में धान बेचने वाले किसानों को दो से सात दिनों के भीतर एकमुश्त राशि का भुगतान किया जाएगा। पहले किसानों को राशि दो किस्तों में मिलती थी।

पंडित रामनारायण शुक्ल की पुण्यतिथि पर काव्य गोष्ठी

मेदिनीनगर। परिमल प्रवाह साहित्यिक संस्था के तहत गोलपा गांव में पंडित रामनारायण शुक्ल की पुण्यतिथि पर विचार सह काव्य गोष्ठी आयोजित की गई। साहित्यकारों ने उन्हें शास्त्रीय संगीत के ज्ञाता, रामायण के विद्वान, समाज सेवक और उत्कृष्ट मानव के रूप में याद किया। कार्यक्रम में कई साहित्यकारों ने काव्य पाठ किया। इस अवसर पर उनके परिजनों द्वारा पच्चीस जरूरतमंदों को कंबल वितरित किए गए।

मनातू में अवैध अफीम की खेती नष्ट

मेदिनीनगर। मनातू थाना क्षेत्र के ग्राम अपटी के जंगल में वन विभाग और मनातू थाना पुलिस की संयुक्त टीम ने अवैध अफीम उन्मूलन अभियान चलाया। ड्रोन कैमरे से अवैध खेती का स्थान चिह्नित किया गया। टीम ने पहुंचकर लगभग पांच एकड़ वन भूमि में फैली अवैध अफीम की फसल को ट्रैक्टर चलवाकर नष्ट कर दिया। खेती में शामिल लोगों की पहचान की प्रक्रिया जारी है। सत्यापन के बाद वन विभाग द्वारा संबंधित अधिनियमों के तहत कार्रवाई की जाएगी।

सार्वभौमिक स्वास्थ्य कवरेज दिवस पर जागरूकता शिविर

मेदिनीनगर। झालसा के निर्देश और प्रधान जिला एवं सत्र न्यायाधीश श्रीराम शर्मा के मार्गदर्शन में सार्वभौमिक स्वास्थ्य कवरेज दिवस पर चैनपुर स्वास्थ्य केंद्र में जागरूकता शिविर हुआ। शिविर में आयुष्मान भारत योजना, आयुष्मान कार्ड, अस्पतालों में उपलब्ध निःशुल्क दवाएं, जांच सेवाएं, डायलिसिस कार्यक्रम और प्रसव से संबंधित सुविधाओं के बारे में जानकारी दी गई। तरहसी और पाटन स्वास्थ्य केंद्र में भी लोगों को मातृ एवं शिशु स्वास्थ्य सुविधाओं तथा योजनाओं के तहत दी जाने वाली सहायता राशि की जानकारी दी गई।

हिंडालको ने मेगा हेल्थ कैंप का आयोजन किया

मेदिनीनगर। हिन्डालको इंडस्ट्रीज लिमिटेड के कठौतिया ओपन कास्ट कोल माइंस की सीएसआर इकाई ने निः शुल्क मेगा हेल्थ कैंप आयोजित किया। कैंप का उद्घाटन प्रभारी चिकित्सा पदाधिकारी डॉक्टर अमित कुमार आजाद ने किया। पांच विशेषज्ञ चिकित्सकों ने अलग-अलग बीमारियों की जांच की और मरीजों को मुफ्त दवा दी। हिन्डालको प्रबंधन ने कहा कि कंपनी केवल व्यवसाय नहीं करती, बल्कि क्षेत्र के विकास और स्वास्थ्य सेवाओं में महत्वपूर्ण योगदान देती है। कैंप में माइंस के अधिकारी, कर्मचारी और ग्रामीण बड़ी संख्या में शामिल हुए।

पूर्व सैनिकों की समस्याओं के समाधान के लिए कैंप

मेदिनीनगर। वेटरन्स आउटरीच प्रोग्राम के तहत रांची से आई 124 माउंटेन ब्रिगेड की सतत मिलाप टीम ने चैनपुर ब्लॉक में पूर्व सैनिकों की समस्याओं को सुनने और उनके समाधान के लिए कैंप लगाया। अखिल भारतीय पूर्व सैनिक सेवा परिषद पलामू के जिलाध्यक्ष दामोदर मिश्र ने बताया कि प्रत्येक जिले में पूर्व सैनिकों की देखभाल और संपर्क बनाए रखने की जिम्मेदारी एक यूनिट को दी गई है। टीम ने पेंशन, स्वास्थ्य, सुविधाओं और प्रमाणपत्रों से संबंधित समस्याओं की सुनवाई कर आवश्यक सहायता प्रदान की।

चैनपुर प्रखंड की निर्विरोध प्रमुख बनीं प्रभा देवी

चैनपुर। प्रखंड सभागार में शुक्रवार सुबह 10 बजे एसडीओ सुलोचना मीणा की अध्यक्षता में प्रखंड प्रमुख का चुनाव संपन्न हुआ। मझिगावां पंचायत की पंचायत समिति सदस्य प्रभा देवी ने प्रमुख पद के लिए दावेदारी पेश की और निर्विरोध रूप से चैनपुर प्रखंड प्रमुख घोषित की गईं। कुल 31 में से 30 पंचायत समिति सदस्यों ने एकमत होकर प्रभा देवी के पक्ष में सहमति दी। ज्ञात हो कि छह माह पूर्व पूर्व प्रमुख गायत्री देवी के खिलाफ अविश्वास प्रस्ताव लाया गया था, जिसके बाद उप प्रमुख सुनील सिंह प्रभारी प्रमुख के रूप में दायित्व निभा रहे थे। घोषणा के दौरान जिला परिषद सदस्य फजायल अहमद, प्रमोद सिंह, रामलव चौरसिया, सुनील सिंह, बबलू चौरसिया, संतु चौरसिया सहित बड़ी संख्या में ग्रामीण मौजूद रहे।

निजी खर्च से ग्रामीण ने कराई चापाकल की मरम्मत

मोहम्मदगंज। राजनडीह टोला में एक महीने से खराब पड़े सरकारी चापाकल की मरम्मती ग्रामीण रामाशीष रजवार ने अपने निजी खर्च पर कराई। विभाग ने मरम्मती से हाथ खड़े कर दिए थे। ग्रामीणों ने उनके इस कदम की सराहना की है और विभागीय उदासीनता पर नाराजगी भी जताई है।

वृद्धा आश्रम में नेत्र जांच शिविर आयोजित

मेदिनीनगर। पलामू के प्रधान जिला एवं सत्र न्यायाधीश सह जिला विधिक सेवा प्राधिकार के अध्यक्ष श्रीराम शर्मा के निर्देश और प्राधिकार के सचिव राकेश रंजन के मार्गदर्शन में गुरुवार को बारालोटा स्थित वृद्धा आश्रम में आंख जांच शिविर आयोजित किया गया। शिविर में वृद्धा आश्रम में रह रहे सभी बुजुर्गों की आंखों की जांच की गई और आवश्यकता अनुसार दवाएं दी गईं। मौके पर मौजूद पारा लीगल वॉलिंटियर ने बुजुर्गों का हालचाल जानकर उनकी समस्याएं सुनीं। चिकित्सकों ने उन्हें स्वास्थ्य संबंधी सावधानियां अपनाने की सलाह दी। शिविर में डॉक्टर अमरेंद्र कुमार, डॉक्टर शिल्पा हेम्ब्रम के साथ वृद्धा आश्रम के कर्मी शनि ओझा, हर्षिता पांडेय, विजय श्रीवास्तव, गायत्री श्रीवास्तव और पारा लीगल वॉलिंटियर सतीश वैध तथा पंकज कुमार दुबे उपस्थित थे।

भाजपा ने घोषित किए 16 मंडल अध्यक्ष संगठन मजबूती पर हुई विस्तृत समीक्षा

नवीन मेल संवाददाता

मेदिनीनगर। भारतीय जनता पार्टी की जिला स्तरीय बैठक में आगामी चुनावी तैयारियों और संगठनात्मक मजबूती पर विस्तार से चर्चा की गई। बैठक में जिला चुनाव प्रभारी सुरेश साहू, सह-चुनाव प्रभारी लवली गुप्ता और नरेंद्र पांडे मौजूद रहे। प्रदेश महामंत्री मनोज सिंह, जिला अध्यक्ष अमित तिवारी सहित पार्टी के वरिष्ठ नेताओं एवं सक्रिय कार्यकर्ताओं की भी उपस्थिति रही। बैठक के दौरान जिले के विभिन्न मंडलों में नए अध्यक्षों की घोषणा की गई। पार्टी पदाधिकारियों ने कहा कि संगठन की मजबूती के लिए प्रत्येक मंडल में सक्रिय नेतृत्व आवश्यक है। सभी नवनियुक्त अध्यक्षों को बूथ स्तर तक संगठन को सशक्त बनाने और जनसंपर्क अभियान को तेज करने का निर्देश दिया गया।

घोषित 16 मंडल अध्यक्षों की सूची इस प्रकार है : पाकी से विश्वजीत सिंह, सगलीम से राकेश जक्ष राम, लेस्लीगंज से प्रकाश मेहता, कुंदरी से काशीनाथ विश्वकर्मा, लोहरसी से रोशन सिंह, मनातू से अरविंद यादव, तरहसी से परमेश्वर साव, सतबरवा से संदीप कुमार, मेदिनीनगर ग्रामीण उत्तरी से सुनील तिवारी, मेदिनीनगर ग्रामीण दक्षिणी से सरवन गुप्ता, मेदिनीनगर सदर से पोलपोल आनंद सिंह, बिश्रामपुर नगर से ज्वाला गुप्ता, ऊटारी रोड से रघुवीर चंद्रवंशी, नावाबाजार से महादेव यादव, पड़वा से वशिष्ठ कुमार तथा हुसैनाबाद नगर से अजय गुप्ता। नेताओं ने उम्मीद जताई कि नए मंडल अध्यक्ष पार्टी की नीतियों के संदेश को जन-जन तक पहुंचाते हुए संगठन को नई ऊर्जा प्रदान करेंगे। सभी पदाधिकारियों ने मिलकर आगामी कार्यक्रमों की रणनीति पर भी मंथन किया।

रेड बुल सेमीफाइनल में, राइजिंग स्टार को करारी हार

पलामू पुलिस व बारालोटा -11 के बीच मुकाबला आज

नवीन मेल संवाददाता

मेदिनीनगर। दिशोम गुरु स्वर्गीय शिबू सोरेन मेमोरियल पलामू कप के छठे दिन हुए मुकाबले में रेड बुल ने शानदार प्रदर्शन करते हुए राइजिंग स्टार को हराकर सेमीफाइनल में जगह बनाई। राइजिंग स्टार ने पहले बल्लेबाजी की और 142 रनों का लक्ष्य दिया। रेड बुल ने तूफानी बल्लेबाजी करते हुए केवल नौ ओवर में लक्ष्य हासिल कर लिया। समीर अंसारी ने 12 गेंदों में 37 रन बनाकर मैच का रुख बदल दिया और मैन ऑफ द मैच चुने गए। आयोजक सन्नी शुक्ला और आशुतोष विनायक ने कहा कि प्रतियोगिता अब रोमांचक मोड़ पर पहुंच चुकी है। शनिवार को पलामू पुलिस और बारालोटा इलेवन के बीच होने वाला मुकाबला विशेष आकर्षण का केंद्र होगा।

संत मरियम स्कूल के रौनक व युवराज नेशनल सॉफ्टबॉल चैंपियनशिप के लिए चयनित

मेदिनीनगर। संत मरियम स्कूल के प्रतिभावान छात्र रौनक कुमार और युवराज कुमार का चयन नेशनल सॉफ्टबॉल चैंपियनशिप के लिए हुआ है। चयन की सूचना मिलते ही विद्यालय परिसर में उत्साह का वातावरण बन गया। विद्यालय के चेयरमैन अविनाश देव ने दोनों खिलाड़ियों से मिलकर उनकी तैयारी के बारे में जानकारी ली और मिठाई खिलाकर सम्मानित किया। कार्यक्रम में खिलाड़ियों के अभिभावक और शारीरिक शिक्षक सुमित बर्मन उपस्थित थे। सुमित बर्मन ने बताया कि दत्तपुलिया पश्चिम बंगाल में 14 से 18 दिसंबर तक आयोजित चैंपियनशिप में झारखंड के कई जिलों के खिलाड़ी भाग लेंगे। पलामू से संत मरियम स्कूल की सात छात्राएं नेहा कुमारी, पूजा कुमारी, सोनी कुमारी, सानवी प्रिया और जिज्ञासा गुप्ता भी चयनित हुई हैं। सभी खिलाड़ी झारखंड सॉफ्टबॉल संगठन के कोच दीपक तिवारी के नेतृत्व में शक्तिपुंज एक्सप्रेस से दत्तपुलिया रवाना हुए।

पलामू जिला बार एसोसिएशन में नई ऊर्जा, नए अध्याय की शुरुआत

महासचिव अजय पांडेय की पहल से मिला नए भवन निर्माण को स्वीकृति

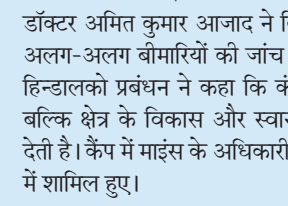

मेदिनीनगर। पलामू जिला बार एसोसिएशन का इतिहास गंभीरता, संघर्ष और प्रतिष्ठा से भरा रहा है। इस लंबे सफर में अनेक विद्वान अधिवक्ताओं ने न सिर्फ संगठन की गरिमा को बढ़ाया, बल्कि अपनी सकारात्मक भूमिका से एसोसिएशन को मजबूत दिशा भी दी। इन्हीं प्रेरणादायी व्यक्तित्वों में एक नाम पलामू जिला बार एसोसिएशन के वर्तमान महासचिव, युवा, जुझारू व विद्वान अधिवक्ता अजय कुमार पांडेय का। जिनकी कार्यशैली और समर्पण ने संगठन को नई पहचान दी है। संगठन से जुड़े अधिवक्ताओं की समस्याओं को समझते हुए उनके समाधान के लिए लगातार प्रयास करना, उन्हें सम्मानजनक माहौल देना और बार की छवि को सशक्त बनाना। यह सभी पहल महासचिव अजय पांडेय की प्रतिबद्धता का परिणाम हैं। अधिवक्ताओं से जुड़े मुद्दों को लेकर उनकी संवेदनशीलता और सक्रियता को सभी ने महसूस किया है, जिसके सकारात्मक परिणाम अब स्पष्ट दिखाई देने लगे हैं। इन्हीं लगातार प्रयासों की कड़ी में एसोसिएशन को बड़ी उपलब्धि मिली है। जिला बार एसोसिएशन के नए प्रशासनिक भवन निर्माण कार्य को तकनीकी स्वीकृति मिल चुकी है, जिसकी लागत 4,73,83,800 निर्धारित की गई है। यह भवन एसोसिएशन के भविष्य को नई दिशा देगा और अधिवक्ताओं के लिए कार्य-सुविधाओं का विस्तार करेगा। महासचिव अजय कुमार पांडे ने बताया कि इस महत्वपूर्ण उपलब्धि में वर्तमान उपायुक्त समीर एस, पूर्व डीसी शशि रंजन सहित अधिकारियों व जनप्रतिनिधियों का विशेष सहयोग मिला है। उन्होंने कहा कि यह स्वीकृति पूरे अधिवक्ता संघ के लिए गर्व और खुशी का क्षण है। हम सभी सहयोगकर्ताओं के प्रति आभारी हैं। उन्होंने यह भी बताया कि टेंडर प्रक्रिया शीघ्र पूरी की जाएगी और कार्यपालक अभियंता इस दिशा में विशेष तत्परता दिखा रहे हैं। भवन निर्माण विभाग द्वारा जी प्लस 4 मॉडल पर बनने वाला यह नया परिसर आधुनिक सुविधाओं से सुसज्जित होगा। इसी परियोजना के तहत जिला बार एसोसिएशन का नया भवन भी प्रस्तावित है, जो संगठन में पेशेवर सुविधा और सशक्त भागीदारी का नया मानक स्थापित करेगा। यह स्वीकृति वित्तीय वर्ष 2025-26 के तहत दी गई है।

सीईआईआर पोर्टल से बड़ी सफलता, गढ़वा पुलिस ने 53 गुमशुदा मोबाइल बरामद किए

● एसपी ने समाहरणालय में मालिकों को मोबाइल सौंपे

नवीन मेल संवाददाता

गढ़वा। समाहरणालय स्थित पुलिस अधीक्षक कार्यालय के सभागार में शुक्रवार को जिले के विभिन्न थाना और ओपी क्षेत्रों से बरामद 53 गुमशुदा मोबाइल फोन उनके वास्तविक मालिकों को सौंपे गए। यह सफलता भारत सरकार के दूरसंचार विभाग की पहल सेंट्रल इक्विपमेंट आइडेंटिटी रजिस्टर यानी सीईआईआर पोर्टल के प्रभावी उपयोग से मिली है। इस वर्ष अब तक गढ़वा पुलिस 113 मोबाइल बरामद कर चुकी है, जिनमें से 60 मोबाइल पहले उनके मालिकों को सौंपे जा चुके हैं। गढ़वा पुलिस ने नागरिकों से अपील की कि मोबाइल खोने या चोरी होने पर तुरंत निकटतम थाना को सूचना दें तथा सीईआईआर पोर्टल पर जाकर फोन को ब्लॉक करें और आवश्यक विवरण भरें। इससे बरामदगी की प्रक्रिया तेज होती है। पुलिस ने सुरक्षित समाज और तकनीक आधारित सेवा प्रदान करने की अपनी प्रतिबद्धता दोहराई है।

सर्वभौमिक स्वास्थ्य कवरेज दिवस पर जागरूकता कार्यक्रम आयोजित

केतार। प्रखंड कार्यालय सभागार में शुक्रवार को जिला विधिक सेवा प्राधिकार के तत्वावधान में सर्वभौमिक स्वास्थ्य कवरेज दिवस पर जागरूकता कार्यक्रम आयोजित किया गया। कार्यक्रम की अध्यक्षता बीडीओ प्रशांत कुमार ने की। कार्यक्रम में पीएलवी अभिषेक पाठक ने लोगों को दिव्यांग प्रमाण पत्र बनवाने की प्रक्रिया, पात्रता और विभिन्न सरकारी योजनाओं से जुड़े लाभों की जानकारी दी। उन्होंने बताया कि मानसिक रोगी, अल्पदृष्टि, मुखबधिर, कम सुनने वाले तथा बौनापन सहित सभी श्रेणी के दिव्यांगों का प्रमाण पत्र सदर अस्पताल, गढ़वा में प्रतिदिन बनाया जा रहा है। उन्होंने कहा कि प्रमाण पत्र उपलब्ध होने पर पात्र लाभुकों को दिव्यांग पेंशन योजना का लाभ सुनिश्चित कराया जाएगा। पीएलवी ने यह भी बताया कि आगामी 13 दिसंबर को नगर उंटारी कोर्ट में लोक अदालत का आयोजन होगा, जिसमें ग्रामीण घरेलू विवाद, बिजली, वन विभाग तथा बैंक लोन से जुड़े मामलों का निपटारा करा सकते हैं। कार्यक्रम की अध्यक्षता कर रहे बीडीओ प्रशांत कुमार ने जिला विधिक सेवा प्राधिकार की पहल की सराहना करते हुए कहा कि संस्था द्वारा आमजन को हर संभव सहयोग प्रदान किया जा रहा है। उन्होंने लोगों से अपील की कि किसी भी प्रमाण पत्र या छोटी समस्या के समाधान के लिए प्रखंड कार्यालय में उपलब्ध पीएलवी से संपर्क करें।

शशिरंजन दुबे फिर बने कांडी मंडल अध्यक्ष

कांडी। प्रखंड क्षेत्र अंतर्गत पतीला गांव निवासी शशिरंजन दुबे को भाजपा ने पुनः कांडी मंडल अध्यक्ष मनोनीत किया है। शुक्रवार को जिले में आयोजित महत्वपूर्ण सांगठनिक बैठक में निर्वाची पदाधिकारी अमरदीप यादव, गणेश मिश्रा, चुनाव प्रभारी ओमप्रकाश केशरी और जिला अध्यक्ष ठाकुर प्रसाद महतो की मौजूदगी में चुनाव प्रक्रिया पूरी की गई। दुबे को दोबारा अध्यक्ष बनाए जाने से भाजपा कार्यकर्ताओं में उत्साह देखा गया। उन्हें बधाई देने वालों में ललन पासवान, सिताराम तिवारी, दिनेश पासवान, रामलला दूबे सहित दर्जनों कार्यकर्ताओं के नाम शामिल हैं। मंडल अध्यक्ष शशिरंजन दुबे ने कहा कि वे पार्टी संगठन को मजबूत करने, कार्यकर्ताओं को सक्रिय रखने और संगठन के विस्तार के लिए पूरी निष्ठा और मेहनत से कार्य करेंगे। उन्होंने कहा कि उन्हें सौंपी गई जिम्मेदारी का वे पूरी ईमानदारी से निर्वहन करेंगे।

एसपी करियर ग्लोबल स्कूल के बच्चों का सूर्य नारायण वन मंदिर में शैक्षणिक भ्रमण

केतार। एसपी करियर ग्लोबल स्कूल, बेलाबार के छात्र-छात्राओं ने शुक्रवार को सूर्य नारायण वन मंदिर का शैक्षणिक भ्रमण किया। बच्चों ने प्राकृतिक वातावरण, मंदिर परिसर की शांति और वन क्षेत्र की हरियाली का आनंद लिया। विद्यालय प्रबंधन ने बच्चों के लिए भोजन की विशेष व्यवस्था की और उन्हें मंदिर से जुड़े इतिहास, संस्कृति और पारंपरिक धरोहर की जानकारी दी। बच्चों ने पूरे भ्रमण में उत्साहपूर्वक सहभागिता की। भ्रमण में विद्यालय के डायरेक्टर इम्तेयाज आलम, मंदिर विकास समिति के सचिव रविकांत चंद्रवंशी, प्रिंसिपल महताब आलम, प्रधान शिक्षक अविनाश कुमार, शिक्षिका सोनम कुमारी, फूलमती देवी और सहयोगी भरत ठाकुर सहित बड़ी संख्या में छात्र-छात्राएं उपस्थित रहे।

रंका भाजपा मंडल अध्यक्ष का हुआ चुनाव, कार्यकर्ताओं में उत्साह

गढ़वा। रंका भाजपा के उत्तरी और दक्षिणी दोनों मंडलों में संगठनात्मक चुनाव शांतिपूर्ण और उत्साहपूर्ण माहौल में सम्पन्न हुए। झारखंड प्रदेश भाजपा ने चुनाव प्रक्रिया की जिम्मेदारी प्रदेश प्रभारी गणेश मिश्र और अमरजीत यादव को सौंपी थी। जिले में चुनाव संचालन का कार्य ओमप्रकाश केसरी और सह प्रभारी मधुलता देवी ने निष्ठा और पारदर्शिता के साथ पूरा किया। चुनाव के परिणामस्वरूप रंका भाजपा उत्तरी मंडल से बसंत प्रसाद और दक्षिणी मंडल से बलराम यादव को मंडल अध्यक्ष चुना गया। दोनों नवनिर्वाचित अध्यक्षों के चयन के बाद कार्यकर्ताओं में गहरा उत्साह देखा गया और पार्टी पदाधिकारियों ने उन्हें बधाई दी। परिणाम घोषित होते ही उत्तम पांडे, मुरारी यादव, शिवशंकर सोनी, लाल विहारी यादव समेत सैकड़ों कार्यकर्ताओं ने विधायक सतेंद्र नाथ तिवारी के प्रति आभार व्यक्त किया। कार्यकर्ताओं ने कहा कि विधायक के मार्गदर्शन और संगठन की एकजुटता से चुनाव प्रक्रिया सफलतापूर्वक पूरी हो सकी। कार्यकर्ताओं ने उम्मीद जताई कि नए अध्यक्ष संगठन को मजबूती देंगे और आम जनता तक पार्टी की नीतियाँ पहुँचाने में सक्रिय भूमिका निभाएंगे। क्षेत्र में पूरे दिन उत्साह, एकजुटता और संगठन के प्रति समर्पण का माहौल बना रहा।

बीपीएम ने सिंहपुर मध्य विद्यालय का किया निरीक्षण

नवीन मेल संवाददाता

केतार। प्रखंड कार्यक्रम पदाधिकारी (बीपीएम) सुदीप कुमार श्रीवास्तव ने शुक्रवार को राजकीय मध्य विद्यालय, सिंहपुर का निरीक्षण किया। निरीक्षण के दौरान विद्यालय की शैक्षणिक गतिविधियों, उपस्थिति तथा ऐप आधारित कार्यों की स्थिति की समीक्षा की गई। बीपीएम ने शिक्षकों को निर्देश दिया कि डहर ऐप 2 में लंबित सभी कार्य शीघ्र पूर्ण करें। साथ ही 'परीक्षा पे चर्चा' कार्यक्रम के लिए कक्षा 6 से 8 तक के छात्रों का रजिस्ट्रेशन समय पर सुनिश्चित किया जाए। निरीक्षण के दौरान पाया गया कि गुरूजी ऐप में स्प्लिट सिलेबस अपलोड नहीं किया जा रहा है। इस पर उन्होंने संबंधित शिक्षकों को दो दिनों के भीतर अपलोडिंग कार्य पूरा करने का निर्देश दिया। उन्होंने विद्यालय की शैक्षणिक गुणवत्ता, डिजिटल कार्यों में सुधार और मध्याह्न भोजन मेन्यू के अनुसार उपलब्ध कराने पर विशेष बल दिया। इस अवसर पर प्रधानाध्यापक राजेंद्र राम, सहायक शिक्षक धनंजय तिवारी सहित अन्य मौजूद थे।

बच्चों को ऊनी कपड़े व खाद्य सामग्री बांटी गई

रमना। प्रखंड अंतर्गत बगैन्धा मौजा स्थित मूर्ति टोला के आंगनबाड़ी केंद्र में ऊर्जामुनी फाउंडेशन एंड ऊर्जास्रोत कंपनी द्वारा बच्चों के बीच ऊनी वस्त्रों का वितरण किया गया। कार्यक्रम के दौरान परियोजना प्रबंधक आदित्य राठौर ने कहा कि कंपनी द्वारा पूरे जिले में जरूरतमंद बच्चों के लिए इस प्रकार का अभियान चलाया जा रहा है, ताकि कोई भी बच्चा बिना गर्म कपड़े के ठंड का सामना न करे। उन्होंने बताया कि ऊर्जामुनि कंपनी प्रधानमंत्री सूर्यघर योजना के तहत निःशुल्क सोलर पैनल उपलब्ध करा रही है, जिससे लोगों को स्वच्छ ऊर्जा के प्रति प्रेरित किया जा सके। मुकेश चौहान ने कहा कि सौर ऊर्जा से बिजली की बचत होती है और यह पर्यावरण के लिए पूरी तरह अनुकूल है। कार्यक्रम में एरिया मैनेजर अमित कुमार, आंगनबाड़ी सेविका मालती गुप्ता सहित कई लोग उपस्थित थे।

भवनाथपुर विधानसभा क्षेत्र में भाजपा ने किए नए मंडल अध्यक्षों की घोषणा

नवीन मेल संवाददाता

भवनाथपुर। भारतीय जनता पार्टी ने भवनाथपुर विधानसभा क्षेत्र में संगठन विस्तार को ध्यान में रखते हुए नए मंडल अध्यक्षों की घोषणा की है। भवनाथपुर मंडल की जिम्मेदारी भानु प्रताप साह को सौंपी गई है। केतार मंडल के नए अध्यक्ष कन्हाई प्रसाद, सगमा मंडल के दिलीप यादव, बंशीधरनगर के विकास कुमार पांडेय, हरिहरपुर के संतोष सिंह, रमना मंडल के बलजीत सोनी, खरौंधी के उपेंद्र दास तथा डंडई मंडल के श्रवण कुमार चंद्रवंशी बनाए गए हैं। भाजपा नेतृत्व ने सभी अध्यक्षों को बूथ स्तर तक संगठन को मजबूत करने और जनता के बीच सक्रियता बढ़ाने के निर्देश दिए हैं। नई नियुक्तियों से कार्यकर्ताओं में उत्साह बढ़ा है और पार्टी को उम्मीद है कि संगठन को नई दिशा और मजबूती मिलेगी। सभी नवनियुक्त अध्यक्षों ने पार्टी नेतृत्व का आभार व्यक्त करते हुए संगठन को मजबूती देने का संकल्प लिया है।

उड़ीसा में मजदूरी कर रहे युवक की हार्ट अटैक से मौत, गांव में शोक

भवनाथपुर। प्रखंड क्षेत्र में बेरोजगारी के चलते युवाओं का बाहर राज्यों में पलायन जारी है। इसी क्रम में बुका निवासी स्व. अलीमर्दन राउत के 48 वर्षीय पुत्र अमेंद्र राउत की उड़ीसा के बड़बिल में हार्ट अटैक से मौत हो गई। शुक्रवार की अहले सुबह शव गांव पहुंचते ही परिवार में कोहराम मच गया। जानकारी के अनुसार अमेंद्र राउत परिवार का भरण-पोषण करने के लिए छह महीने पहले उड़ीसा कमाने गए थे। बीते दिन ड्यूटी के दौरान अचानक सीने में तेज दर्द होने पर उनकी तबीयत बिगड़ी और अस्पताल ले जाने के क्रम में ही उनकी मौत हो गई।

भवनाथपुर के पंचायत प्रतिनिधियों ने उपायुक्त को सौंपा छह सूत्री मांगपत्र

नवीन मेल संवाददाता

गढ़वा। भवनाथपुर प्रखंड के पंचायत चुनाव से चुने गए जनप्रतिनिधियों ने जिला परिषद सदस्य रजनी कुमारी शर्मा के नेतृत्व में उपायुक्त से मुलाकात कर छह सूत्री मांगपत्र सौंपा। मांगपत्र में बताया गया कि प्रखंड में एक वर्ष से मनरेगा सहित कई विभागों का कार्य बाधित है। लगभग 15 हजार पंजीकृत अकुशल मजदूरों में से केवल 200 से 250 मजदूरों को ही कार्य मिल पा रहा है। मजदूरों को रोजगार उपलब्ध कराने की मांग की गई। प्रतिनिधियों ने कहा कि सामग्री भुगतान के लिए राशि उपलब्ध होने के बावजूद प्रखंड कर्मियों की लापरवाही से छह माह से भुगतान नहीं हुआ है। मनरेगा योजना के तहत पिछले पांच वर्षों में एक भी सड़क निर्माण की स्वीकृति नहीं मिली है। इसके अलावा पशुपालन और गव्य विकास विभाग की योजनाओं में चयनित लाभुकों को लाभ दिए बिना गबन किए जाने की शिकायत भी की गई। बांधों के जीर्णोद्धार और मार्केट कॉम्प्लेक्स, विवाह मंडप तथा सामुदायिक भवन निर्माण की मांग भी रखी गई। मुलाकात में प्रखंड प्रमुख शोभा देवी, लाइची देवी, सरिता देवी, अनीता देवी, गायत्री देवी और अन्य कई पंचायत प्रतिनिधि उपस्थित थे।

काम की मांग को लेकर सचिवालय पहुंचे मजदूर

चिनिया। प्रखंड के ग्राम पंचायत बेता में मनरेगा मजदूरों के सामने रोजगार का संकट गहराता जा रहा था। मनरेगा योजनाएं बंद होने से मजदूरों के सामने आजीविका की समस्या उत्पन्न हो गई थी। स्थिति से परेशान दर्जनों महिला और पुरुष मजदूर शुक्रवार को पंचायत सचिवालय पहुंचे और पंचायत सेवक कमलेश कोरवा तथा रोजगार सेवक कृष्ण शर्मा से मिलकर अपनी बात रखी। अधिकारियों ने मजदूरों को आश्वासन दिया कि गांव छोड़ने की आवश्यकता नहीं है। शनिवार से पार्वती कुंवर के खेत में डोभा निर्माण कार्य शुरू किया जाएगा, जिसमें मजदूरों को तुरंत काम पर लगाया जाएगा।

जनसुनवाई व प्रखंड दिवस पुनः शुरू

नवीन मेल संवाददाता

गढ़वा। जिला प्रशासन ने सूचित किया है कि आपकी योजना आपकी सरकार आपके द्वार कार्यक्रम के सफल समापन के बाद जनसुनवाई और प्रखंड दिवस की गतिविधियों को पुनः प्रारंभ कर दिया गया है। कार्यक्रम के संचालन के दौरान इन गतिविधियों को अस्थायी रूप से रोका गया था। अब सभी प्रखंड और अंचल कार्यालयों के साथ जिला मुख्यालय में प्रत्येक मंगलवार और शुक्रवार को जनसुनवाई तथा थाना और प्रखंड दिवस पूर्व निर्धारित समय के अनुसार आयोजित किए जाएंगे। जिला प्रशासन ने सभी अधिकारियों को निर्देश दिया है कि वे तय तिथि और समय पर अनिवार्य रूप से उपस्थित रहें, ताकि नागरिकों की समस्याओं का समाधान समयबद्ध और प्रभावी ढंग से किया जा सके।

उपायुक्त ने जनसुनवाई में सुनी आम लोगों की समस्याएं

विभागीय अधिकारियों को त्वरित कार्रवाई कर राहत दिलाने का निर्देश

नवीन मेल संवाददाता

गढ़वा। समाहरणालय सभागार में उपायुक्त सह जिला दंडाधिकारी दिनेश यादव की अध्यक्षता में जनसुनवाई कार्यक्रम आयोजित किया गया। जिले के विभिन्न प्रखंडों से आए फरियादियों ने राशन, पेंशन, भूमि विवाद, अवैध कब्जा, आवास, मुआवजा, अतिक्रमण, योजनाओं का लाभ और रोजगार संबंधी समस्याएं रखीं। उपायुक्त ने सभी आवेदकों की बात गंभीरता से सुनते हुए संबंधित पदाधिकारियों को शीघ्र और प्रभावी कार्रवाई का निर्देश दिया। मुख्य शिकायतों में दिव्यांग संदीप कुमार सोनी की दुकान आवंटन की मांग, बीरबल गांव के विष्णुधारी लाल की जमीन पर अवैध कब्जे की शिकायत, शगुफ्ता शबनम का राशन कार्ड विवाद, तथा मसरा गांव के कोरबा बहुल टोला में पोषाहार उपलब्ध नहीं होने की समस्या शामिल रही। उपायुक्त ने अधिकारियों को निर्देश दिया कि जनसमस्याओं का समाधान समयबद्ध, पारदर्शी और प्राथमिकता के साथ सुनिश्चित किया जाए।

विद्यालयों के कार्यों की समीक्षा, सभी प्रधानाध्यापकों को दिए निर्देश

डहर ऐप में हैबिटेशन मैपिंग व गूगल आधारित कार्यों को निर्धारित समय में पूरा करे : बीईईओ

नवीन मेल संवाददाता

श्री बंशीधर नगर। प्लस टू उच्च विद्यालय के सभागार में शुक्रवार को प्रखंड शिक्षा प्रसार पदाधिकारी विजय पांडेय ने सभी उच्च, उत्क्रमित उच्च, मध्य, उत्क्रमित मध्य, प्राथमिक एवं नव प्राथमिक विद्यालयों के प्रधानाध्यापकों के साथ बैठक कर विभागीय कार्यों की समीक्षा की तथा आवश्यक दिशा-निर्देश दिए। बीईईओ विजय पांडेय ने कहा कि सभी विद्यालय प्रधानाध्यापक यू-डायस, स्टूडेंट्स प्रोग्रेशन व ड्रॉप बॉक्स से संबंधित लंबित कार्य जल्द पूर्ण करें। उन्होंने निर्देश दिया कि डहर ऐप में हैबिटेशन मैपिंग और गूगल आधारित कार्यों को निर्धारित समय में पूरा किया जाए। उन्होंने विद्यालय प्रबंधन समिति के प्रशिक्षण, एक पेड़–एक विद्यालय नामकरण, ई-विद्या वाहिनी में बच्चों व शिक्षकों की उपस्थिति नियमित दर्ज करने तथा रेल परीक्षा की उपस्थिति एवं परीक्षा परिणाम अपलोड करने का निर्देश दिया। बीआरपी श्रीकांत चौबे ने टोला टैगिंग, हाउस निर्माण, पाठ-टीका, गुणवत्तापूर्ण शिक्षा और बच्चों के शैक्षणिक स्तर में सुधार पर बल दिया। बीपीओ बिरेन्द्र प्रसाद ने कैश बुक अद्यतन, जे-गुरुजी ऐप और एमडीएम मैसेज की समय पर प्रविष्टि करने को कहा। उन्होंने डहर ऐप के माध्यम से शिशु पंजी तैयार करने की प्रक्रिया विस्तार से बताई और किसी भी समस्या पर बीआरसी से संपर्क करने को कहा। बैठक में बीपीओ बिरेन्द्र प्रसाद, बीआरपी श्रीकांत चौबे, लेखापाल प्रदीप शुक्ला सहित सभी प्रधानाध्यापक उपस्थित थे।

समाहरणालय, गढ़वा (जिला विधि शाखा)

सूचना

प्रधान सचिव–सह–विधि परामर्शी, विधि विभाग, झारखण्ड, रांची के पत्रांक 2164/जे0, दिनांक 07.11.2025 द्वारा जिले में सरकारी अधिवक्ता की नियुक्ति हेतु नये सिरे से पूरी प्रक्रिया सम्पन्न करने का आदेश प्राप्त है। उक्त के आलोक में जिला अधिवक्ता संघ, गढ़वा के सभी अधिवक्ताओं को सूचित किया जाता है कि गढ़वा जिले में सरकारी अधिवक्ता के पद पर नियुक्ति के इच्छुक अधिवक्ता, जो कम से कम 10 (दस) वर्षों की Practice पूर्ण कर चुके हैं, जीवनवृत एवं विगत तीन वर्शों के आयकर रिटर्न के साथ दिनांक 24.12.2025 तक विहित प्रपत्र में अपना आवेदन पत्र जिला विधि शाखा, गढ़वा में जमा कर सकते हैं। निर्धारित अवधि के बाद प्राप्त आवेदन पर कोई विचार नहीं किया जायेगा।

उपायुक्त,
गढ़वा

PR 368431 (District)25-26*D

कार्यपालक अभियंता का कार्यालय, राष्ट्रीय ग्रामीण नियोजन कार्यक्रम, पलामू।

Email:- palamunrep@gmail.com

अतिअल्पकालीन पुनर्निविदा आमंत्रण सूचना।

ई0निविदा संख्या–RDD/NREP/Palamu 04/2025-26

विज्ञापन दाता का नाम	:–	कार्यपालक अभियंता का कार्यालय,राष्ट्रीय ग्रामीण नियोजन कार्यक्रम, पलामू।
Website पर निविदा प्रकाशन की तिथि	:–	दिनांक 15.12.2025 (पूर्वाह्न 10:00 बजे)
ई–निविदा प्राप्त करने की तिथि	:–	दिनांक 15.12.2025 (पूर्वाह्न 10:00 बजे) से दिनांक 22.12.2025 (अपराह्न 5:00 बजे तक)
निविदा खोलने की तिथि एवं समय	:–	दिनांक 24.12.2025 (पूर्वाह्न 10:00 बजे)
निविदा खोलने का स्थान	:–	कार्यपालक अभियंता का कार्यालय राष्ट्रीय ग्रामीण नियोजन कार्यक्रम, पलामू।

कार्य की विस्तृत विवरणी :–

क्र0	प्रखण्ड	योजना का नाम	प्राक्कलित राशि (लाख में)	अग्रधन की राशि	निविदा शुल्क	कार्य पूर्ण करने की अवधि	आईडेन्टी फिकेशन संख्या
1	2	3	4	5	6	7	8
1	पाटन	ग्राम सघपुर राजकीयकृत उत्क्रमित मध्य विद्यालय में एक कमरे का निर्माण एवं 02 भवनों का जीर्णोद्धार।	24.362	50000.00	5000.00	6 माह मात्र	01/2025-26/ EE/RDD/NRE P/PALAMU

नोट–

1. केवल ई0–निविदा ही स्वीकार होंगे।
2. निविदा डबल बीड पद्धति से होगी।
3. भवन प्रमण्डल, पलामू एवं आर0ई0ओ0, पलामू में समुचित श्रेणी के निबंधित संवेदक ही निविदा में भाग ले सकेंगे।
4. परिमाण विपत्र की राशि घट–बढ़ सकती है तद्नुसार अग्रधन की राशि देय होगी।
5. निविदा शुल्क एवं अग्रधन की राशि केवल Online Mode द्वारा स्वीकार्य होगी।
6. निविदा शुल्क एवं अग्रधन की राशि का ई–भुगतान जिस खाता से किया जायेगा, उसी खाते में अग्रधन की राशि वापस होगी। अगर खाता को बंद कर दिया जाता है तो उसकी सारी जवाबदेही निविदादाता की होगी।

निविदा की तकनिकी एवं सामान्य शर्ते www.palamu.nic.in एवं कार्यालय कार्यपालक अभियंता का कार्यालय, राष्ट्रीय ग्रामीण नियोजन कार्यक्रम, पलामू के सूचना पट्ट पर देखा जा सकता है। वितृत जानकारी के लिए Website- www.jharkhandtenders.gov.in पर देखा जा सकता है।

ह0/–
कार्यपालक अभियंता, राष्ट्रीय ग्रामीण नियोजन कार्यक्रम, मेदिनीनगर पलामू।

PR 368404 NREP(25-26)D

एनटीपीसी के खिलाफ गेरेंजा में ग्रामीणों का विरोध तेज

● 16 दिसंबर को प्रस्तावित एनओसी ग्राम सभा बहिष्कार का ऐलान

नवीन मेल संवाददाता

बालूमाथ। प्रखंड क्षेत्र के गेरेंजा गांव में हराफू स्कूल के पास शुक्रवार को बड़ी संख्या में ग्रामीण एकजुट होकर एनटीपीसी द्वारा 16 दिसंबर को प्रस्तावित गैरमजूरवा, जंगल, झाड़ी और फॉरेस्ट लाइन से जुड़ी जमीन के लिए मांगी गई एनओसी का विरोध किया। ग्रामीणों ने कहा कि यह जमीन उनके पूर्वजों की विरासत है और पीढ़ियों से खेती एवं आवास के लिए उपयोग हो रही है। यदि कंपनी को एनओसी दी गई तो वे विस्थापित हो जाएंगे। सरना समिति के प्रखंड सचिव शंकर उरांव ने कहा कि कंपनी प्रशासन दलालों के सहारे ग्रामीणों को बरगलाने का प्रयास कर रहा है। उन्होंने कहा कि ग्रामीण अब जागरूक हैं और किसी भी सूरत में जमीन नहीं देंगे। उन्होंने चेताया कि आवश्यकता पड़ी तो इस मुद्दे को हाईकोर्ट, सुप्रीम कोर्ट, राष्ट्रपति और राज्यपाल तक ले जाया जाएगा। उन्होंने जिला प्रशासन से अपील की कि कंपनी को जबरन भूमि अधिग्रहण का संरक्षण न दिया जाए। कार्यक्रम में ग्राम प्रधान परमेश्वर गंझू समेत बड़ी संख्या में महिला-पुरुष उपस्थित रहे।

लंबित योजनाओं का प्राथमिकता से क्रियान्वयन करें : उपायुक्त

नवीन मेल संवाददाता

लातेहार। उपायुक्त उत्कर्ष गुप्ता की अध्यक्षता में प्रधानमंत्री जनमन, धरती आबा जनजातीय ग्राम उत्कर्ष अभियान, समेकित जनजाति विकास अभिकरण, जेटीडीएस और कल्याण विभाग की योजनाओं की समीक्षा बैठक आयोजित हुई। उपायुक्त ने लाभुकों तक योजनाओं का अधिकतम लाभ शीघ्र पहुंचाने और लंबित मामलों का प्राथमिकता के आधार पर निवारण करने का निर्देश दिया। उन्होंने स्वास्थ्य, पोषण, आवास, सड़क, जल–जीवन मिशन, उज्ज्वला योजना, छात्रवृत्ति, आवासीय विद्यालय संचालन आदि योजनाओं की प्रगति की समीक्षा की।

उपायुक्त ने कहा कि स्वास्थ्य एवं कल्याण से जुड़ी योजनाओं में देरी बर्दाश्त नहीं की जाएगी और सभी विभाग लक्ष्यों को समय पर पूरा करें।

बैठक में उप विकास आयुक्त सैय्यद रियाज अहमद, परियोजना निदेशक आईटीडीए प्रवीण कुमार गगराई, सिविल सर्जन डॉ. राज मोहन खलखो सहित कई पदाधिकारी उपस्थित थे।

बेतला में वनकर्मियों को आधुनिक तकनीकों का मिला प्रशिक्षण

● ट्रांजेक्ट विधि, कैमरा ट्रैपिंग और जीपीएस मैपिंग की दी गई विस्तृत जानकारी

नवीन मेल संवाददाता

बेतला (लातेहार)। बेतला के एनआई सभागार में राष्ट्रीय व्याघ्र संरक्षण प्राधिकरण की गाइडलाइन के तहत टाइगर एस्टीमेशन 2026 फेज-1 के लिए विशेष प्रशिक्षण शिविर आयोजित किया गया। इसमें वन्यजीव विशेषज्ञ मनीष बक्शी और राज्य वन्यजीव संरक्षण बोर्ड के सदस्य शहजाद इकबाल ने वनकर्मियों को वैज्ञानिक विधियों से व्याघ्र गणना का प्रशिक्षण दिया। प्रशिक्षकों ने ट्रांजेक्ट पद्धति, कैमरा ट्रैपिंग, पगमार्क पहचान, मल-नमूना संग्रहण और जीपीएस आधारित मैपिंग जैसी तकनीकों के महत्व पर विस्तार से चर्चा की। उन्होंने बताया कि सटीक डेटा संरक्षण योजनाओं को मजबूत आधार प्रदान करता है। नोडल पदाधिकारी सह डिप्टी डायरेक्टर पीके जेना ने बताया कि 15 से 22 दिसंबर तक राज्य के 36 डिवीजनों में एस्टीमेशन का प्रथम चरण पूरा किया जाएगा। प्रशिक्षण में प्रभारी वनपाल, वनरक्षी सहित बड़ी संख्या में वनकर्मी मौजूद रहे।

बाल-बाल बचे लोग, बिजली के खंभे से एलटी केबल जलकर गिरा

बालूमाथ। प्रखंड मुख्यालय स्थित ग़ालिब कॉलोनी में शुक्रवार दोपहर एक बड़ा हादसा टल गया, जब खंभे से एलटी केबल जलकर नीचे गिर गया। घटना के तुरंत बाद सब-स्टेशन से टाउन फीडर की बिजली आपूर्ति बंद कर दी गई। ग्रामीणों ने आरोप लगाया कि बिजली विभाग द्वारा घटिया सामग्री का उपयोग किया जा रहा है, जिसके कारण आए दिन जंक्शन बॉक्स जलने, केबल गिरने जैसी घटनाएँ हो रही हैं। इससे लोग लगातार दहशत में रहते हैं। ग्रामीणों ने कहा कि विभाग की लापरवाही किसी बड़ी दुर्घटना का कारण बन सकती है, इसलिए तत्काल सुधार की जरूरत है।

न्यायालय के आदेश पर कार्रवाई

● कार्यपालक दंडाधिकारी ने दिलाया जमीन का दखल-कब्ज़ा

नवीन मेल संवाददाता

बालूमाथ। न्यायालय के आदेश पर शुक्रवार को लातेहार के कार्यपालक दंडाधिकारी अनिल कुमार मिंज बालूमाथ पहुंचे। उनके साथ अंचलाधिकारी बालेश्वर राम, अंचल अमीन अमित कुमार तथा स्थानीय थाना पुलिस पदाधिकारी मौजूद रहे। टीम ने मुरपा रोड स्थित शहीद चौक के पास 12 डिसमिल भूमि पर नियम अनुसार ढोलक बजाकर दखल-कब्ज़ा दिलाया। दंडाधिकारी ने बताया कि यह जमीन शांति देवी एवं विजयानंद सिंह की है, जिस पर लंबे समय से शिवनंदन प्रसाद व अन्य का कब्ज़ा बताया जा रहा था। न्यायालय के आदेश के आलोक में प्रशासन ने विधि-व्यवस्था की उपस्थिति में जमीन को मुक्त कराते हुए वास्तविक मालिकों को दखल सौंपा। पीड़ित पक्ष ने न्यायालय एवं प्रशासन के प्रति संतोष व्यक्त किया।

आईएएस अभ्यर्थी पलक अग्रवाल ने छात्रों को दिया सफलता का मंत्र

नवीन मेल संवाददाता

लातेहार। सरस्वती विद्या मंदिर, लातेहार के श्री कृष्ण चन्द्र गांधी ऑडिटोरियम में सोमवार को प्रेरणादायी विशेष सत्र आयोजित हुआ। कार्यक्रम का शुभारंभ विद्यालय की पूर्व छात्रा एवं मुख्य अतिथि पलक अग्रवाल तथा प्रधानाचार्य उत्तम कुमार मुखर्जी ने संयुक्त रूप से दीप प्रज्वलन और सरस्वती वंदना के साथ किया। प्रधानाचार्य ने उन्हें स्मृति–चिह्न भेंट कर सम्मानित किया। दिल्ली में रहकर आईएएस की तैयारी कर रहीं पलक अग्रवाल ने विद्यार्थियों को लक्ष्य निर्धारण, समय प्रबंधन, निरंतर अभ्यास और आत्म–अनुशासन जैसे महत्वपूर्ण बिंदुओं पर विस्तृत मार्गदर्शन दिया। उन्होंने कहा कि दृढ़ संकल्प, सकारात्मक सोच और नियमित अध्ययन सफलता की कुंजी है। उन्होंने विद्यार्थियों को प्रतिस्पर्धी परीक्षाओं के लिए बेहतर रणनीति अपनाने और आत्मविश्वास बनाए रखने की सलाह दी। कार्यक्रम में विद्यालय के शिक्षकगण और बड़ी संख्या में छात्र–छात्राएँ उपस्थित रहे।

स्वास्थ्य अधिकारों पर जागरूकता शिविर आयोजित

● बच्चों को स्वास्थ्य सेवाओं, अधिकारों व योजनाओं की दी गई जानकारी

नवीन मेल संवाददाता

सिमरिया (चतरा)। अंतर्राष्ट्रीय सार्वभौमिक स्वास्थ्य कवरेज दिवस पर शुक्रवार को जिला विधिक सेवा प्राधिकरण के निर्देश में अनुसूचित जाति बालिका उच्च आवासीय विद्यालय, सिमरिया में स्वास्थ्य अधिकारों पर जागरूकता शिविर आयोजित किया गया। शिविर का उद्देश्य बच्चों को स्वास्थ्य सेवाओं की उपलब्धता, अधिकारों और गुणवत्तापूर्ण उपचार के महत्व से अवगत कराना था। अधिकार मित्र सुबोध कुमार शर्मा, उमेश प्रसाद, रंजन कुमार मिश्रा, अंजली कुमारी और सीता देवी ने बताया कि प्रत्येक नागरिक को बिना आर्थिक बोझ के आवश्यक स्वास्थ्य सेवाएँ प्राप्त करना उसका मूल अधिकार है। बच्चों को आयुष्मान भारत, निःशुल्क कानूनी सहायता, टीकाकरण, मातृ-शिशु स्वास्थ्य सेवाओं सहित विभिन्न सरकारी योजनाओं की विस्तृत जानकारी दी गई। प्रधानाचार्य कुमारी सुष्मिता सिंह और शिक्षिका करुणा कुमारी ने स्वास्थ्य अधिकारों, सरकारी सुविधाओं का लाभ उठाने की प्रक्रिया तथा कानूनी सहायता की उपलब्धता पर प्रकाश डाला। अंत में पम्पलेट का वितरण किया गया।

वन विभाग की मनमानी के खिलाफ ग्रामीणों का धरना

लातेहार। गारू प्रखंड मुख्यालय में संयुक्त ग्राम सभा मंच, गारू के बैनर तले ग्रामीणों ने एक दिवसीय जन-आक्रोश धरना प्रदर्शन किया। इसका नेतृत्व भाजपा नेता एवं जिला परिषद सदस्य कन्हाई सिंह ने किया। उन्होंने आरोप लगाया कि वन विभाग की ओर से एनओसी जारी नहीं होने के कारण क्षेत्र में पुल और सड़क निर्माण के कई कार्य अधर में लटके हुए हैं। बरसात में नदी उफान पर रहने से बच्चों की पढ़ाई भी प्रभावित होती है। ग्रामीणों ने चेतावनी दी कि जब तक एनओसी जारी नहीं की जाती और विभाग की मनमानी बंद नहीं होती, आंदोलन जारी रहेगा।

लंबित आवासों पर सख्ती, बीडीओ ने 15 दिनों में निर्माण पूर्ण करने का दिया निर्देश

नवीन मेल संवाददाता

टंडवा (चतरा)। शुक्रवार को प्रखंड सभागार में बीडीओ देवलाल उरांव की अध्यक्षता में हुई समीक्षात्मक बैठक में विभिन्न योजनाओं से स्वीकृत आवासों की अद्यतन स्थिति की समीक्षा की गई। बीडीओ ने अपूर्ण आवासों पर कड़ा रुख अपनाते हुए संबंधित कर्मियों व लाभुकों को 15 दिनों के अंदर निर्माण पूरा करने का निर्देश दिया। साथ ही चेतावनी दी कि अनुपालन नहीं होने पर कार्रवाई की जाएगी। वित्तीय वर्ष 2016-17 से 2021-22 तक कुल 151 आवास तथा सत्र 2023-24 में 106 अबुआ आवास अपूर्ण बताए जा रहे हैं। बैठक में प्रखंड समन्वयक (आवास) मोहम्मद सद्दाम, प्रखंड पंचायती राज पदाधिकारी संजय रवानी, सभी पंचायत सचिव, पंचायत सहायक तथा बड़ी संख्या में लाभुक उपस्थित थे।

आशीष सिंह बने मंडल अध्यक्ष, दीपक निषाद को मिली प्रतिनिधि की जिम्मेदारी

नवीन मेल संवाददाता

चंदवा। भाजपा प्रदेश कमेटी के निर्देशानुसार शुक्रवार को जिले के सभी मंडलों में मंडल अध्यक्ष एवं प्रतिनिधियों का मनोनयन किया गया। चंदवा मंडल में बतौर पर्यवेक्षक नीलकंठ सिंह मुंडा, चुनाव पदाधिकारी रघुराज पांडे, सह–चुनाव प्रभारी लाल कौशल नाथ शाहदेव, जिलाध्यक्ष पंकज सिंह तथा पूर्व मंडल अध्यक्ष अमित कुमार गुप्ता की उपस्थिति में आशीष सिंह को मंडल अध्यक्ष और दीपक निषाद को मंडल प्रतिनिधि के रूप में औपचारिक रूप से मनोनित किया गया। मनोनयन के बाद पदाधिकारियों एवं कार्यकर्ताओं ने दोनों को माल्यार्पण कर गर्मजोशी से स्वागत किया और शुभकामनाएं दीं। पूर्व मंडल अध्यक्ष अमित कुमार गुप्ता ने बधाई देते हुए कहा कि संगठन ने जिस विश्वास और अपेक्षा के साथ जिम्मेदारी सौंपी है, दोनों नेता उसे पूरी निष्ठा से निभाएंगे। उन्होंने कहा कि नए अध्यक्ष पार्टी की नीतियों और सिद्धांतों को जन-जन तक पहुंचाते हुए संगठन को और मजबूत करेंगे। नवमनोनीत मंडल अध्यक्ष आशीष सिंह और प्रतिनिधि दीपक निषाद ने संगठन के प्रति आभार जताते हुए कहा कि भाजपा की विशेषता यही है कि एक साधारण कार्यकर्ता को भी महत्वपूर्ण जिम्मेदारी मिलती है। दोनों ने आश्वस्त किया कि दी गई भूमिका को वे पूरी निष्ठा और समर्पण के साथ निभाएंगे। आशीष सिंह के मनोनयन पर भाजपा प्रदेश प्रवक्ता प्रतुल शाहदेव, पूर्व मंडल अध्यक्ष अमित कुमार गुप्ता, राजकुमार पाठक, आदर्श रविराज, राजू उरांव, नवाहिर उरांव, युवा मंडल अध्यक्ष रिकी वर्मा, रोहित यादव, सरोज देवी, कुलमान साहू, राम प्रसाद साहू, मनोज पाठक, मनीष गुप्ता, श्रवण प्रसाद, रामविचार सिंह, शिकेश्वर यादव सहित दर्जनों कार्यकर्ताओं ने बधाई दी।

डिजिटल लोकप्रियता की दौड़ में युवा और बुजुर्ग दोनों हो रहे भटकाव के शिकार

प्रतापपुर (चतरा)। भारतीय संस्कृति, जो अनुशासन और पारिवारिक मर्यादाओं की पहचान रही है, आज मोबाइल की रील संस्कृति की चमक में कमजोर होती जा रही है। कुछ पैसों और लाइक्स के लालच में युवा ही नहीं, बल्कि बुजुर्ग भी अश्लील गानों पर वीडियो बनाकर समय, संस्कार और सामाजिक सम्मान को नुकसान पहुँचा रहे हैं। कभी दादा–पोती और पिता–पुत्र जैसे रिश्ते सम्मान का आधार थे, परंतु आज यही लोग प्रेम प्रसंग आधारित गानों पर युगल मुद्रा में नजर आते हैं, जो सामाजिक मान्यताओं को चुनौती दे रहा है। समाजशास्त्रियों का कहना है कि यह प्रवृत्ति नैतिकता और आने वाली पीढ़ी के चरित्र निर्माण पर गहरा असर डाल रही है। सोशल मीडिया की उपयोगी जानकारी के साथ बेहूदा कंटेंट की भरमार युवाओं में त्वरित कमाई और लोकप्रियता की लालसा बढ़ा रही है। विशेषज्ञों का कहना है कि गलत माध्यम से हुई कमाई अंततः पछतावे का कारण बनती है, इसलिए आवश्यक है कि युवा भारतीय संस्कृति, मर्यादा और पारिवारिक सम्मान को प्राथमिकता दें।

कैंसर समेत 16 रोगियों को मिलेगा मुख्यमंत्री स्वास्थ्य सहायता योजना का लाभ

लातेहार। जिले के दो कैंसर मरीजों सहित कुल 16 रोगियों को मुख्यमंत्री स्वास्थ्य सहायता योजना के तहत अनुदान राशि स्वीकृत की गई है। शुक्रवार को उपायुक्त उत्कर्ष गुप्ता की अध्यक्षता में आयोजित बैठक में यह निर्णय लिया गया। उपायुक्त ने जिला कल्याण पदाधिकारी को निर्देश दिया कि अनुमोदन के बाद लाभुकों को अनुदान राशि बिना देर किए हस्तांतरित की जाए, क्योंकि चिकित्सा संबंधी मामलों में विलंब परेशानी का कारण बनता है। अनुसूचित जाति के पांच, अनुसूचित जनजाति के तीन और पिछड़ी जाति के आठ आवेदकों को योजना के तहत लाभ प्रदान किया जाएगा। बैठक में उप विकास आयुक्त सैय्यद रियाज़ अहमद, आईटीडीए निदेशक प्रवीण कुमार गगराई, सिविल सर्जन डॉ. राजमोहन खलखो सहित अन्य पदाधिकारी मौजूद रहे।

दंत्तोपंत ठेंगड़ी रोजगार मेला 2025

155 अभ्यर्थी चयनित, 185 हुए शॉर्टलिस्ट

नवीन मेल संवाददाता

लातेहार। जिला नियोजन कार्यालय द्वारा जिला खेल स्टेडियम परिसर में दंत्तोपंत ठेंगड़ी रोजगार मेला 2025 आयोजित किया गया। कार्यक्रम में मुख्य अतिथि जिला परिषद अध्यक्ष पूनम देवी, उप विकास आयुक्त सैय्यद रियाज अहमद तथा दोनों विधानसभा क्षेत्रों के विधायक प्रतिनिधि अनिल सिंह व हरिशंकर यादव उपस्थित थे। अतिथियों ने पौधा भेंट कर स्वागत किया और दीप प्रज्वलित कर कार्यक्रम की शुरुआत की।

रोजगार मेले में पाँच राज्यों के 27 नियोजक विभिन्न पदों के साथ शामिल हुए। कुल 4156 रिक्तियों के लिए लगभग 1000 अभ्यर्थियों ने आवेदन दिया। इनमें से 155 युवक-युवतियों का चयन किया गया, जबकि 185 अभ्यर्थियों को अगले चरण के लिए शॉर्टलिस्ट किया गया। चयनित अभ्यर्थियों को अतिथियों द्वारा ऑफर लेटर प्रदान किए गए।

जिला परिषद अध्यक्ष ने युवाओं से निजी क्षेत्र के अवसरों को अपनाने की अपील की। उप विकास आयुक्त ने इसे लातेहार के युवाओं के लिए बड़ा अवसर बताया। जिला नियोजन पदाधिकारी संतोष कुमार ने युवाओं से नियोजनालय में नामांकन कर सुविधाओं का लाभ लेने का आग्रह किया।

न्यूज बॉक्स

झारखंड दैनिक मजदूर यूनियन की बैठक संपन्न

चंदवा। झारखंड दैनिक मजदूर यूनियन की महत्वपूर्ण बैठक शुक्रवार को पार्टी कार्यालय में वरिष्ठ नेता जीतवाहन मुंडा की अध्यक्षता में संपन्न हुई। बैठक में बड़ी संख्या में पदाधिकारी एवं सदस्य उपस्थित रहे। यूनियन अध्यक्ष प्रमोद साहू ने बताया कि 11 जनवरी को स्थापना दिवस धूमधाम से मनाया जाएगा। यह समारोह श्रमिक एकता का प्रतीक होगा। साथ ही जिले की राजनीति की दिशा तय करने में भी महत्वपूर्ण भूमिका निभाएगा। बैठक में जनवरी–फरवरी में सदस्यता अभियान तेज करने, संगठन विस्तार, श्रमिक हितों की सुरक्षा और आगामी रणनीतियों पर चर्चा की गई। मौके पर ओमप्रकाश साहू, माखन चौरसिया, अनिल कुमार, मछिंदर लोहरा सहित कई सदस्य मौजूद रहे।

सीओ की छापेमारी, पत्थर लदे दो हाइवा जब्त

बारियातू। थाना क्षेत्र के बिरबीर माइंस में गुरुवार को अंचलाधिकारी (सीओ) कोकिला कुमारी ने औचक निरीक्षण किया। जांच के दौरान दो हाइवा वाहनों में भरे पत्थरों के वैध कागजात प्रस्तुत नहीं किए जा सके, जिसके आधार पर दोनों वाहनों को जब्त कर लिया गया। सीओ ने बताया कि माइंस संचालक से आवश्यक सभी दस्तावेज मांगे गए हैं। कागजातों के सत्यापन के बाद आगे की कार्रवाई तय की जाएगी। उन्होंने कहा कि खनन और परिवहन गतिविधियों में किसी भी तरह की अनियमितता या अवैध कार्यवाही बर्दाश्त नहीं की जाएगी।

लातेहार जिला सीनियर पुरुष वॉलीबॉल ओपन ट्रायल रविवार को

लातेहार। जिला वॉलीबॉल एसोसिएशन के तत्वावधान में 14 दिसंबर 2025, रविवार को अपराह्न 2 बजे जिला खेल स्टेडियम स्थित वॉलीबॉल मैदान में लातेहार जिला सीनियर पुरुष वॉलीबॉल ओपन ट्रायल आयोजित होगा। सचिव प्रवीण मिश्रा ने बताया कि ओपन ट्रायल में लातेहार में कार्यरत किसी भी आयु वर्ग के खिलाड़ी भाग ले सकते हैं। प्रतिभागियों को दो पासपोर्ट साइज फोटो, आधार कार्ड, जन्म प्रमाण पत्र तथा लातेहार में सेवा संबंधी प्रमाण पत्र लाना अनिवार्य होगा। ओपन ट्रायल के आधार पर चयनित टीम 15–19 दिसंबर तक जमशेदपुर में आयोजित 24वीं झारखंड राज्य सीनियर महिला/पुरुष वॉलीबॉल चैंपियनशिप में जिले का प्रतिनिधित्व करेगी।

चिकित्सा शिविर व सड़क सुरक्षा कार्यक्रम

चंदवा। हिंडाल्को की सीएसआर टीम द्वारा चकला कोल माइंस के सौजन्य से श्री श्री मां उग्रतारा उच्च विद्यालय परिसर में निःशुल्क चिकित्सा शिविर और सड़क सुरक्षा जागरूकता कार्यक्रम आयोजित किया गया। चिकित्सा शिविर में सैकड़ों विद्यार्थियों की सामान्य जांच, रक्तचाप, शुगर, हीमोग्लोबिन, आंख और त्वचा की जांच की गई तथा जरूरतमंदों को मौके पर दवा दी गई। सड़क सुरक्षा सत्र में विशेषज्ञों ने हेलमेट, सीट बेल्ट, ओवरस्पीडिंग और मोबाइल उपयोग से होने वाले खतरे बताकर यातायात नियमों के पालन पर जोर दिया। कार्यक्रम में सीएसआर टीम के मो. अशफाक, शिक्षक गौतम दुबे, नाज़िश खान सहित कई विद्यार्थी उपस्थित रहे।

युवा समाजसेवी ने मां की पुण्यतिथि पर बांटे कंबल

चंदवा। बारी पंचायत निवासी युवा समाजसेवी नंदलाल प्रसाद मंटू ने अपनी मां तारामणि साहू की तीसरी पुण्यतिथि पर जरूरतमंदों के बीच कंबल वितरित किए। करीब एक सौ गरीब, वृद्ध, विधवा एवं दिव्यांगजन को कंबल प्रदान किए गए। मंटू ने कहा कि उनकी मां हमेशा जरूरतमंदों की सेवा की प्रेरणा देती थीं और उसी सीख को वह पुण्यतिथि पर सेवा कार्यों के माध्यम से पूरा करते हैं। कार्यक्रम में कृष्ण प्रसाद साहू, मोतीलाल साहू, राजकुमार ठाकुर सहित कई लोग उपस्थित रहे।

वाहन चेकिंग अभियान तेज, हेलमेट नहीं पहनने वालों को चेतावनी

हंटरगंज (चतरा)। चतरा पुलिस अधीक्षक के निर्देश पर हंटरगंज थाना गेट के पास शुक्रवार को वाहन चेकिंग अभियान चलाया गया। थाना प्रभारी प्रभात कुमार के नेतृत्व में दोपहिया वाहनों के कागजात, डिक्की और हेलमेट की जांच की गई। हेलमेट नहीं पहनने वालों को फटकार लगाते हुए आवश्यक चालान की कार्रवाई जिला परिवहन पदाधिकारी को भेजी गई। अभियान में कई बाइक चालक रास्ता बदलते या भागते नजर आए। अभियान में एएसआई अजय कुमार महतो सहित पुलिस बल के जवान शामिल थे।

अदावा जमा पर जागरूकता शिविर

चतरा। डीएफएस, भारत सरकार और आरबीआई के संयुक्त तत्वावधान में शुक्रवार को जिला खनिज फाउंडेशन ट्रस्ट हॉल में अदावा जमा पर जागरूकता एवं सहायता शिविर आयोजित किया गया। उपायुक्त कीर्तिश्री जी ने शिविर का उद्घाटन किया। अधिकारियों ने बचत खाते, एफडी, आरडी सहित निष्क्रिय खातों से संबंधित अदावा जमा की खोज और दावा प्रक्रिया की जानकारी दी। उद्गम पोर्टल पर ऑनलाइन दावा पंजीकरण की विधि भी समझाई गई। जिले में 92,430 खाते अदावा श्रेणी में हैं, जिनमें लगभग 34.20 करोड़ रुपये लंबित हैं। अब तक 3.32 करोड़ रुपये लाभुकों को लौटाए जा चुके हैं। शिविर में कई मामलों का तत्क्षण निस्तारण हुआ।

महाने नदी तट पर अवैध निर्माण पर रोक

चतरा। उपायुक्त कीर्तिश्री जी की अध्यक्षता में समाहरणालय स्थित कार्यालय कक्ष में शुक्रवार को महत्वपूर्ण बैठक आयोजित हुई। बैठक में इटखोरी प्रखंड के महाने नदी तट पर फर्जी बंदोबस्ती कर अवैध चाहरदीवारी निर्माण को तत्काल रोकने का निर्देश दिया गया। उपायुक्त ने कहा कि फर्जी बंदोबस्ती की जांच कर उसे 4-एच के तहत रद्द किया जाए। जमाबंदी और रसीद निर्गमन पर रोक लगाने तथा नदी तट पर किसी भी प्रकार के निर्माण को पूर्णतः प्रतिबंधित करने का आदेश दिया गया।

कार्यालय, जिला परिषद्, लोहरदगा

Phone Number:- 06526-222064 email-id: zplohardaga@gmail.com

ई-पुर्ननिविदा (अति अल्पकालीन निविदा आमंत्रण सूचना)

निविदा संख्या – 07/2025–26(ZP) दिनांक 09.12.2025

क्र0/ ग्रुप संख्या	प्रखण्ड	पंचायत	योजना का नाम	भूमि विवारणी	प्राक्कलित राशि	परिमाण विपत्र की राशि	अग्रधन की राशि	कार्य समाप्ति की अवधि
1	2		3		4	5	6	7
1	लोहरदगा	हिरही	स्वास्थ्य उपकेन्द्र, हिरही का भवन निर्माण	मौजा– हिरही, थाना नं0–218, खाता नं0–278, प्लॉट नं0– 1020, रकबा – 0.19 ए0, किस्म– पुरानी परती	5550000.00	10000.00	111000.00	08(आठ) माह
2	लोहरदगा	हरमू	स्वास्थ्य उपकेन्द्र, हरमू का भवन निर्माण	मौजा– हरमू, थाना नं0–196, खाता नं0–220, प्लॉट नं0– 988, रकबा – 0.43 ए0, किस्म– दोन	5550000.00	10000.00	111000.00	08(आठ) माह
3	लोहरदगा	अरकोसा	स्वास्थ्य उपकेन्द्र, अरकोसा का भवन निर्माण	मौजा– अरकोसा, थाना नं0–208, खाता नं0–598, प्लॉट नं0– 3358, रकबा – 0.20 ए0, किस्म– पुरानी परती	5550000.00	10000.00	111000.00	08(आठ) माह
4	कुडू	टाटी	स्वास्थ्य उपकेन्द्र, टाटी का भवन निर्माण	मौजा– टाटी, थाना नं0–28, खाता नं0–201, प्लॉट नं0– 1463, रकबा – 0.43 ए0, किस्म– पुरानी परती	5550000.00	10000.00	111000.00	08(आठ) माह
5	कुडू	पण्डरा	स्वास्थ्य उपकेन्द्र, पण्डरा का भवन निर्माण	मौजा– पण्डरा, थाना नं0–60, खाता नं0–266, प्लॉट नं0– 1310, रकबा – 13.44 ए0, किस्म– पुरानी परती	5550000.00	10000.00	111000.00	08(आठ) माह
6	कैरो	सढाबे	स्वास्थ्य उपकेन्द्र, सढाबे का भवन निर्माण	मौजा– सढाबे, थाना नं0–45, खाता नं0–215, प्लॉट नं0– 751, रकबा – 0.20 ए0, किस्म– टॉड	5550000.00	10000.00	111000.00	08(आठ) माह

2 वेवसाईट पर निविदा प्रकाशन की तिथि :– 13.12.2025
3 बीड प्राप्ति की अंतिम तिथि व समय :– 22.12.2025/02:00 बजे अपराह्न तक
4 निविदा खोलने की तिथि व समय :– 23.12.2025/02:00 बजे अपराह्न तक
5 निविदा आमंत्रित करने वाले पदाधिकारी के कार्यालय का पता :– जिला परिषद कार्यालय, लोहरदगा
6 निविदा खोलने वाले पदाधिकारी के कार्यालय का पता :– जिला परिषद कार्यालय, लोहरदगा

नोट – 1. जिला परिषद् लोहरदगा में समुचित श्रेणी में निबंधित संवेदक निविदा में भाग ले सकते हैं।
2. निविदा की प्राक्कलित राशि घट बढ सकती है तत्पश्चात् अग्रधन की राशि देय होगा।
विस्तृत जानकारी हेतु वेबसाईट https://jharkhandtenders.gov.in पर देखा जा सकता है।

उप विकास आयुक्त–सह–
मुख्य कार्यपालक पदाधिकारी
जिला परिषद, लोहरदगा

PR 368380 Chatra (25-26)_D

न्यूज बॉक्स

मनरेगा जॉब कार्ड धारियों का किया गया ई-केवाईसी, ग्रामीणों ने जताई संतुष्टि

लोहरदगा। भंडरा प्रखंड अंतर्गत मसमानो पंचायत में मनरेगा योजनाओं के सुचारू संचालन और मजदूरी भुगतान में पारदर्शिता सुनिश्चित करने के उद्देश्य से बुधवार को व्यापक स्तर पर मनरेगा जॉब कार्ड धारियों का ई-केवाईसी अभियान चलाया गया। पंचायत क्षेत्र में आयोजित इस कार्य में बड़ी संख्या में ग्रामीण पहुंचे और अपना ई-केवाईसी अद्यतन कराया। इस प्रक्रिया के दौरान भंडरा प्रखंड के असिस्टेंट इंजीनियर सुगंधा रानी तथा मसमानो पंचायत के पंचायत सहायक बबलू उरांव मौजूद रहे। दोनों अधिकारियों की देखरेख में जॉब कार्ड धारियों के आधार विवरण, लाइव फोटो सत्यापन और अन्य आवश्यक दस्तावेजों की जांच की गई। यह सुनिश्चित किया गया कि किसी भी श्रमिक का भुगतान के समय तकनीकी कारणों से रुकावट न आए। एई सुगंधा रानी ने बताया कि सरकार की निर्देशानुसार हर जॉब कार्ड धारक का ई-केवाईसी अनिवार्य है। इससे मजदूरी राशि सीधे उनके बैंक खाते में सुरक्षित और समय पर पहुंचेगी। उन्होंने कहा कि प्रखंड में अन्य पंचायतों में भी यह कार्य तेज़ी से कराया जा रहा है। पंचायत सहायक बबलू उरांव ने बताया कि मसमानो पंचायत के अधिकांश जॉब कार्ड धारकों का ई-केवाईसी पूरा कर लिया गया है। शेष बचे लोगों को भी अगले एक-दो दिनों में प्रक्रिया से जोड़ लिया जाएगा।

अवैध बालू खनन पर कार्रवाई : 150 से अधिक ट्रैक्टर बालू जब्त

कुडू। वरीय अधिकारियों के निर्देश पर अंचल अधिकारी संतोष उरांव, थाना प्रभारी अजीत कुमार व गश्ती दल ने सुकुरहुटू में छापामारी की। इस दौरान नन्दनी नदी किनारे 20–25 ट्रैक्टर तथा प्राथमिक विद्यालय मैदान में 140–150 ट्रैक्टर अवैध बालू भंडारित मिला। सभी बालू जब्त करते हुए कांड सं. 129/25 दर्ज किया गया।

वर्ग षष्ठम के लिए जेएनवी चयन प्रवेश परीक्षा आज

सेन्हा। पीएम श्री जवाहर नवोदय विद्यालय लोहरदगा के लिए चयन प्रवेश परीक्षा 2026 का सफल आयोजन आज किया जायेगा। जिसके लिये लिये पीएम श्री जवाहर नवोदय विद्यालय जोगना लोहरदगा के प्राचार्य अवनीश चन्द्र झा ने जानकारी देते हुए बताया कि जिले में चयनित परीक्षा केंद्रों पर सुबह निर्धारित समय पर परीक्षा शुरू होगी। सफलता पूर्वक परीक्षा आयोजित कराने के लिए प्रशासन एवं विद्यालय प्रबंधन द्वारा सभी आवश्यक तैयारियां पूरी कर ली गई है। वही जवाहर नवोदय विद्यालय प्रबंधन ने सभी परीक्षार्थियों एवं अभिभावकों से अपील की है कि परीक्षा के लिए जारी किए गए प्रवेश पत्र में अंकित परीक्षा केंद्र पर ही परीक्षार्थी उपस्थित होकर परीक्षा देंगे। प्रवेश पत्र में उल्लिखित परीक्षा केंद्र ही अंतिम मान्य होगा। जिससे किसी भी प्रकार की भ्रम की स्थिति में विद्यार्थी प्रवेश पत्र को ही आधार मानेगे जेएनवी चयन प्रवेश परीक्षा के लिये जिला के सात विद्यालय को परीक्षा केंद्र बनाया गया है। जिसमें राजकीय चुन्नीलाल +2 उच्च विद्यालय लोहरदगा में 270 परीक्षार्थी, शीला अग्रवाल सरस्वती विद्या मंदिर उच्च विद्यालय लोहरदगा में 357 परीक्षार्थी, एमबी डीएवी लोहरदगा में 373 परीक्षार्थी उर्सेलाइन कान्वेंट बालिका उच्च विद्यालय लोहरदगा में 246 परीक्षार्थी, मंजूरमती उच्च विद्यालय महादेव आश्रम लोहरदगा में 372 परीक्षार्थी, राजकीय बालिका उच्च विद्यालय लोहरदगा में 201 परीक्षार्थी तथा उर्सलाइन बालिका मध्य विद्यालय लोहरदगा में 151 परीक्षार्थी परीक्षा देंगे। वही परीक्षा को शांतिपूर्ण और पारदर्शी तरीके से संपन्न कराने के लिए सभी केंद्रों पर उपायुक्त सह नवोदय विद्यालय समिति के अध्यक्ष और जिला शिक्षा अधीक्षक के द्वारा पर्यवेक्षकों, केंद्राधीक्षकों तथा दण्डाधिधिकारियों की तैनाती कर दी गई है।

उम्मीद सोसाइटी के पदाधिकारियों का पगड़ी पोशी सह शपथ ग्रहण समारोह का आयोजन

कैरो/लोहरदगा। प्रखंड के उतका गांव में गुरुवार रात्रि में उम्मीद सोसाइटी के द्वारा सोसाइटी के पदाधिकारियों का पगड़ी पोशी सह शपथ ग्रहण समारोह का आयोजन किया गया। मौके पर अतिथियों द्वारा उम्मीद सोसाइटी के नाजीमे आला ताजुल अंसारी, सदर अख्तर अंसारी, सेक्रेटरी तौहीद अंसारी, नायब सदर सरफुल अंसारी, नायब सेक्रेटरी जावेद अंसारी को पगड़ी पोशी की गई वही सभी ने समाज के बेहतरी, शिक्षा को बढ़ावा देने, गलत कामो से दूर रहने आदि का शपथ लिया। मौके पर मुख्य अतिथि के तौर पर पहुंचे अंजुमन इस्लामिया लोहरदगा के सदर रउफ अंसारी, विशिष्ट अतिथि सेक्रेटरी साहिद अहमद बेलू, नायब सदर बबलू, भंडरा प्रखंड अंजुमन के सदर आफताब आलम, सेक्रेटरी रउफ खान, कैरो प्रखंड अंजुमन के सदर जमील अख्तर अंसारी, सेक्रेटरी समीद अंसारी व विभिन्न गांव के सदर व सेक्रेटरी को भी सोसाइटी द्वारा पगड़ी पोशी कर स्वागत किया गया। मौके पर मुख्य अतिथि अंजुमन इस्लामिया के सदर रउफ अंसारी ने अंजुमन सोसाइटी के कार्यो, जिम्मेवारियों,चलने-चलाने के तौर तरीके के बारे में बतलाते हुए कहा कि आज हमारा समाज शिक्षा के क्षेत्र में पिछड़ा हुआ है। सभी को शिक्षा को बढ़ावा देने पर जोर देना होगा। मौके पर अंजुमन इस्लामिया उतका के सदर जमाल अंसारी, हाफिज तौफीक, रुस्तम अंसारी, कैरो के सदर इम्तियाज अंसारी, सेक्रेटरी मुस्लिम अंसारी, बंडा अंजुमन के सदर हैदर मीरदहा, सेक्रेटरी हसबुल खान के अलावे आरिफ अंसारी, यूसुफ अंसारी, खलील अंसारी, मतलूब अंसारी, हाफिज रहीम अंसारी, सनाउल्लाह अंसारी, जुबैर अंसारी, एनुल अंसारी, रिजवान अंसारी, तबरेज अंसारी आदि उपस्थित थे।

जेएसएलपीएस की बैठक में उपायुक्त ने दिए निर्देश

जेएसएलपीएस समूहों को अधिकतम ऋण उपलब्ध कराएं : डॉ ताराचंद

- जिला में युवाओं के नए कोर्स के प्रशिक्षण की पहल करने का आरसेटी को निर्देश

नवीन मेल संवाददाता

लोहरदगा। उपायुक्त डॉ ताराचंद की अध्यक्षता में जेएसएलपीएस की समीक्षा बैठक आयोजित हुई। बैठक में सर्वप्रथम वित्तीय वर्ष 2025-26 में एनआरएलएम अंतर्गत गठित स्वयं सहायता समूह, ग्राम संगठन और क्लस्टर लेवल फेडरेशन पर चर्चा हुई जिसमें सभी प्रखंड कार्यक्रम प्रबंधकों को ऐसे गठित समूह/संगठन/फेडरेशन को अधिकतम फण्ड उपलब्ध कराने के लिए अग्रेतर कार्रवाई करने का निर्देश दिया गया। न्यूनतम डेढ़ लाख रूपये से लेकर अधिकतम 20 लाख रूपये प्राप्त करनेवाले समूह/संगठन/फेडरेशन की मॉनिटरिंग की जाए। इस दिशा में बेहतर कार्य करनेवाले बीपीएम को सम्मानित किया जाएगा।

फूलो-झानो आशीर्वाद अभियान अंतर्गत ऐसे महिलाओं को चिन्हित करने का निदेश दिया गया जो इस अभियान का लाभ लेने के बावजूद हँड़िया बेचने का कार्य कर रही हैं। साथ ही, जो महिलाएं हंड़िया बेचने का कार्य कर रही हैं उन्हें इस अभियान से लाभान्वित कर आजीविका के अन्य माध्यमों से जोड़ा जाए। उपायुक्त ने कहा कि जिला में गठित स्वयं सहायता समूह की सदस्यों मुद्रा ऋण, पीएफएमई और एआईएफ से अच्छादित किया जाए। इसके लिए विशेष शिविर आयोजित कराये जाएं। बैठक में आजीविका लखपति दीदी 2025-26, नये एफपीओ का गठन, एफपीओ को दिए जानेवाले विभिन्न लाइसेंस के बारे जानकारी दी गयी। बैठक में अपर समाहर्ता जितेंद्र मुण्डा, आइटीडीए परियोजना निदेशक सुषमा नीलम सोरेंग, सिविल सर्जन डॉ राजू कच्छप, जिला पंचायत राज पदाधिकारी अंजना दास, जिला कृषि पदाधिकारी कालेन खलखो, जिला गव्य विकास पदाधिकारी वशिष्ठ सिंह, जिला पशुपालन पदाधिकारी रमेश उरांव, जिला उद्यान पदाधिकारी सौरभ लोहानी, भूमि संरक्षण पदाधिकारी मोहितोष पाण्डेय, जिला नियोजन पदाधिकारी नीरू कुमारी, डीडीएम नाबार्ड शोभारानी केरकेट्टा, जेएसएलपीएस डीपीएम संजय गुप्ता समेत अन्य उपस्थित थे।

भारी मोटर वाहन चालन का प्रशिक्षण

बैठक में निदेशक, ग्रामीण स्वरोजगार प्रशिक्षण संस्थान (आरसेटी) लोहरदगा को लोहरदगा जिला के युवाओं के लिए भारी मोटर वाहन चालन का प्रशिक्षण सत्र संचालित करने के लिए अग्रेतर कार्रवाई करने का निदेश दिया गया।

पीएमएसबीवाई व पीएमजेजेवाई में मिले क्लेम का लाभ

उपायुक्त ने कहा कि प्रधानमंत्री सुरक्षा बीमा योजना और प्रधानमंत्री जीवन ज्योति योजना में जिन लोगों ने नियमित रुप से प्रीमियम भरा था, अगर उनकी मृत्यु हो जाती है तो आश्रित को योजना का लाभ त्वरित दिलाएं। इसी प्रकार पीएमएसबीवाई एवं पीएमजेजेवाई अंतर्गत अगर स्थायी विकलांगता की शिकार उक्त महिला हो जाती है तो उसे क्लेम का लाभ मिले। प्राकृतिक मृत्यु पर पीएम जीवन ज्योति योजना और दुर्घटना में मृत्यु पर पीएम सुरक्षा बीमा योजना का लाभ दिया जाता है। अगर किसी ने दोनों योजनाएं ली हैं इसमे अगर मृत्यु ही है उपरांत उसके आश्रित को दोनों योजनाओं का लाभ दिया जाए। क्लेम निर्धारित समय के अंदर करा लिया जाए। इस संबंध में जेएसएलपीएस के सभी समूह/संगठन/फेडरेशन में जानकारी दी जाए।

वाहन जांच अभियान, बच्चों की सुरक्षा को लेकर प्रशासन सख्त

जांच दल ने किए अभिभावकों को सड़क सुरक्षा के प्रति जागरूक

नवीन मेल संवाददाता

लोहरदगा। लोहरदगा जिले में स्कूल बच्चों की सुरक्षा सुनिश्चित करने के लिए प्रशासन सख्त हो गया है। जिला उपायुक्त डॉ ताराचंद के निर्देशानुसार, लिवेन्स स्कूल परिसर में स्कूल वाहनों का सघन जांच अभियान चलाया गया। जिला परिवहन पदाधिकारी (डीटीओ) जया शंखी मुरमू की टीम ने स्कूल में संचालित सभी वाहनों का बारीकी से निरीक्षण किया। जांच के दौरान बच्चों की बैठने की क्षमता, वाहन की तकनीकी स्थिति, और आवश्यक सुरक्षा मानकों को विशेष रूप से परखा गया। अधिकारियों ने स्पष्ट निर्देश दिए कि वाहनों का संचालन हर हाल में सुरक्षित एवं मानक अनुरूप होना चाहिए। जांच दल ने अभिभावकों को भी सड़क सुरक्षा के प्रति जागरूक करते हुए कड़े निर्देश दिए कि वे दोपहिया वाहन चलाते समय अनिवार्य रूप से हेलमेट का प्रयोग करें। इस महत्वपूर्ण अभियान में जिला परिवहन पदाधिकारी के साथ, जिला सड़क सुरक्षा प्रबंधन के अमरेश्वर गिरी और ट्रैफिक इंचार्ज रजवार भी मौजूद रहे। अधिकारियों ने बच्चों में सड़क सुरक्षा के प्रति जागरूकता बढ़ाने पर जोर दिया। प्रशासन का यह कदम जिले में सड़क सुरक्षा को मजबूत बनाने तथा स्कूली बच्चों के लिए सुरक्षित परिवहन व्यवस्था सुनिश्चित करने की दिशा में एक महत्वपूर्ण पहल माना जा रहा है।

सड़क दुर्घटना में दो लोग गंभीर रुप से घायल

भंडरा। भंडरा-सिसई मुख्य पथ भंडरा थाना क्षेत्र के सेमरा नवनिर्मित हाई स्कूल भवन के समीप गुरुवार की देर शाम सड़क दुर्घटना में दो लोग गंभीर रुप से घायल हो गए। जिसे स्थानीय ग्रामीण व भंडरा थाना पुलिस की मदद से सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र भंडरा पहुंचाया। जहां दोनों घायलों व्यक्तियों को डा. ओम कुमार द्वारा प्राथमिक उपचार के बाद बेहतर इलाज के लिए सदर रेफर कर दिया। बता दें कि गडरपो गांव निवासी दिलीप उरांव (21 वर्ष) अपने मोटर साइकिल से अपने घर जा रहा था। तभी पैदल अपने घर जा रहे पोड़हा गांव निवासी बोड़ो उरांव (70 वर्ष) को अनियंत्रित होकर ठोकर मार दिया। इससे बोड़ो उरांव का एक पैर पूरी तरह से टूट गया है। जबकि मोटर साइकिल सवार युवक को भी गंभीर चोटें आई है।

लोहरदगा जिला सेवा भारती के पदाधिकारियों का पुनर्गठन

- अध्यक्ष दीपक सर्राफ, सचिव संजय चौधरी व कोषाध्यक्ष शशांक बर्मन बने

नवीन मेल संवाददाता

लोहरदगा। झारखंड प्रांतीय सेवा भारती के निर्देशानुसार प्रांतीय संगठन मंत्री जितेंद्र कुमार विजय की अध्यक्षता पर लोहरदगा जिला सेवा भारती के पदाधिकारियों का पुनर्गठन किया गया। अध्यक्ष पद पर दीपक सर्राफ को यथावत रखते हुए संजय चौधरी को सचिव, शशांक बर्मन को कोषाध्यक्ष बनाया गया, संरक्षक डॉ कुमुद अग्रवाल, उपाध्यक्ष गुप्तेश्वर प्रसाद गुप्ता, राजू रंजन अग्रवाल,अवधेश मित्तल,आनंद केसरी एवं अजय अग्रवाल, सह सचिव सूरज कुमार साहू, सहकोषाध्यक्ष सुबोध प्रसाद महतो को बनाया गया। एवं 11 कार्यसमिति सदस्य बनाया जाएगा। संगठन मंत्री जितेंद्र कुमार एवं जिला अध्यक्ष दीपक सर्राफ ने सभी चयनित पदाधिकारीयों को बधाई एवं शुभकामनाएं दी जितेंद्र कुमार ने कहा कि लोहरदगा जिला सेवा भारती सेवा के कार्य क्षेत्र के प्रांत में अपनी एक अलग पहचान बना रखी है जिला अध्यक्ष के सेवा कार्यों की जितनी भी प्रशंसा की जाए कम है इनके साथ जुड़ी नई टीम और ज्यादा सशक्त होकर सेवा भाव से लोगों की सेवा करेगी।

स्वास्थ, शिक्षा के साथ-साथ महिलाओं को आत्मनिर्भर बनाने की दिशा पर ज्यादा कार्य करने की आवश्यकता है। जिला अध्यक्ष दीपक सर आपने कहा कि लोड़ागा जिला सेवा भारती संगठन सेवा के कार्य में तत्पर है और आगे भी सेवा के कार्य पर निरंतर प्रयासरत रहेगी,मानव सेवा एवं जीव सेवा ही सबसे बड़ा धर्म है इससे आगे कुछ नहीं।

ब्रेकडाउन बॉक्साइड ट्रक में टक्कर से मोटरसाइकिल चालक की मौत

सेन्हा। सड़क दुर्घटना में मोटरसाइकिल चालक की घटना स्थल पर दर्दनाक मौत हो गया। वही सूचना मिलने पर परिजन पहुंचकर शव उठाने पर आपत्ति जताते हुए रोक लगा कर मुआवजा का मांग करने लगे। वही घटना की सूचना अंचलाधिकारी पंकज कुमार भगत को मिलते ही घटना स्थल पहुंच परिजनों को सरकारी प्रावधान के अनुसार उचित लाभ मुहैया कराने का आश्वासन देने के पश्चात सेन्हा पुलिस शव को कब्जे में ले अग्रतर कारवाई में जुट गई। घटना सेन्हा थाना क्षेत्र के भड़गांव के समीप एन एच143-ए घाघरा लोहरदगा मुख्य पथ पर ईंट भट्ठा के पास बॉक्साइड ट्रक संख्या बीआर 42जी0155 ब्रेकडाउन ट्रक में टक्कर लगने से युवक की मौत घटना स्थल पर हो गई। मृतक का पहचान अरु ग्राम निवासी स्वर्गीय बिगन राम के पुत्र शिव कुमार रवि के रूप में हुआ।

एक दिवसीय जागरूकता कार्यक्रम आयोजित, डीडीसी ने कहा-

18 पारंपरिक विद्याओं में कार्य करने वाले कारीगर व शिल्पकार सम्मिलित

नवीन मेल संवाददाता

भंडरा। प्रखंड मुख्यालय में शुक्रवार को पीएम विश्वकर्मा योजना पर आधारित एक दिवसीय जागरूकता कार्यक्रम आयोजित किया गया। मौके पर डीडीसी दिलीप प्रताप सिंह शेखावत सहित अन्य प्रखंड स्तरीय अधिकारी उपस्थित थे। कार्यक्रम का उद्देश्य लाभार्थियों को योजना से मिलने वाले लाभ, पात्रता एवं आवेदन की प्रकिया इत्यादि के बारे में वृहद रुप से जानकारी देना एवं जागरुक करना है। कार्यक्रम में मुख्य अतिथि डीडीसी ने बताया गया कि पीएम विश्वकर्मा योजना में 18 पारंपरिक विद्याओं में कार्य करने वाले कारीगर और शिल्पकार सम्मिलित हैं। उन्होंने बताया कि प्रशिक्षण प्राप्त करने पर पीएम विश्वकर्मा प्रमाण-पत्र और पहचान पत्र उपलब्ध कराए जाएंगे। उन्होंने भारत सरकार की ओर से एमएसएमई उद्यमियों के विकास के लिए उपलब्ध योजनाओं के बारे में विस्तृत जानकारी प्रदान किए। कार्यक्रम का विधिवत उद्घाटन डीडीसी, बीडीओ प्रतिमा कुमारी, सीओ दुर्गा कुमार, एलडीएम व मंचासीन अतिथियों ने दीप प्रज्ज्वलित कर किया। कार्यक्रम मे पीएम विश्वकर्मा योजना मे प्रशिक्षण प्राप्त कई लाभर्थियों को अतिथियों द्वारा प्रमाण पत्र वितरित किया गया। मौके पर डीडीसी ने बताया कि पीएम विश्वकर्मा योजना में 18 पारंपरिक विधाओं के शिल्पकारों जैसे बढ़ई, लोहार, सुनार, कुम्हार, मूर्तिकार, मोची, राजमिस्त्री, जाल बनाने वाले, दर्जी, नाई आदि को शामिल किया गया है। योजना के तहत लाभार्थियों को पांच,सात दिन का प्रशिक्षण, प्रतिदिन 500 रुपए भत्ता, प्रशिक्षण के बाद 15,000 रुपए के टूलकिट ई-वाउचर, पहले चरण में एक लाख और दूसरे में दो लाख रुपए तक का बिना गारंटी ऋण 5% ब्याज पर उपलब्ध कराया जायेगा। पीएम विश्वकर्मा प्रमाण-पत्र और पहचान पत्र भी दिए जाएंगे। एलडीएम ने लाभर्थियों से योजना का लाभ लेने की अपील की। बीडीओ प्रतिमा कुमारी ने कहा कि यह योजना पारंपरिक कारीगरों को आधुनिक उपकरण और आर्थिक सहायता प्रदान कर उनके जीवन स्तर में सुधार लाने की दिशा में महत्वपूर्ण कदम है। इस मौके पर क्षेत्र के दर्जनों युवा मौजूद थे।

पांच दिवसीय अंतर महाविद्यालय क्रिकेट प्रतियोगिता का समापन

नवीन मेल संवाददाता

लोहरदगा। बलदेव साहू महाविद्यालय में रांची विश्वविद्यालय के अंतर्गत आयोजित पांच दिवसीय अंतर महाविद्यालय क्रिकेट प्रतियोगिता का अंतिम दिन था। प्रतियोगिता का फाइनल मैच बलदेव साहू महाविद्यालय लोहरदगा एवं एसएस मेमोरियल महाविद्यालय रांची के बीच खेला गया। इस मुकाबले में पहले बैटिंग करते हुए बलदेव साहू महाविद्यालय लोहरदगा की टीम ने 22.5 ओवर में 10 विकेट खोकर 127 रन बनाई। लक्ष्य का पीछा करते हुए एस. एस. मेमोरियल महाविद्यालय रांची की टीम ने 22.5 ओवर में 08 खोकर 131रन बनाकर मैच जीत लिया। बीएस लोहरदगा टीम की ओर से सर्वाधिक अमित कुमार गुप्ता ने 20 गेंद में 24 रन बनाए। एसएस मेमोरियल महाविद्यालय की टीम के ओर से सर्वाधिक 24 गेंद 44 रन बनाए। एसएस मेमोरियल के ओर से विक्की मछुआ ने 03 ओवर में 03 रन देकर 03 विकेट लिए, जिसमें एक ओवर मेडन रहा। बी. एस. कॉलेज के ओर से सत्य प्रकाश ने 05 ओवर 17 रन देकर 02 विकेट लिए। फाइनल का मेन ऑफ द मैच रोनित आर्यन,बेस्ट बैट्समैन सनी सचिन तिवारी, मेन ऑफ द सीरीज हिमांशु कुमार,बेस्ट बॉलर अमृत उरांव को दिया गया। मैच के समापन सह पुरस्कार वितरण समारोह में पूर्व राज्यसभा सांसद धीरज प्रसाद साहू, लोहरदगा जिले के उपायुक्त डॉ.ताराचंद, डीडीसी दिलीप प्रताप सिंह शेखावत, रांची विश्वविद्यालय के कुल सचिव डॉ. गुरुचरण साहू,छात्र कल्याण संकाय अध्यक्ष सुदेश कुमार साहू, एफओ दिलीप प्रसाद, एफए अजय कुमार, प्राचार्य डॉ. शशि गुप्ता, खेल पदाधिकारी प्रोफेसर आनंद मांझी, पीटी सोनू बड़ाइक, रांची विश्वविद्यालय क्रिकेट चयन समिति के अध्यक्ष जयकुमार सिनहा, चयन समिति के सदस्य चंचल भट्टाचार्य, कुमुद रंजन, विजय कुमार वर्मा, अरुण कुमार, धीरज महतो, डॉ संतोष, डॉ सुमन, प्रो अजित,डॉ संजय, डॉ रोशन, प्रो अर्जुन, प्रो शेरॉन, प्रो अंबिका, डॉ निखिल, डॉ अजय, डॉ बूटन, प्रो मुकेश, प्रो रेखा डॉ पुष्पा, प्रो दीप, प्रो सतीश और शिक्षकेतर कर्मी प्रकाश, निराव, रत्नेश, सचिन, मनीष, रोहन, एवं अन्य उपस्थित थे।

समाहरणालय, गढ़वा
(अनु0ज0जा0, अनु0जा0, अल्पसंख्यक एवं पि0वर्ग, कल्याण शाखा)

(अति अल्पकालिन निविदा) विज्ञापन सं0–03/2025–26

वित्तीय वर्ष 2025–26 में गढ़वा जिला अन्तर्गत कल्याण विभाग द्वारा संचालित छात्रावासों/आवासीय विद्यालयों में अध्ययनरत छात्र/छात्राओं के लिए उपस्कर/बर्त्तन एवं फर्नीचर आदि का आपूर्ति हेतु आपूर्तिकर्ता के चयन के निमित मुहरबंद निविदा दिनांक– 26.12.2025 को अपराह्न 05:00 बजे तक जिला कल्याण पदाधिकारी, गढ़वा के कार्यालय में आमंत्रित किया जाता है। प्राप्त निविदा दिनांक–27.12.2025 को पूर्वाहन 11:30 बजे क्रय समिति के समक्ष अधोहस्ताक्षरी के कार्यालय प्रकोष्ठ में खोला जायेगा, जिसमें निविदादाता या उनके द्वारा प्राधिकृत प्रतिनिधि भाग ले सकते है। निविदादाताओं को निविदा से संबंधित शर्तों का अनुपालन सुनिश्चित करना अनिवार्य होगा।

सामग्रियों एवं निविदा की शर्तों की सूची :– उपस्कर/बर्त्तन एवं फर्नीचर आदि सामग्रियों की सूची एवं निविदा से संबंधित शर्तों को prdjharkhand.in पर एवं गढ़वा जिला के Website (garhwa.nic.in) पर भी देखा जा सकता है साथ ही जिला कल्याण कार्यालय, गढ़वा के सूचना पट्ट पर भी देखा जा सकता है।

ह0/
PR 368399 Welfare (25-26)_D — उप विकास आयुक्त, गढ़वा

कार्यपालक अभियंता का कार्यालय
ग्रामीण विकास विशेष प्रमण्डल, चतरा

ई–निविदा आमंत्रण सूचना

डी0एम0एफ0टी0 से चतरा जिलान्तर्गत स्वीकृत निम्नांकित योजना के क्रियान्वयन हेतु ग्रामीण विकास विभाग (ग्रामीण कार्य मामले), झारखण्ड सरकार द्वारा समुचित श्रेणी के निबंधित संवेदको से एकल लिफाफा पद्धति/द्वितीय लिफाफा पद्धति के अंतर्गत निविदा आमंत्रित की जाती है।

ई–निविदा सूचना संख्या :– RDD/SD/CHATRA/05/2025-26

1.कार्य की विस्तृत विवरणी :–

ग्रुप० सं०	कार्य का नाम	प्राक्कलित राशि	अग्रधन की राशि	परिमाण विपत्र का मूल्य	कार्य पूर्ण करने की अवधि	लिफाफा पद्धति
1	Construction of Community Skill Development-cum-Training Centre At Vill-Pathalgada, Panchayat-Singhani, Block-Pathalgada, Distt.-Chatra.	99,96,000.00	2,00,000.00	10,000.00	09 माह	द्वितीय

2. वेबसाईट में निविदा प्रकाशन की तिथि –18.12.2025
3. ई–निविदा प्राप्ति की तिथि एवं समय – दिनांक–18.12.2025 से दिनांक–24.12.2025 के अपराह्न 05:00 बजे तक
4. ई–निविदा खोलने का स्थान– कार्यपालक अभियंता का कार्यालय, ग्रामीण विकास विशेश प्रमण्डल, चतरा।
5. ई–निविदा खोलने की तिथि एवं समय – 27.12.2025 अपराह्न 02:00 बजे
6. ई–निविदा आमंत्रित करने वाले पदाधिकारी का नाम एवं पता :– कार्यपालक अभियंता, ग्रामीण विकास विशेष प्रमंडल, चतरा।
7. ई–निविदा प्रकोष्ठ का दूरभाष सं० – 9431060939 (संबंधित कार्यपालक अभियंता का दूरभाष नम्बर)
8. परिमाण विपत्र की राशि घट–बढ़ सकती है, तदनुसार अग्रधन की राशि देय होगी।
9. निविदा शुल्क एवं अग्रधन की राशि केवल Online Mode द्वारा स्वीकार्य होगी।
10. निविदा शुल्क एवं अग्रधन की राशि का ई–भुगतान जिस खाता से किया जायेगा, उसी खाते में अग्रधन की राशि वापस होगी। अगर खाता को बन्द कर दिया जाता है तो उसकी सारी जवाबदेही आपकी होगी।

विस्तृत जानकारी के लिये वेबसाईट www.jharkhandtenders.gov.in एवं कार्यालय की सूचना पट्ट पर देखा जा सकता है।

कार्यपालक अभियंता
PR 368349 (Rural Development)25-26*D — ग्रामीण विकास विशेष प्रमंडल,चतरा

धर्म संस्कृति — धर्म रक्षा कोष संग्रह को लेकर विहिप लोहरदगा की महत्वपूर्ण टोली बैठक

घर-घर पहुंचने का लक्ष्य निर्धारित : कार्तिक विश्वकर्मा

नवीन मेल संवाददाता

लोहरदगा। हिंदू धर्म और सनातनी आयोजनों को भव्यता प्रदान करने के उद्देश्य से विश्व हिंदू परिषद (विहिप) लोहरदगा ने अपने वार्षिक 'धर्म रक्षा निधि संग्रह' अभियान का शंखनाद कर दिया है। इसी निमित्त अध्यक्ष रितेश साहू के आवास पर एक अति आवश्यक जिला टोली बैठक संपन्न हुई, जिसमें संगठन के आगामी कार्यक्रमों और कोष की आवश्यकता पर गहन विचार-विमर्श किया गया। विहिप के जिला संगठन मंत्री कार्तिक विश्वकर्मा ने आगामी कार्यक्रमों की रूपरेखा प्रस्तुत की, जबकि जिला अध्यक्ष रितेश साहू ने प्रांतीय कार्यालय के निर्देशानुसार धर्म रक्षा निधि संग्रह अभियान को गति देने की बात कही। उन्होंने स्पष्ट किया कि संगठन के अनवरत कार्यों को जारी रखने के लिए यह वार्षिक कोष संग्रह अत्यंत आवश्यक है। जिला अध्यक्ष ने उपस्थित सभी कार्यकर्ताओं और जिला टोली सदस्यों को निर्देशित किया कि वे एकजुट होकर काम करें और प्रत्येक सनातनी घर के साथ-साथ प्रतिष्ठानों में भी संपर्क साधें, ताकि प्रांत द्वारा निर्धारित सभी धार्मिक कार्यक्रम भव्यता के साथ संपन्न हो सकें। जिला मंत्री रंजीत कुमार साहू ने अभियान के विस्तार की जानकारी देते हुए बताया कि जिला बैठक के उपरांत अब नगर क्षेत्र के साथ-साथ सभी प्रखंडों के दायित्ववान कार्यकर्ताओं के सहयोग से धर्म रक्षा निधि का महत्व समझाते हुए प्रखंड और पंचायत स्तर पर अधिक से अधिक संग्रह किया जाएगा।

शुभारंभ के दिन ही 25,000 का संग्रह

बैठक के दौरान ही धर्म रक्षा निधि संग्रह अभियान का औपचारिक शुभारंभ किया गया। अभियान के पहले ही दिन टोली सदस्यों के माध्यम से 25,000 की राशि संकलित की गई, जो अभियान की सफल शुरुआत का संकेत है। बैठक में अध्यक्ष रितेश साहू, जिला मंत्री रंजीत कुमार साहू, जिला संगठन मंत्री कार्तिक विश्वकर्मा, बजरंग दल जिला संयोजक पवन प्रजापति, जिला सुरक्षा प्रमुख प्रद्युमन पाठक सहित जितेंद्र लोहरा, अमर साहू, आशुतोष पाठक, हिमांशु केशरी, अंकित कुमार जैसे प्रमुख कार्यकर्ता उपस्थित रहे।

बड़का टोली बघिमा विद्यालय में जागरूकता कार्यक्रम आयोजित

नवीन मेल संवाददाता

पालकोट (गुमला)। आज 12 दिसंबर को राजकीय उन्नत मध्य विद्यालय बड़का टोली बघिमा, पालकोट (जिला गुमला) में अंतरराष्ट्रीय सार्वभौमिक स्वास्थ्य कवरेज दिवस के अवसर पर एक जागरूकता कार्यक्रम आयोजित किया गया।

यह कार्यक्रम नालसा नई दिल्ली एवं झालसा रांची के दिशा-निर्देशन में, जिला विधिक सेवा प्राधिकार गुमला के अध्यक्ष श्री ध्रुव चंद्र मिश्रा एवं सचिव श्री रामकुमार लाल गुप्ता के मार्गदर्शन में संपन्न हुआ। कार्यक्रम के दौरान पीएलवी राजू साहू ने बच्चों एवं ग्रामीणों को स्वास्थ्य अधिकार, सार्वभौमिक स्वास्थ्य कवरेज के महत्व तथा डालसा गुमला द्वारा प्रदान की जाने वाली निःशुल्क कानूनी सहायता सेवाओं के बारे में विस्तृत जानकारी दी। उन्होंने लोगों को जागरूक करते हुए बताया कि जरूरतमंद व्यक्ति किस प्रकार विधिक सहायता प्राप्त कर सकते हैं। इस कार्यक्रम में विद्यालय की शिक्षिकाएँ—बृजेश प्रसाद, उषा कुमारी, बधाई शशि तथा अन्य उपस्थित रहे।

उपायुक्त की अध्यक्षता में भू-अर्जन विभाग की हुई समीक्षा बैठक

सड़क परियोजनाओं में तेजी लाने के का दिया निर्देश

नवीन मेल संवाददाता

गुमला – उपायुक्त प्रेरणा दीक्षित की अध्यक्षता में आज जिला भू-अर्जन विभाग की एक महत्वपूर्ण समीक्षात्मक बैठक आयोजित की गई, जिसमें जिले में चल रही सभी भू-अर्जन प्रक्रियाओं, भुगतान की वर्तमान स्थिति तथा लंबित मामलों की विस्तारपूर्वक समीक्षा की गई। बैठक में अधिकारियों ने विभिन्न परियोजनाओं से जुड़ी प्रगति रिपोर्ट प्रस्तुत की। उपायुक्त ने स्पष्ट निर्देश दिया कि भू-अर्जन से संबंधित सभी कार्यों को समयबद्ध रूप से पूरा किया जाए तथा भुगतान प्रक्रिया में किसी भी प्रकार की देरी नहीं होनी चाहिए। उन्होंने संबंधित अंचल अधिकारियों को सख्त निर्देश दिया कि पंजी–2 की प्रतियां जल्द से जल्द भू-अर्जन कार्यालय को उपलब्ध कराई जाएं, ताकि लंबित मामलों के भुगतान की कार्रवाई तुरंत शुरू की जा सके।

बैठक में जिले में प्रगति पर चल रही राष्ट्रीय राजमार्ग की चार प्रमुख परियोजनाओं की विस्तार से समीक्षा की गई। एनएच–23 पलमा–गुमला चौड़ीकरण,भारतमाला परियोजना के अंतर्गत छत्तीसगढ़/झारखंड सीमा से गुमला तक एनएच–43 खंड,गुमला बाईपास निर्माण, एनएच–143 जमतली–रांची–संभलपुर आर्थिक मार्ग कॉरिडोर। उपायुक्त ने इन परियोजनाओं को जिले के आर्थिक एवं भौतिक विकास की दृष्टि से अत्यंत महत्वपूर्ण बताते हुए इनके त्वरित निष्पादन पर जोर दिया।

जन-सुनवाई में उमड़ी भीड़ की समस्याएं उपायुक्त ने सुनीं

गुमला। जिले में आज साप्ताहिक जन शिकायत निवारण दिवस का आयोजन उपायुक्त प्रेरणा दीक्षित की अध्यक्षता में आयोजित किया गया, जिसमें विभिन्न प्रखंडों और दूरस्थ गांवों से आए नागरिकों ने अपनी समस्याएं रखीं। उपायुक्त ने सभी आवेदनों को धैर्यपूर्वक सुनते हुए संबंधित शाखाओं को आवश्यक कार्रवाई हेतु प्रेषित किया। उन्होंने कहा कि जन शिकायत निवारण दिवस प्रशासन और जनता के बीच संवाद का प्रभावी माध्यम है तथा प्रत्येक शिकायत का समाधान नियमों के अनुरूप किया जाएगा। रायडीह अंचल की एक आवेदिका ने बताया कि उनके पति की उग्रवादियों द्वारा हत्या कर दी गई थी, जिसके बाद वे वर्तमान पदस्थापन स्थल पर भय के कारण कार्य करने में असमर्थ हैं। उन्होंने सुरक्षित स्थान पर स्थानांतरण की मांग की। उपायुक्त ने उनके आवेदन पर सहानुभूति जताते हुए आवश्यक कार्रवाई का निर्देश दिया।

मौजा बसुआ, थाना गुमला के निवासी महावीर उरांव ने बताया कि खाता संख्या 468 की 3.78 एकड़ भूमि की वे कई वर्षों से खेती कर रहे हैं, लेकिन चरवा उरांव, बंधनु उरांव और बसिया उरांव द्वारा उन्हें लगातार फसल काटने से रोका जा रहा है एवं जान से मारने की धमकियां दी जा रही हैं। पुलिस द्वारा बुलाने के बावजूद विरोधी पक्ष की अनुपस्थिति का भी उन्होंने उल्लेख किया।

पॉलिटेक्निक कॉलेज ने नेक्स्टजेन वेंचर्स से एमओयू किया, छात्रों को मिलेंगे बेहतर प्लेसमेंट अवसर

नवीन मेल संवाददाता

गुमला। गुमला पॉलिटेक्निक कॉलेज में दिनांक 12 दिसंबर को एक महत्वपूर्ण पहल के तहत नेक्स्टजेन रिक्रूटमेंट वेंचर्स के साथ समझौता ज्ञापन पर हस्ताक्षर किए गए। इस एमओयू का उद्देश्य कॉलेज के छात्र-छात्राओं को प्रतिष्ठित निजी कंपनियों में बेहतर एवं व्यापक रोजगार अवसर उपलब्ध कराना है। यह सहयोग गुमला जिले में तकनीकी शिक्षा प्राप्त कर रहे युवाओं के करियर को नई दिशा देने में मील का पत्थर साबित होगा। कार्यक्रम के दौरान कॉलेज के निदेशक अभिजीत कुमार, प्राचार्य डॉ. शीबा नारायण साहू, प्रशासनिक अधिकारी अजीत कुमार शुक्ल, टीपीओ अमित रंजन तथा नेक्स्टजेन वेंचर्स के प्रतिनिधि सुधासत्व बिस्वास उपस्थित रहे। निदेशक अभिजीत कुमार ने अपने संबोधन में कहा की यह एमओयू हमारे छात्रों के प्लेसमेंट को मजबूत आधार देगा। अब छात्रों को प्रतिष्ठित निजी कंपनियों में अधिक अवसर मिलेंगे। हमारा लक्ष्य है कि हर छात्र अपनी पढ़ाई पूरी करने के बाद एक बेहतर करियर की शुरुआत कर सके। हमें भरोसा है कि हमारे विद्यार्थी देश ही नहीं, विदेशों में भी अपनी पहचान बनाएंगे।" वहीं नेक्स्टजेन वेंचर्स के प्रतिनिधि श्री बिस्वास ने कहा की गुमला पॉलिटेक्निक कॉलेज के साथ यह साझेदारी हमारे लिए गर्व का विषय है। हम छात्रों को बेहतरीन करियर अवसर उपलब्ध कराने के लिए निरंतर काम करेंगे। कार्यक्रम में उपस्थित सभी सदस्यों ने इस एमओयू को छात्रों के उज्ज्वल भविष्य की दिशा में एक महत्वपूर्ण उपलब्धि बताया और इसे क्षेत्र के तकनीकी शिक्षा क्षेत्र के लिए एक बड़ी उपलब्धि माना।

न्यूज बॉक्स

जिले में धान खरीद पंद्रह दिसंबर से शुरू

गुमला। गुमला जिले में धान अधिप्राप्ति प्रक्रिया पंद्रह दिसंबर से शुरू होने जा रही है। इस संबंध में जिला आपूर्ति विभाग ने तैयारियां पूरी कर ली हैं और कुल उनतीस अधिप्राप्ति केंद्रों को चिन्हित किया गया है जहां किसानों से धान की खरीद की जाएगी। इन केंद्रों का संचालन विभिन्न प्रखंडों के चयनित लैम्पसों के माध्यम से किया जाएगा। राज्य सरकार ने वर्ष 2025-26 के लिए धान का न्यूनतम समर्थन मूल्य दो हजार चार सौ पचास रुपये प्रति क्विंटल तय किया है। यह दर पिछले वर्ष के मुकाबले सौ रुपये अधिक है। पिछले वर्ष समर्थन मूल्य दो हजार तीन सौ पचास रुपये था। समर्थन मूल्य में हुई इस वृद्धि का सीधा लाभ किसानों को मिलेगा और उनकी आय में सकारात्मक बढ़ोतरी की उम्मीद है। कृषि विभाग के अनुसार इस वर्ष जिले में धान की पैदावार बेहतर हुई है जिससे किसानों को बढ़े हुए मूल्य पर बिक्री का अधिक अवसर प्राप्त होगा। जिला आपूर्ति पदाधिकारी प्रदीप भगत ने बताया कि पंद्रह दिसंबर से धान क्रय कार्य समय पर शुरू हो जाएगा। आवश्यक व्यवस्था और तैयारियां पूरी कर ली गई हैं।

सत्र के तीसरे दिन योग साधकों ने किया विभिन्न आसनों का अभ्यास

सिसई (गुमला)। पोटरो गांव में "पतंजलि योगपीठ हरिद्वार" के मार्गदर्शन पर चलाए जा रहे शिविर में सत्र के तीसरे दिन ग्रामीणों ने विभिन्न आसनों और प्राणायाम का प्रशिक्षण प्राप्त किया। योग गुरु गजराज महतो ने योग साधकों को विभिन्न आसनों के साथ साथ मर्कटासन , गोमुखासन एवं बज्रासन का अभ्यास कराया। योग गुरु ने इन आसनों को कराते हुए बताया कि इनके नियमित अभ्यास से कमर दर्द की समस्या दूर होती है साथ ही सीना बलिष्ठ एवं हृदय व फेफड़ा मजबूत होते हैं। पुनः कटि संभाग (कंधा), गर्दन, सोल्डर की फिटनेस हेतु कटि चक्रासन का अभ्यास कराया गया। और अन्त में हास्यासन का अभ्यास कराते हुए समापन किया गया। बताते चलें कि योग शिविर में गांव के महिला पुरुष व बच्चे योग के प्रति अपनी रुचि दिखाते हुए भारी संख्या में शामिल हो रहे हैं और योग व प्राणायाम का आनन्द उठा रहे हैं।

सरकारी हस्तक्षेप के बाद धान की कम कीमत पर बिक्री रुकी, लैंपस केंद्र 15 से होगा शुरू

चैनपुर – चैनपुर प्रखंड क्षेत्र के किसान इन दिनों निजी खरीदारों द्वारा धान की कम कीमत तय किए जाने से परेशान थे। हालांकि, इस स्थिति पर संज्ञान लेते हुए स्थानीय प्रशासन ने तुरंत हस्तक्षेप किया है, जिससे किसानों को बड़ी राहत मिली है ।मामले की गंभीरता को देखते हुए, चैनपुर अनुमंडल पदाधिकारी पूर्णिमा कुमारी और प्रखंड विकास पदाधिकारी यादव बैठा ने किसानों से सीधा संवाद स्थापित किया। दोनों अधिकारियों ने स्थानीय बाजारों और किरतोटोली इलाके का दौरा किया और किसानों को उचित मूल्य पर धान बेचने की सलाह दी ।एसडीओ पूर्णिमा कुमारी ने किसानों को सूचित किया कि सरकार द्वारा संचालित लैंपस धान खरीद केंद्र 15 तारीख से शुरू हो जाएगा, जहाँ उन्हें उनकी उपज का सर्वश्रेष्ठ मूल्य सुनिश्चित रूप से मिलेगा। उन्होंने स्पष्ट किया कि सरकारी केंद्र पर धान का मूल्य 24.50 प्रति किलो निर्धारित किया गया है, जो निजी खरीदारों की तुलना में काफी अधिक है। इसके अतिरिक्त, सरकार की ओर से बोनस भी दिया जाएगा, जिससे किसानों की कुल आमदनी में और वृद्धि होगी ।कुमारी ने किसानों को धैर्य रखने और कम कीमत पर धान बेचकर नुकसान उठाने से बचने की सलाह दी ।बीडीओ यादव बैठा ने भी किसानों को समझाया कि सरकारी खरीद केंद्र का उद्देश्य केवल किसानों को लाभ पहुँचाना है। सकारात्मक प्रभाव देखने को मिला।

कृषि मेला में किसानों को आत्मनिर्भर खेती करने का दिया गया मंत्र

घाघरा (गुमला)। घाघरा प्रखंड के हालमाटी गाँव में स्वयंसेवी संस्था प्रदान द्वारा क्लस्टर स्तरीय जैविक कृषि मेले का आयोजन किया गया। कार्यक्रम में मुख्य अतिथि के रूप में उप विकास आयुक्त दिलेश्वर महतो, जिला उद्यान पदाधिकारी तमन्ना प्रवीण, प्रखंड विकास पदाधिकारी दिनेश कुमार, तथा बेलागाड़ा पंचायत की मुखिया रानी उरांव उपस्थित रहीं। मेले के दौरान बागवानी किसानों और एफपीओ के शेयरधारकों के साथ विस्तृत संवाद किया गया। अधिकारियों ने किसानों को बताया कि जैविक पद्धति से खेती न केवल मिट्टी की उर्वरता बढ़ाती है, बल्कि बाजार में जैविक उत्पादों की बढ़ती मांग के कारण किसानों को बेहतर मूल्य भी प्राप्त होता है।

आदिम जनजाति परिवारों को राशन संकट

कांग्रेस अध्यक्ष ने अधिकारियों से की तत्काल समाधान की मांग

नवीन मेल संवाददाता

गुमला। गुमला जिले के बिशुनपुर प्रखंड अंतर्गत हापुड़ गांव के आदिम जनजाति परिवारों को राशन प्राप्त करने में हो रही परेशानी को लेकर कांग्रेस जिला अध्यक्ष तथा सांसद प्रतिनिधि राजनील तिग्गा ने प्रभावित परिवारों के साथ आपूर्ति पदाधिकारी से मुलाकात की। उन्होंने आदिम जनजाति समुदाय को नियमित और सुचारू रूप से राशन उपलब्ध कराने में आ रही बाधाओं की जानकारी अधिकारियों को दी। राजनील तिग्गा ने कहा कि आदिम जनजाति परिवारों को राशन सीधे प्रखंड आपूर्ति पदाधिकारी के माध्यम से मिलना चाहिए। उन्होंने बताया कि राशन डीलर के माध्यम से वितरण होने के कारण बिशुनपुर प्रखंड के कई गांवों में आदिम जनजाति परिवारों को उनका हक का राशन नहीं मिल पा रहा है। उन्होंने विभाग से आग्रह किया कि इस संवेदनशील समुदाय को किसी भी तरह की परेशानी न हो और राशन वितरण की व्यवस्था पारदर्शी और सरल रखी जाए। आपूर्ति पदाधिकारी ने समस्या के त्वरित समाधान का आश्वासन दिया और कहा कि आदिम जनजाति परिवारों को उनका अधिकार मिले इसके लिए आवश्यक कदम उठाए जाएंगे। इस दौरान कांग्रेस जिला अध्यक्ष के साथ विशुनपुर प्रखंड की प्रमुख राजलक्ष्मी उरांव पंचायत समिति सदस्य हीरामणी देवी प्रखंड अध्यक्ष राजू भगत संजीव उरांव गुमला प्रखंड अध्यक्ष गुलाम सरवर अमृत बिरिजिया लालदेव बिरिजिया सहित बड़ी संख्या में ग्रामीण मौजूद थे।

बोर्ड परीक्षा पर डीसी सख्त

गुमला। जिले में बोर्ड परीक्षा 2026 की तैयारी को लेकर उपायुक्त प्रेरणा दीक्षित पूर्ण गंभीरता के साथ स्वयं मैदान में सक्रिय हो गई हैं। उन्होंने जनवरी 2026 तक सभी विद्यालयों में युद्धस्तर पर शैक्षणिक कार्य संचालित करने के निर्देश दिए हैं। डीसी ने स्पष्ट कहा है कि शत-प्रतिशत परिणाम जिला प्रशासन का लक्ष्य है और किसी भी प्रकार की लापरवाही को बर्दाश्त नहीं किया जाएगा। उपायुक्त ने आज जिला शिक्षा पदाधिकारी कविता खलखो एवं जिला शिक्षा अधीक्षक नूर आलम खां के साथ 10 से अधिक उच्च एवं +2 विद्यालयों की ऑडियो-वीडियो मॉनिटरिंग की। कक्षाओं में बच्चों की पढ़ाई,शिक्षकों की उपस्थिति,परीक्षा तैयारी की प्रगति,विद्यालयों की समग्र शैक्षणिक व्यवस्था का बारीकी से मूल्यांकन किया गया। डीसी के प्रमुख निर्देश — 'कमजोर छात्र नहीं छूटने चाहिए'।

जिला स्तरीय कौशल प्रतियोगिता एवं प्रदर्शनी में विद्यार्थियों का चमका हुनर

गुमला। झारखंड शिक्षा परियोजना गुमला द्वारा नगर भवन में जिला स्तरीय कौशल प्रतियोगिता सह कौशल प्रदर्शनी का भव्य आयोजन किया गया। व्यावसायिक शिक्षा एवं प्रशिक्षण के तहत आयोजित इस कार्यक्रम का शुभारंभ डीईओ कविता खलखो, डीएसई नूर आलम खां एवं अन्य अतिथियों द्वारा संयुक्त रूप से दीप प्रज्वलन कर किया गया। कार्यक्रम की मुख्य अतिथि राज्य कार्यक्रम पदाधिकारी, जेईपीसी रांची की ममता एलिजाबेथ लकड़ा ने विद्यार्थियों का उत्साहवर्धन करते हुए कहा कि आज के समय में व्यावसायिक शिक्षा रोजगार के नए अवसरों का मार्ग प्रशस्त करती है। उन्होंने कहा कि छात्र–छात्राओं का ऐसे कौशल आधारित आयोजनों में भाग लेना उनके करियर को दिशा देने में अत्यंत महत्वपूर्ण है। विशेष संबोधन और स्वागत, स्वागत भाषण : नूर आलम खां,विषय प्रवेश एपीओ रोज मिंज, जिन्होंने व्यावसायिक शिक्षा का महत्व विस्तार से बताया।

चैनपुर बीडीओ ने मनरेगा कार्यों का किया औचक निरीक्षण, गुणवत्ता बनाए रखने के निर्देश

नवीन मेल संवाददाता

चैनपुर। चैनपुर प्रखंड विकास पदाधिकारी यादव बैठा ने शुक्रवार को प्रखंड क्षेत्र में मनरेगा योजना के तहत संचालित आम बागवानी और कूप निर्माण कार्यों का औचक निरीक्षण किया। इस दौरान उन्होंने कार्यों की प्रगति और गुणवत्ता की गहन समीक्षा की और आवश्यक दिशा-निर्देश दिए। बीडीओ यादव बैठा ने मालम पंचायत के अंतर्गत वर्ष 2024-25 में संचालित कूप, तालाब, टीसीबी , आम बागवानी, अबुआ आवास सहित कई महत्वपूर्ण योजनाओं का निरीक्षण किया। उन्होंने तिलवारी पाठ, रातुजामटोली, मालम, डहुडढ़गांव और जयपुर सहित विभिन्न स्थानों पर योजना स्थलों का मुआयना किया ।निरीक्षण के दौरान बीडीओ ने पाया कि कई योजना स्थलों पर योजना बोर्ड टूटा हुआ था, जिस पर उन्होंने तत्काल संज्ञान लेते हुए संबंधित रोजगार सेवक मंझार सिद्दीकी को कड़ी फटकार लगाई और बोर्ड को तुरंत ठीक कराने का निर्देश दिया ।बीडीओ यादव बैठा ने मौके पर मौजूद मुखिया गुंजनमर्था केरकेट्टा, इंजीनियर संदीप तिवारी, रोजगार सेवक, और लाभुकों से बातचीत कीउन्होंने कूप निर्माण के लाभुकों को हिदायत दी कि कुआं बनने के बाद उसके ऊपर बंधा अवश्य बनाया जाए, ताकि किसानों को किसी प्रकार की समस्या न हो। आम बागवानी के संबंध में उन्होंने कहा कि झाड़ी, घेराबंदी और साफ-सफाई का कार्य तत्परता से किया जाए। साथ ही, उन्होंने किसानों को बागवानी के बीच की खाली जमीन पर खेती करने के लिए प्रेरित करने का निर्देश दिया ।बीडीओ ने सभी लाभुकों और उपस्थित कर्मियों को सख्त हिदायत दी कि सभी कार्य गुणवत्ता पूर्वक किए जाएं और किसी भी स्तर पर लापरवाही बर्दाश्त नहीं की जाएगी।

गुमला में सड़क सुरक्षा को लेकर बड़ी कार्रवाई

प्राथमिकी दर्ज, डेढ़ लाख रुपये से अधिक का जुर्माना वसूला गया

नवीन मेल संवाददाता

गुमला। गुमला जिले में सड़क सुरक्षा को सख्ती से लागू करने के उद्देश्य से बारह दिसंबर को जिला प्रशासन द्वारा अब तक की सबसे कठोर कार्रवाई की गई। जिला परिवहन पदाधिकारी ज्ञान शंकर जायसवाल और गुमला थाना प्रभारी महेंद्र करमाली के नेतृत्व में पटेल चौक से सिसई रोड तक पैदल मार्च निकाला गया। इस दौरान विधायक भूषण तिर्की भी मौजूद रहे और उन्होंने प्रशासन की कार्रवाई की सराहना की। जांच के दौरान दिनभर में नियमों का उल्लंघन करने वाले वाहनों से एक लाख पचास हजार रुपये से अधिक का जुर्माना वसूला गया जबकि रात में की गई सघन जांच में सत्ताइस हजार रुपये का जुर्माना लगाया गया। विधायक भूषण तिर्की ने बढ़ती सड़क दुर्घटनाओं पर चिंता जताते हुए कहा कि प्रशासन की सख्ती सराहनीय है और नागरिकों को अपनी सुरक्षा के लिए यातायात नियमों का पालन अवश्य करना चाहिए। जिला प्रशासन ने ओवरलोडिंग के प्रति शून्य सहिष्णुता की नीति अपनाते हुए कड़ी कार्रवाई की है। कल स्कूल के बच्चों और यात्रियों को ओवरलोड कर ले जा रहे एक टेंपो और एक टुकटुक वाहन के खिलाफ प्राथमिकी दर्ज की गई है। जिला परिवहन पदाधिकारी ने कहा कि ओवरलोडिंग करते पकड़े जाने पर वाहन जब्त किए जा रहे हैं और अब कानूनी कार्रवाई भी सुनिश्चित की जा रही है। सड़क सुरक्षा को लेकर सुबह से शुरू यह अभियान पूरे दिन चला। बिना हेलमेट के दोपहिया चलाने वाले छात्रों, तीन लोगों को एक साथ बैठाकर चलाने वाले चालकों और ऑटो रिक्शा में सामने की सीट पर सवारी बैठाने जैसे उल्लंघनों पर कड़ी कार्रवाई की गई।

कार्यपालक अभियंता का कार्यालय, ग्रामीण कार्य विभाग कार्य प्रमंडल, लातेहार

शुद्धि-पत्र

इस कार्यालय के द्वारा प्रकाशित ई–निविदा संख्या 06/2025-26/EE/RWD/LATEHAR जिसका PR No. – 363746 REO (25-26)D & PR No. 362371 REO (25-26)D का निविदा को अपरिहार्य कारण से रद्द किया जाता है।

कार्यपालक अभियंता, ग्रामीण कार्य विभाग कार्य प्रमंडल, लातेहार।

PR.NO.368398 REO(25-26):D

कार्यालय:- जिला परिषद, लातेहार

पत्रांक:– दिनांक:–

सूचना

अद्योहस्ताक्षरी कार्यालय के पत्रांक 1393 दिनांक 25.11.2025 के द्वारा प्रखण्ड महुआडांड अन्तर्गत पलामू डाक बंगला नेतरहाट के दो मंजिला गेस्ट हाऊस में सोलर रूफ टॉप अधिश्ठापित करने हेतु सूचना प्रकाशित करायी गयी है, जिसका PR No 367457 (Rural Development) 25_26 D है। जिसे अपरिहार्य कारण से रद्द किया जाता है।

उप विकास आयुक्त–सह– मुख्य कार्यपालक पदाधिकारी, जिला परिषद्, लातेहार

PR 368348 Rural Development (25-26)_D

कार्यपालक अभियंता का कार्यालय लघु सिंचाई प्रमण्डल, लोहरदगा

(E -MAIL ID - midloh632@gmail.com)

पत्रांक ...../ लोहरदगा, दिनांक...../

शुद्धि पत्र

इस कार्यालय के पत्रांक 834 लोहरदगा, दिनांक 06.12.2025 निविदा आमंत्रण सूचना सं0 MID/LOHARDAGA/F2-10/2025-26 Date 12.11.2025 जो दैनिक समाचार पत्रों में PR NO. 367961 Lohardaga(25-26)#D द्वारा प्रकाशित है को इस प्रकार पढ़ा जाय।

1.	वेबसाइड में ई–निविदा प्रकाशन की तिथि/समय	दिनांक 17.12.2025 अपराह्न 2.00 बजे तक।
2.	ई–निविदा प्राप्त करने की अंतिम तिथि/समय	दिनांक 24.12.2025 अपराह्न 5.00 बजे तक।
3.	ऑनलाइन ई–निविदा शुल्क एवं EMD जमा करने की अंतिम तिथि/समय	दिनांक 24.12.2025 अपराह्न 5.00 बजे तक।
4.	ई–निविदा खोलने की तिथि/समय	दिनांक 27.12.2025 अपराह्न 5.00 बजे तक।

अन्य शर्त्ते यथावत् रहेगा।

कार्यपालक अभियंता, लघु सिंचाई प्रमण्डल, लोहरदगा।

PR.NO.368386 Lohardaga(25-26):D

कार्यपालक अभियंता का कार्यालय लघु सिंचाई प्रमण्डल, लोहरदगा

(E -MAIL ID - midloh632@gmail.com)

पत्रांक ...../ लोहरदगा, दिनांक...../

शुद्धि पत्र

इस कार्यालय के पत्रांक 833 लोहरदगा, दिनांक 06.12.2025 निविदा आमंत्रण सूचना सं0 MID/LOHARDAGA/F2-09/2025-26 Date 12.11.2025 जो दैनिक समाचार पत्रों में PR NO. 367952 Lohardaga (25-26)_D द्वारा प्रकाशित है को इस प्रकार पढ़ा जाय।

1.	वेबसाइड में ई–निविदा प्रकाशन की तिथि/समय	दिनांक 17.12.2025 अपराह्न 2.00 बजे तक।
2.	ई–निविदा प्राप्त करने की अंतिम तिथि/समय	दिनांक 24.12.2025 अपराह्न 5.00 बजे तक।
3.	ऑनलाइन ई–निविदा शुल्क एवं EMD जमा करने की अंतिम तिथि/समय	दिनांक 24.12.2025 अपराह्न 5.00 बजे तक।
4.	ई–निविदा खोलने की तिथि/समय	दिनांक 27.12.2025 अपराह्न 5.00 बजे तक।

अन्य शर्त्ते यथावत् रहेगा।

PR 368382 Lohardaga(25-26).D

कार्यपालक अभियंता, लघु सिंचाई प्रमण्डल, लोहरदगा

जानबूझकर आप जो भी करते हैं, उसके प्रति सावधान रहें, क्योंकि यदि आपकी इच्छा-शक्ति अत्यंत बलशाली न हुई, तो अवचेतन मन की आदतों को प्रभावित करने की शक्ति के कारण आपको विवशतापूर्वक वही कार्य बारंबार करना पड़ सकता है। **- श्री श्री परमहंस योगदानंद**

संपादकीय

गिरता रुपया व बढ़ती जीडीपी

भारत व भारतीयों ने तब चौंकाया जब सभी अनुमानों से अधिक दूसरी तिमाही में भारत की जीडीपी विकास दर 8.2 प्रतिशत बढ़ी। दूसरी ओर रुपया 90.28 प्रति डॉलर पर पहुंच गया। ये दोनों का एकसाथ होना, राजनीतिक अर्थशास्त्र में मौजूद कमियों तथा कई विरोधाभासों में से एक को दिखाता है। अर्थशास्त्र हमें बताता है कि उच्च विकास दर का मतलब है कि रुपया मजबूत है। आर्थिक सिद्धांत भी बताते हैं कि कम मुद्रास्फीति में मुद्रा मजबूत होती है। अभी भारत में महंगाई दर मात्र 0.25 फीसदी है। रेटिंग एजेंसियों ने भारत की रेटिंग बढ़ाई है, जिससे रुपए की कीमत बढ़नी चाहिए, पर ऐसा नहीं हुआ। पिछले एक साल में रुपया और नीचे ही गया है। वर्ष की शुरुआत में यह 85.80 पर था, और दिसंबर तक यह लगभग पांच फीसदी तक गिर गया। इन 12 महीनों में डॉलर भी ऊपर-नीचे होता रहा। डॉलर के साथ रुपया भी नीचे गया, पर डॉलर के ठीक होने पर भी वह गिरता रहा। हैरानी नहीं है कि रुपया एशिया में सबसे बुरा प्रदर्शन करने वाली मुद्रा बन गई है। पिछले हफ्ते जारी मौद्रिक नीति संबंधी बयान में इसका जिक्र भी नहीं है, मानो रुपए का गिरना आम बात हो गई है। गवर्नर संजय मल्होत्रा ने प्रेस कान्फ्रेंस में कहा कि रिजर्व बैंक उतार-चढ़ाव को रोकने के लिए दखल देगा, पर रुपए के लिए कोई लक्ष्य नहीं है। कहा जा सकता है कि रिजर्व बैंक अकेले ज्यादा कुछ नहीं कर सकता। उसने हाल में दखल दिया है, पर 686 अरब डॉलर के खजाने का इस्तेमाल करने की अपनी सीमाएं हैं। रुपए में गिरावट का कारण कुछ हद तक प्रणालीगत प्रबंधन है और ज्यादातर पैसे का गणित। सरकार को लगने लगा है कि रुपए में गिरावट ट्रंप के टैरिफ के नखरे और रुके हुए व्यापार वार्ता की वजह से है। जहां भारत व्यापार समझौते पर बातचीत कर रहा है, वहीं ट्रंप भू-राजनीतिक समझौते पर बातचीत करते दिख रहे हैं। यह सच है कि ऊंचे टैरिफ और अनिश्चितता ने भावनाओं पर असर डाला है। फिर भी, यह गिरती मुद्रा का बहाना नहीं हो सकता। मेक्सिको को अभी समझौते करने हैं और पेसो मजबूत हो रहा है, युआन की कीमत बढ़ी है, हालांकि अमेरिका-चीन समझौता अभी हुआ नहीं है। रुपए में गिरावट का तात्कालिक कारण असल में आपूर्ति और मांग है। भारत की डॉलर की जरूरतें और डॉलर से होने वाली आय विदेश से आने वाले पैसे और विदेशी प्रत्यक्ष तथा संस्थागत निवेश के प्रवाह से पूरी होती है। भारत सबसे तेजी से बढ़ने वाली बड़ी अर्थव्यवस्था है, जो जीडीपी के मामले में चौथे नंबर पर है। फिर भी, भारत को प्रत्यक्ष विदेशी निवेश लाने में मुश्किल हुई है। भारत अपनी हैसियत से बहुत पीछे है और यूएनसीटीएडी की निवेश सूची में 15वें नंबर पर है। इसे अभी 100 अरब डॉलर का आंकड़ा पार करना है। पैसा सुरक्षा और रिटर्न के पीछे भागता है। भारत 2024-25 में 6.5 प्रतिशत की दर से बढ़ा और इस साल औसत सात फीसदी से ऊपर है। भारत के बड़े उद्योग स्थिर और घाटे में हैं। महंगाई लक्ष्य के दायरे में है। कॉरपोरेट नतीजे अच्छे रहे हैं। इसका खपत आधार एक अरब से अधिक है। भारत के शेयर सूचकांक रिकॉर्ड ऊंचाई पर हैं, लेकिन विदेशी पोर्टफोलियो निवेशकों ने बाजार से लगभग 18 अरब डॉलर निकाल लिए हैं। हैरानी की बात यह भी है कि नीति-निर्माताओं और अर्थशास्त्रियों का एक समूह रुपए की गिरावट का स्वागत करता दिख रहा है।

अर्थशास्त्र हमें बताता है कि उच्च विकास दर का मतलब है कि रुपया मजबूत है। आर्थिक सिद्धांत भी बताते हैं कि कम मुद्रास्फीति में मुद्रा मजबूत होती है। अभी भारत में महंगाई दर मात्र 0.25 फीसदी है।

संरक्षा, दायित्व और जन विश्वास-नए अधिनियम से क्या हासिल होगा

आज की बात

डा. रतन कुमार सिन्हा
पूर्व सचिव, परमाणु ऊर्जा विभाग, एवं पूर्व अध्यक्ष परमाणु ऊर्जा आयोग

जनता का विश्वास हमेशा से भारत के परमाणु कार्यक्रम की आधारशिला रहा है। देश के सतत, समतापूर्ण और ऊर्जा-सुरक्षित विकास के दृष्टिकोण में यह आधार निहित है कि परमाणु ऊर्जा का उपयोग अत्यधिक संरक्षा, निर्विवाद उत्तरदायित्व और पारदर्शी संचार के साथ किया जाए। संरक्षा, दायित्व और जन विश्वास के स्तंभ केवल अमूर्त आदर्श नहीं हैं, ये भारत के परमाणु उद्योग के व्यावहारिक आधार हैं। जैसे-जैसे हम परमाणु ऊर्जा के लिए एक नए विधायी ढांचे पर विचार कर रहे हैं, यह पूछना जरूरी है कि यह नए अधिनियम से क्या हासिल होगा? मेरे विचार से, इसका उत्तर इन्हीं आधारों को मज़बूत करने में निहित है। इस कानून से अपेक्षा है कि यह जनता के विश्वास से समझौता किए बिना संरक्षा और सशक्तिकरण प्रदान करे, सरलीकरण और सुरक्षा प्रदान करे, नवाचार को प्रोत्साहित करे। परमाणु प्रौद्योगिकी में संरक्षा डिज़ाइन का एक अनिवार्य अंग ही नहीं, बल्कि यह इसका मूल दर्शन होना चाहिए। ट्रॉम्बे में भारत के पहले अनुसंधान रिएक्टरों से लेकर स्वदेशी 700 मेगावाट दाबित भारी पानी रिएक्टरों और अगली पीढ़ी के प्रगत रिएक्टरों तक, डिजाइन हमेशा गहन संरक्षा और निश्चेष्ट संरक्षा विशेषताओं द्वारा निर्देशित रही हैं। जब हमने प्रगत भारी पानी रिएक्टर की कल्पना की थी, तो हमारा लक्ष्य न केवल थोरियम के उपयोग को प्रदर्शित करना था, बल्कि यह भी प्रदर्शित करना था कि एक रिएक्टर इसके ऑपरेटर के हस्तक्षेप के बिना भी सुरक्षित रह सकता है – एक ऐसी डिजाइन जो स्वतः सुरक्षित हो। वास्तव में, संरक्षा परमाणु ऊर्जा परिनियोजन का एक अभिन्न अंग है। नए अधिनियम को, निश्चित रूप से, यह गारंटी देनी चाहिए कि संरक्षा-संस्कृति जारी रहे। इसे उच्चतम संरक्षा मानकों के प्रति भारत की अटूट प्रतिबद्धता की पुष्टि करनी चाहिए और नियामक संस्थानों की स्वायत्तता, अधिकार और जवाबदेही को मजबूत करना चाहिए। इसे आवश्यकतानुसार प्रौद्योगिकी उन्नयन और पारदर्शी संरक्षा समीक्षाओं को प्रोत्साहित करना चाहिए। इसे प्रचालन प्रदर्शन पर सूचना के आदान-प्रदान को भी बढ़ावा देना चाहिए। किसी भी उद्योग में विशेषकर परमाणु ऊर्जा के मामले में तो और भी ज्यादा, संरक्षा एक स्थिर लक्ष्य नहीं है। इसे एक ऐसी संस्कृति के रूप में देखा जाना चाहिए जिसका निरंतर पोषण किया जाना चाहिए। खास तौर पर परमाणु पारिस्थितिकी तंत्र के मामले में, इस संस्कृति को एक संस्थागत फ्रेमवर्क के ज़रिए मज़बूत किया जाना चाहिए। नाभिकीय क्षति के लिए असैन्य दायित्व अधिनियम (सीएलएनडी अधिनियम) एक अग्रणी कदम रहा है जिसने तीन महत्वपूर्ण हितों को संतुलित किया है। जनता की संरक्षा, आपूर्तिकर्ताओं को आश्वासन और ऑपरेटरों का विश्वास। इसने दोष-रहित दायित्व सिद्धांत को प्रतिपादित किया और यह सुनिश्चित किया कि ऑपरेटर की ज़िम्मेदारी स्पष्ट और निर्देशित रहे। ऊर्जा परिदृश्य और औद्योगिक पारिस्थितिकी तंत्र के विकास ने संबंधित संस्थाओं की देनदारियों पर अधिक स्पष्टता को आवश्यक बना दिया है। इस तरह के संशोधन किसी भी परिपक्व क्षेत्र की स्वाभाविक प्रगति का हिस्सा हैं, जो यह सुनिश्चित करते हैं कि शासन का फ्रेमवर्क वैज्ञानिक प्रगति और सामाजिक अपेक्षाओं के साथ तालमेल बनाए रखे। नए अधिनियम को यह सुनिश्चित करना चाहिए कि शासन का फ्रेमवर्क निष्पक्ष, स्पष्ट हो और संदेह रहित बना रहे, साथ ही जवाबदेही की एक सुपरिभाषित श्रृंखला भी बनाए रखे। इसे यह भी सुनिश्चित करना चाहिए कि दायित्व का मूल्यांकन करने की व्यवस्था देश में परमाणु तैनाती की सीमा और पैमाने के अनुरूप हो। एक आधुनिक दायित्व व्यवस्था को इस बात की पुष्टि करनी चाहिए कि संरक्षा और ज़िम्मेदारी विकास के साथ-साथ चलती हैं।

दुनिया भर में परमाणु उद्योग के उत्कृष्ट संरक्षा रिकॉर्ड के बावजूद, परमाणु ऊर्जा के प्रति जनता का दृष्टिकोण अक्सर वैज्ञानिक तथ्यों की तुलना में धारणाओं से अधिक प्रभावित होता रहा है। कुछ साल पहले मैंने जिस पुस्तक का सह-लेखन किया था, "द अनरीज़न्ड फियर ऑफ़ रेडिएशन", ऐसी ही भ्रांतियों को दूर करने का एक प्रयास था। यह पुस्तक बताती है कि नियंत्रित और सुव्यवस्थित वातावरण में विकिरण, किसी भी अन्य तकनीक जितना ही सुरक्षित है जिसका उपयोग हम अपने दैनिक जीवन में नियमित रूप से आत्मविश्वास से करते हैं। जनता का विश्वास केवल पारदर्शिता और जनता के साथ संवाद के माध्यम से ही अर्जित किया जा सकता है। उदाहरण के लिए, जब नागरिक देखते हैं कि परमाणु विज्ञान रेडियोथेरेपी के माध्यम से जीवन बचा रहा है, उत्परिवर्तन प्रजनन के माध्यम से फसलों को बढ़ा रहा है या विकिरण शुद्धिकरण के माध्यम से सुरक्षित जल उपलब्ध करा रहा है, तो वे परमाणु ऊर्जा के मानवीय पहलू से जुड़ने लगते हैं। परमाणु ऊर्जा विभाग में अपने कार्यकाल के दौरान, हमने नई आउटरीच रणनीतियों की शुरुआत करके इस दिशा में कई प्रयास किए, जिसके परिणामस्वरूप 2015 की गणतंत्र दिवस परेड में परमाणु ऊर्जा विभाग की झांकी प्रदर्शित की गई और प्रसारण व सोशल मीडिया पर उपस्थिति दर्ज कराई गई। ये कदम दिखावटी नहीं थे; इनका उद्देश्य विज्ञान और समाज के बीच की दीवार को हटाना था। यदि नया अधिनियम नागरिकों के साथ खुले संवाद को बढ़ावा दे पाता है, तो यह समाज के साथ विज्ञान के सामाजिक संबंधों को पुनर्परिभाषित करेगा। ऐसा करके, यह हमारे चिरस्थायी आदर्श वाक्यः राष्ट्र की सेवा में परमाणु, की भावना को साकार करेगा। नए अधिनियम से यह सुनिश्चित किया जाना चाहिए कि इस प्रकार के संदेश सार्वजनिक प्रकटीकरण को अनिवार्य बनाएं, शैक्षिक जागरूकता को प्रोत्साहित करें तथा नागरिकों के साथ संवाद को संस्थागत कार्य प्रणाली का अभिन्न अंग बनाएं। यदि 1962 के प्रथम परमाणु ऊर्जा अधिनियम ने क्षमता निर्माण के मूल मुद्दों पर ध्यान केंद्रित किया था, तो नए अधिनियम का उद्देश्य आत्मविश्वास बढ़ाना और परमाणु प्रौद्योगिकी की बड़े पैमाने पर तैनाती करना होना चाहिए। इसमें उस राष्ट्र की परिपक्वता प्रतिबिंबित होनी चाहिए जिसने जटिल तकनीकों में महारत हासिल की है और जिम्मेदार आचरण के माध्यम से वैश्विक सम्मान अर्जित किया है। नए अधिनियम को विज्ञान और समाज के बीच पारस्परिक आश्वासन की यह गारंटी देनी चाहिए किः संरक्षा को सर्वोच्च प्राथमिकता दी जाएगी, दायित्व (देनदारियां) हमेशा न्यायसंगत और पारदर्शी रहेगा, और जनता का विश्वास हर निर्णय के केंद्र में रहेगा। जब ये गारंटियां न केवल कानून में, बल्कि संस्थागत व्यवहार में भी निहित होंगी, तो भारत का परमाणु भविष्य सुदृढ़ आधार पर खड़ा होगा। भारत के परमाणु कार्यक्रम के लिए यह एक परिवर्तन का दौर है। बड़े विद्युत संयंत्रों के अलावा, छोटे मॉड्यूलर रिएक्टर और प्रगत थोरियम प्रणालियाँ परमाणु ऊर्जा की पहुँच का विस्तार करेंगी। इसलिए नए अधिनियम को एक ऐसे फ्रेमवर्क की गारंटी देनी चाहिए जो प्रौद्योगिकियों के तेज़ उपयोग को सुगम बनाए और साथ ही स्वदेशी अनुसंधान एवं विकास तथा विनिर्माण को प्रोत्साहित करे। इसमें नियामकों, प्रचालकों और उद्योग के बीच निर्बाध समन्वय और भविष्य के नवाचारों को शामिल करने के लिए लचीलापन सुनिश्चित करना चाहिए। संक्षेप में, नए अधिनियम को परमाणु पुनर्जागरण के लिए एक अनुकूल पृष्ठभूमि तैयार करनी चाहिए जो भारत में जलवायु लक्ष्यों और विकसित भारत @2047 बनने की राह में स्वच्छ-ऊर्जा के क्षेत्र में भारत को विश्व का अग्रणी देश बनने की आकांक्षाओं के अनुरूप हो।

न्यूरोविज्ञान से अपराधविज्ञान तक : यौन अपराधों की वैज्ञानिक पड़ताल

यौन हिंसा केवल सामाजिक अव्यवस्था या नैतिक पतन का परिणाम नहीं, बल्कि इसमें जटिल वैज्ञानिक, मनोवैज्ञानिक, न्यूरोलॉजिकल और सामाजिक-आर्थिक कारण गहरे जुड़े हैं। विश्व स्वास्थ्य संगठन (2024) के अनुसार, लगभग 30 प्रतिशत महिलाएं अपने जीवनकाल में किसी न किसी रूप में यौन हिंसा का शिकार होती हैं। संयुक्त राष्ट्र महिला संगठन की रिपोर्ट में हर वर्ष विश्व में करीब 1.2 करोड़ लड़कियां यौन शोषण झेलती हैं। भारत में राष्ट्रीय अपराध अभिलेख ब्यूरो (एनसीआरबी, 2023) के अनुसार प्रतिवर्ष लगभग 32-35 हजार बलात्कार के मामले दर्ज होते हैं, जबकि विशेषज्ञों का मानना है कि वास्तविक संख्या इससे कई गुना अधिक है क्योंकि ज्यादातर पीड़ित शिकायत दर्ज नहीं करातीं। न्यूरोविज्ञान के अध्ययन बताते हैं कि यौन अपराध केवल यौन इच्छा का परिणाम नहीं हैं, बल्कि मस्तिष्क के आवेग-नियंत्रण, सहानुभूति और नैतिक निर्णय से जुड़े हिस्सों की विकृति इसका कारण हो सकती है। प्री-फ्रंटल कॉर्टेक्स की खराब कार्यक्षमता सोच और नियंत्रण को कमजोर करती है, जबकि अमिग्डाला की अत्यधिक सक्रियता आक्रामकता बढ़ाती है। अनेक अपराधियों में टेस्टोस्टेरोन हार्मोन के असामान्य स्तर पाए गए हैं, जो हिंसक यौन प्रवृत्तियों को बढ़ावा देते हैं। बचपन के आघात और पारिवारिक हिंसा मस्तिष्क के पुरस्कार तंत्र को भी विकृत कर, आवेग नियंत्रण को कमजोर करती हैं। डिजिटल युग में अश्लील सामग्री की बढ़ती उपलब्धता अपराध के स्वरूप को बदल रही है। कैम्ब्रिज विवि (2024) के अध्ययन के अनुसार अत्यधिक अश्लीलता देखने से डोपामीन स्तर असंतुलित हो जाता है, जिससे तीव्र उत्तेजनाओं की तलाश बढ़ती है। भारत में स्मार्टफोन की पहुँच ने किशोरों को इस मानसिक जोखिम में और अधिक संवेदनशील बना दिया है। अपराधविज्ञान के अनुसार यौन अपराध जैविक कारणों के साथ-साथ सामाजिक संरचना, पितृसत्तात्मक सोच, लैंगिक असमानता और शक्ति प्रदर्शन से भी जुड़े हैं। इन अपराधों का उद्देश्य यौन संतुष्टि से अधिक प्रभुत्व स्थापित करना होता है। विश्व स्वास्थ्य संगठन बताता है कि 40-55 प्रतिशत यौन अपराधी नशे की हालत में रहते हैं। शराब और नशीली दवाएं मस्तिष्क की निर्णय क्षमता को प्रभावित कर आवेग नियंत्रण कम कर देती हैं। इसके साथ-साथ बढ़ता आर्थिक तनाव और सामाजिक दबाव भी आक्रामकता को बढ़ावा देते हैं। न्याय व्यवस्था की कमजोरियां भी यौन अपराधों को प्रोत्साहित करती हैं।

आपकी बात

प्रो. मनमोहन प्रकाश

(ये लेखक के निजी विचार हैं।)

कुत्तों के समाज में पनप रहा है असंतोष का वातावरण

अलग बात

राजीव थेपड़ा

इस संसार में जब से कुत्ते नाम के जानवर पाए गए हैं और जब से मनुष्य ने कुत्ते पालना लगभग 15,000 से 30,000 साल पहले (पुरापाषाण काल) शुरू किया था, जब उन्होंने भेड़ियों को शिकार और सुरक्षा जैसे कामों के लिए पालतू बनाना शुरू किया, और यह पहला जानवर था जिसे इंसान ने पालतू बनाया, जिससे शिकार में मदद मिली और शुरुआती इंसानों का भेड़ियों के साथ गहरा रिश्ता बना। कुत्ता वह पहला जानवर है जिसे मनुष्य ने पालतू बनाया, जो खेती से पहले का समय था। आरम्भ में, कुत्तों को शिकार में मदद करने और जंगली जानवरों से रक्षा करने के लिए सहभोजी (symbiotic) के रूप में पाला जाता था, न कि सिर्फ रखवाली के लिए। जर्मनी में 14,000 साल पुराना जीवाश्म मिला, जिसमें एक इंसान को कुत्ते के साथ दफनाया गया था,जो इस प्राचीन रिश्ते का प्रमाण है। मनुष्य के शिविरों के करीब आने वाले कम डरने वाले भेड़ियों से धीरे-धीरे ये कुत्ते विकसित हुए। तब से लेकर अब तक उन्हें मनुष्यों के प्रति सदैव वफादार ही माना जाता रहा है । जिसे उन्होंने समय-समय पर साबित भी किया है। यद्यपि इसके उल्टे भी कुछ एक उदाहरण मिलते हैं। जबकि कुत्तों ने अपने ही स्वामी को काट लिया हो। लेकिन 99.9% अवसरों पर कुत्तों को मनुष्य के प्रति वफादार ही माना जाता है और सभी इसे बहुत प्यार करते हैं और यदि अपने गृह में पर्याप्त जगह हो, तो लोग कुत्ता पालना चाहते भी हैं। पृथ्वी पर कुत्ता ही एक ऐसा जानवर है, जिसके रूप रंग में व्यापक भिन्नता पाई जाती और यह सब कुत्तों के डीएनए में मनुष्य जाति की अपेक्षा लगभग दुगुनी क्रोमोसोम होने की वजह से होता है। यह कुत्तों का डीएनए ही है, जो उनके शारीरिक गठन और रूप रंग की अत्यधिक विस्तृत भिन्नता प्रदान करता है। कुत्तों की बहुत सारी श्रेणियां है, लगभग 500 से ज्यादा प्रकार के कुत्ते विश्व भर में पाए जाते हैं। जिसमें भेड़िया, व्याघ्र साथी कुत्ते, रक्षक कुत्ते, शिकारी कुत्ते, चरवाहे कुत्ते और हिम गाड़ी कुत्ते और इसके अलावा कुछ अन्य प्रकार की भी श्रेणियां हैं, जिनके बारे में लेखक को अभी तक कुछ पता नहीं है। लेकिन एक श्रेणी का अभी हाल ही में पता चला है, जब संसद की एक माननीया सांसद ने संसद में बैठने वाले कुत्तों का जिक्र किया। विश्वास कीजिए कि इससे पहले हमें संसद में बैठने वाले कुत्तों के बारे में तनिक भी नहीं पता था और अब पता चला है, तो हम सभी लोग उनके बारे में तरह-तरह से विचार कर रहे हैं। क्योंकि अब तक तो कुत्तों को वफादार ही माना जाता था। लेकिन संसद में बैठे कुत्तों की प्रजाति के बारे में उन्होंने जो भी कुछ कहा है, उससे न केवल कुत्तों की इस प्रजाति के बारे में बहुत सारे नए संशय पैदा हो गए या उनके बारे में बहुत सारी पुरानी पारंपरिक बातें विदा हो गई हैं । क्योंकि कुत्ता जानवर के तौर पर एक वफादार प्राणी है, लेकिन संसद में बैठे हुए लोगों के बारे में ये बातें बिल्कुल भी विश्वास पूर्वक नहीं कहीं जा सकती! क्योंकि उनमें वफादारी के कोई लक्षण नहीं मिलते। बल्कि बार-बार अपने स्वामी को काट लेने के लक्षण ही इसमें पाए जाते हैं। जिस प्रकार 99.9% अवसरों पर कुत्ता वफादार पाया जाता है। इस प्रकार इसका ठीक उल्टा 99.9% अवसरों पर संसद में बैठे लोगों में वफादारी बिल्कुल शून्य होती है। इसे किसी भी सांसद अथवा संसद का अपमान ना समझा जाए । क्योंकि इस प्रजाति को एक सांसद महोदया ने ही जन्म दिया है। और जन्म देने वाले किसी भी माता का सम्मान किया जाना चाहिए इसलिए उनसे कुत्तों का समाज सम्मान पूर्वक यह पूछना चाहता है कि उन्हें इस पर प्रकाश भी डालना चाहिए कि इस तरह के कुत्ते क्या कहते हैं? क्या खाते हैं? क्या करते हैं? उनकी दिनचर्या क्या है? वह लोगों से किस प्रकार हिल मिलकर रहते हैं? या कि "कुछ और ही करते हैं"! वास्तविक कुत्ते सहलाए जाने पर दुम हिलाते हैं और भोजन दिए जाने पर वह आपके वफादार हो जाते हैं और वफादारी भी ऐसी कि फिर कोई आपकी ओर आंख भी उठाए,ऐसी किसी की मजाल ही नहीं और जो ऐसी धृष्टता कर बैठे, उसको यह छोड़ने वाले नहीं!! किंतु जिन कुत्तों के बारे में सांसद महोदया कह रही हैं, उनके बारे में यह बिल्कुल भी लागू नहीं होता! क्योंकि यह प्रजाति जिस खाली थाली में खाती हैं, उसी में छेद भी करती हैं! यहां तक कि ये अपने को भोजन खिलाने वाले को भी काट खाते हैं!

(ये लेखक के निजी विचार हैं।)

फेसबुक वॉल से

एक्स से

आज का दोहा

तिलक, छाप, घंटा, दिया, ये सब भी हैं खूब।
काम मगर आती रही पूजा में भी दूब।।
सोमदत्त शर्मा, गाजियाबाद (उ.प्र.)

रचना भेजिए

समाचारों के संबंध में शिकायत या इस पेज के लिए आर्टिकल कृप्या भेजें artical.rnmail@gmail.com
कॉल/व्हाट्सएप 8292553444

संपादक

सोशल मीडिया का बढ़ता वर्चस्व और खोता हुआ बचपन

देश की बात

ललित गर्ग

पिछले एक दशक में जिस सोशल मीडिया को आधुनिकता की उपलब्धि, अभिव्यक्ति की आजादी और वैश्विक संपर्क का सबसे बड़ा माध्यम माना गया था, उसी सोशल मीडिया ने अब अपने छिपे डरावने एवं वीभत्स चेहरे दिखाने शुरू कर दिए हैं। पश्चिमी देश, जो कल तक इसके गुणगान करते नहीं थकते थे, अब उसके दुष्परिणामों से भयभीत होने लगे हैं। यह भय यूं ही नहीं है-अनेक देशों में बच्चों की आत्महत्याओं, हिंसक व्यवहार, मानसिक विकारों, नशे जैसे डिजिटल व्यसनों और सामाजिक विकृतियों के बढ़ते आंकड़ों ने सोशल मीडिया की वास्तविकता का पर्दाफाश किया है। इसी पृष्ठभूमि में आस्ट्रेलिया की सरकार ने एक ऐतिहासिक कदम उठाकर विश्व-समुदाय को चेताया भी है और झकझोर भी दिया है। उन्होंने सोशल मीडिया कंपनियों से वह अधिकार वापस ले लिए हैं, जिनके दुरुपयोग ने बच्चों के जीवन और अभिभावकों की मानसिक शांति को संकट में डाल दिया था। ऑस्ट्रेलियाई प्रधानमंत्री ने स्पष्ट शब्दों में कहा कि यह सुधार बच्चों को 'बचपन जीने का अधिकार' लौटाने के लिए है-उन जिंदगियों को नया मोड़ देने के लिए है जो सोशल मीडिया ने समय से पहले वयस्कता, अस्वस्थता, तनाव और विकृतियों में धकेल दी थीं। इतना ही नहीं, 16 वर्ष से कम उम्र के बच्चों के अकाउंट नहीं हटाने पर लगभग पाँच करोड़ ऑस्ट्रेलियाई डॉलर तक का जुर्माना लगाने का प्रावधान देश का रुख साफ करता है कि अब बच्चों के भविष्य से खिलवाड़ बर्दाश्त नहीं किया जाएगा। इस पहल के बाद पश्चिमी जगत में सुगबुगाहट बढ़ी है। ब्रिटेन से लेकर अमेरिका तक सवाल उठ रहे हैं कि यदि ऑस्ट्रेलिया यह साहस दिखा सकता है तो वे क्यों नहीं? यह सुगबुगाहट केवल सरकारों में ही नहीं है-उन अभिभावकों में भी है जिन्होंने सोशल मीडिया को अपने बच्चों की आत्महत्या, अवसाद और चरित्र-भंग का मूल कारण मानना शुरू कर दिया है। वास्तव में, इस संकट की शुरुआत तब हुई जब सोशल मीडिया के प्लेटफॉर्मों ने बच्चों को आकर्षित करने के लिए ऐसे एल्गोरिद्म बनाए, जो उनका अधिकतम समय खाएं, उनकी जिज्ञासाओं को उकसाएं और उनके भीतर छिपी संवेदनशीलता का दोहन करके उन्हें सोशल मीडिया निर्भरता की स्थिति तक ले जाएं। इन प्लेटफॉर्मों पर वयस्क सामग्री, द्विअर्थी वीडियोज, हिंसक गेम्स, 'लाइक-फॉलोअर' जैसे डिजिटल भ्रमों का ऐसा सैलाब है जिसने बच्चों की मनोवैज्ञानिक संरचना को गहरी चोट पहुंचाई है। नतीजा यह है कि आज बच्चे समय से पहले वयस्क हो रहे हैं-शरीर से नहीं, मानसिकता से। भारतीय परिवार-व्यवस्था, संस्कार और मूल्य-व्यवस्था इस संकट की चपेट में और तेजी से आए हैं। पहले जहां बच्चे माता-पिता, शिक्षक और संस्कारों से सीखते थे, आज वे 'रील्स' और 'शॉर्ट वीडियोज' एवं अश्लील सामग्री से सीख रहे हैं। जो सामग्री उनके सामने आ रही है, वह न भारतीय चरित्र से मेल खाती है न जीवन-मूल्यों से। निहित स्वार्थी तत्वों द्वारा तैयार ये सामग्री बच्चों के मन में गलत आदर्श, गलत नायक और गलत आकांक्षाएं भर रही है। सवाल यह है कि क्या बच्चे स्वयं सोशल मीडिया का दुरुपयोग कर रहे हैं, या सोशल मीडिया उन्हें एक सुनियोजित तरीके से अपनी गिरफ्त में ले रहा है? सच्चाई का उत्तर दूसरा है। इन प्लेटफॉर्मों पर अमर्यादित सामग्री की भरमार है-जिसे देखकर किशोरों में अपराधी प्रवृत्तियों की ओर उन्मुखता बढ़ रही है। ब्रह्मचर्य, संयम, अनुशासन और चरित्र जैसे भारतीय मूल्य हाशिये पर जा रहे हैं। इसके साथ-साथ एक गंभीर स्वास्थ्य-संकट जन्म ले रहा है। घंटों मोबाइल पकड़े बैठने से बच्चे शारीरिक सक्रियता से दूर हो रहे हैं। मोटापा, नींद की कमी, सिरदर्द, रीढ़ संबंधी विकार और यहां तक कि किशोरावस्था में मधुमेह जैसे रोगों के मामले बढ़ रहे हैं। मानसिक रूप से स्थिति और भी भयावह है। लगातार स्क्रॉल करने की आदत बच्चों की एकाग्रता को चकनाचूर कर रही है। शिक्षा पर इसका सीधा दुष्प्रभाव दिखाई दे रहा है। जो बच्चे घंटों कल्पना-लोक में विचरण करते हैं, वे वास्तविकताओं से जूझते समय टूटने-बिखरने लगते हैं। उनकी सहनशक्ति कम हो रही है, आत्मविश्वास टूट रहा है, और असफलताओं के प्रति संवेदनशीलता बढ़ रही है-जो कई बार आत्महत्या जैसी भयावह प्रवृत्तियों को जन्म देती है। भारत भी इस संकट से अछूता नहीं है। ऑनलाइन बुलिंग, ऑनलाइन ठगी, व्यभिचार से जुड़ी सामग्री, गुमराह करने वाले 'इन्फ्लुएंसर', फर्जी पहचान, ऑनलाइन हिंसा और डिजिटल व्यसन के मामले तेजी से बढ़ रहे हैं। कई बार बच्चे अपराधों में नहीं, बल्कि अपराधों के शिकार के रूप में फंसते हैं-लेकिन उन्हें बचाने वाला कोई नहीं दिखता। सोशल मीडिया कंपनियों का रवैया लापरवाह रहा है, क्योंकि उनका लक्ष्य बच्चों की सुरक्षा नहीं, बच्चों का उपयोग करके मुनाफा कमाना है। ऐसे में सवाल उठता है कि क्या भारत में भी ऑस्ट्रेलिया जैसे कठोर कदम उठाए जाने चाहिए? **(ये लेखक के निजी विचार हैं।)**

स्वामी, परिजात माइनिंग इण्डस्ट्रीज (इण्डिया) प्रा. लि. के लिए प्रकाशक एंव मुद्रक हर्षवर्द्धन बजाज द्वारा इसके पब्लिकेशन डिवीजन, रेड़मा मेदिनीनगर (डालटनगंज), से प्रकाशित एवं एस एच प्रिंटर्स प्राइवेट लिमिटेड (पूर्व में शिवासाई पब्लिकेशन प्राइवेट लिमिटेड), नियर टेंडर बागीचा पेट्रोल पम्प, रातू, रांची-835222, झारखंड द्वारा मुद्रित. रजिस्ट्रेशन नं. RNI.61316/94 पोस्टल रजिस्ट्रेशन नं.-13 । प्रधान संपादक : सुरेश बजाज, संपादक : हर्षवर्द्धन बजाज, कार्यकारी संपादक : सुनील सिंह 'बादल', स्थानीय संपादक : राणा अरुण सिंह*, प्रेस कार्यालय : रांची रोड, रेड़मा, मेदिनीनगर, (डालटनगंज) पलामू-822102, फोन नम्बर : 06562-796018, रांची कार्यालय : 502बी, पांचवी मंजिल मंगलमूर्ति हाईट्स, रानी बगान, हरमू रोड, रांची-834001, फोन नं.- 0651-3553943, लोहरदगा कार्यालय : सरस्वती निवास, तेली धर्मशाला के सामने, कृषि मार्केट, लोहरदगा। - फोन : 7903891779, ई-मेल : news.rnmail@gmail.com, article.rnmail@gmail.com (*पीआरबी अधिनियम के तहत खबरों के चयन के लिए जिम्मेवार।)

मोदी ने दिया एनडीए सांसदों को मंत्र

नई दिल्ली। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने शुक्रवार को उत्तर प्रदेश के राष्ट्रीय लोकतांत्रिक गठबंधन (एनडीए) के सांसदों से मुलाकात की और उन्हें जनता तक पहुंचने के लिए सोशल मीडिया का उपयोग करने की सलाह दी। यह मुलाकात संसद के शीतकालीन सत्र के मद्देनजर हुई। अपनी मुलाकात में प्रधानमंत्री ने कहा कि विधायकों को जनता से अधिक प्रभावी ढंग से संवाद करना चाहिए और उन्हें सांसदों द्वारा किए जा रहे विकास कार्यों के बारे में जागरूक करना चाहिए। पीएम मोदी ने एनडीए सांसदों से कहा कि आप लोग सिर्फ अपना काम करने पर ध्यान दें। उन्होंने कांग्रेस पर भी कटाक्ष किया और कहा कि यह पुरानी पार्टी सिर्फ झूठे वादे करती है और चुनाव नजदीक आने पर काम करने का दिखावा करती है। इसके विपरीत, एनडीए जनता के लिए चौबीसों घंटे काम करता है। उन्होंने कहा कि हम लगातार काम करते हैं, लेकिन हमारी योजनाओं और उपलब्धियों का जनता के बीच पर्याप्त प्रचार नहीं होता। उत्तर प्रदेश में 2027 में विधानसभा चुनाव होने हैं और यहाँ से लोकसभा में 80 सांसद जाते हैं।

जनगणना पर मोदी सरकार का बड़ा कदम

11718 करोड़ का बजट मंजूर, दो चरणों में क्रियान्वयन अप्रैल 2026 से शुरू होगा

- **जनगणना दो चरणों में—घर सूचीकरण (अप्रैल–सितंबर 2026) और जनसंख्या गणना (फरवरी 2027)**
- **मोबाइल ऐप और वेब पोर्टल के माध्यम से डेटा संग्रह; स्वयं-गणना की सुविधा भी उपलब्ध**

एजेंसी। नई दिल्ली

एक ऐतिहासिक फैसले में केंद्रीय मंत्रिमंडल ने जनगणना 2027 के लिए 11,718 करोड़ रुपये के भारी भरकम आवंटन को मंजूरी दे दी है, जो भारत की मूलभूत डेटा-संग्रह प्रक्रिया को आधुनिक बनाने के प्रति सरकार की प्रतिबद्धता को रेखांकित करता है। यह महत्वपूर्ण निवेश देश की पहली पूर्णतः डिजिटल जनगणना को शक्ति प्रदान करेगा, जिससे सदियों पुरानी कागजी प्रक्रिया को सुगम मोबाइल और वेब-आधारित प्रक्रियाओं में परिवर्तित किया जा सकेगा। केंद्रीय मंत्री अश्विनी वैष्णव ने इस मंजूरी की घोषणा करते हुए बताया कि कैसे यह देश को तीव्र शहरीकरण और तकनीकी बदलावों के बीच सटीक जनसांख्यिकीय जानकारी प्राप्त करने में सक्षम बनाएगा। यह निधि ऐप विकास से लेकर राष्ट्रव्यापी डिजिटल बुनियादी ढांचे तक सब कुछ कवर करती है, जिससे यह सुनिश्चित होता है कि भारत का कोई भी कोना पीछे न छूटे।

अश्विनी वैष्णव ने आगे बताया कि जनगणना 2027 दो चरणों में आयोजित की जाएगी - अप्रैल और सितंबर 2026 के बीच घरों की सूची तैयार करना और फरवरी 2027 में जनसंख्या की गणना करना। केंद्रीय गृह राज्य मंत्री नित्यानंद राय ने लोकसभा में खुलासा किया कि जनगणना 2027 में पारंपरिक तरीकों को छोड़कर अत्याधुनिक डिजिटल उपकरणों का उपयोग किया जाएगा। जनगणना कर्मी जमीनी स्तर पर डेटा एकत्र करने के लिए मोबाइल एप्लिकेशन का उपयोग करेंगे, जबकि उत्तरदाता एक उपयोगकर्ता-अनुकूल वेब पोर्टल के माध्यम से स्वयं गणना करने में सक्षम होंगे। एक केंद्रीय समर्पित पोर्टल संपूर्ण प्रक्रिया की निगरानी करेगा, जिससे वास्तविक समय में निगरानी और गुणवत्ता जांच संभव हो सकेगी। राय ने इस बात पर जोर दिया कि यह हाइब्रिड दृष्टिकोण—क्षेत्रीय दौरों और ऑनलाइन विकल्पों का मिश्रण—प्रक्रिया को समावेशी, कुशल और पिछली जनगणनाओं में व्याप्त त्रुटियों की संभावना को कम करता है। भारत के विशाल भूगोल को ध्यान में रखते हुए जनगणना दो सुनियोजित चरणों में की जा रही है। पहला चरण, मकानों की सूची और आवास जनगणना, अप्रैल से सितंबर 2026 के बीच शुरू होगा और लचीलेपन के लिए प्रत्येक राज्य में मात्र 30 दिनों में पूरा हो जाएगा।

आचार्य प्रमोद कृष्णम की पीएम मोदी से मुलाकात, मंदिर निर्माण की प्रगति रिपोर्ट सौंपी

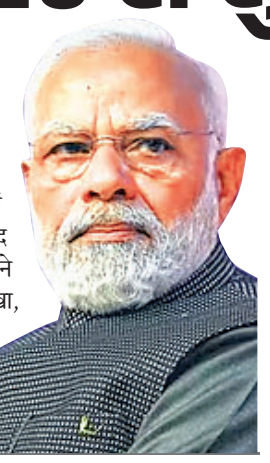

नई दिल्ली। कल्कि पीठ के पीठाधीश्वर आचार्य प्रमोद कृष्णम ने शुक्रवार को प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी से मुलाकात की। उन्होंने संसद के पीएम कक्ष में प्रधानमंत्री मोदी से मुलाकात की। इस मुलाकात की तस्वीरें भी आचार्य प्रमोद कृष्णम ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म पर शेयर की। आचार्य प्रमोद कृष्णम ने पीएम मोदी से मुलाकात के बाद सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर लिखा, ''भारतीय संसद के पीएम कक्ष में आज भारत के प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी को श्री कल्कि धाम के निर्माण की प्रगति रिपोर्ट और विश्व की प्रथम 'कल्कि कथा' के प्रसाद एवं श्री कल्कि धाम का अंग-वस्त्रम भेंट करने का सौभाग्य प्राप्त हुआ।''

न्यूज बॉक्स

इंडिगो को मिला 58.75 करोड़ रु का टैक्स नोटिस

नई दिल्ली। बड़ी संख्या में उड़ान रद्द होने के कारण सरकारी जांच का सामना कर रही बजट एयरलाइन इंडिगो को 58.75 करोड़ रुपए का टैक्स नोटिस मिला है। यह जानकारी एयरलाइन की ओर से शुक्रवार को दी गई। एयरलाइन ने एक्सचेंज फाइलिंग में कहा है कि यह नोटिस वित्त वर्ष 2020-21 के लिए दिल्ली दक्षिण के सीजीएसटी के अतिरिक्त आयुक्त की ओर से दिया गया है। फाइलिंग में इंडिगो की प्रवर्तक कंपनी इंटरग्लोब एविएशन लिमिटेड ने कहा कि उसे गुरुवार (11 दिसंबर) को टैक्स पेनल्टी ऑर्डर प्राप्त हुआ, जिसमें जीएसटी की मांग के साथ-साथ जुर्माना भी शामिल है। एयरलाइन यह टैक्स नोटिस ऐसे समय पर मिला है, जब इंडिगो इस महीने की शुरुआत में बड़ी संख्या में उड़ानों के रद्द होने के कारण मुश्किलों का सामना कर रही है। इससे पहले नागर विमानन महानिदेशालय (डीजीसीए) ने इंडिगो पर बड़ा एक्शन लिया है और उन चार फ्लाइट निरीक्षकों को निकाल दिया है, जो कि इंडिगो की सुरक्षा और ऑपरेशनल मानकों के लिए जिम्मेदार थे। इसके अलावा विमानन नियामक ने इंडिगो के सीईओ पीटर एल्बर्स को समन भेजा है और उन्हें शुक्रवार को अधिकारियों के समक्ष फिर से पेश होने के लिए कहा गया है।

शिवलिंग के जलपात्र में डाल दी नॉनवेज ग्रेवी, पुलिस ने ऐसे उतारा नशेड़ी का नशा

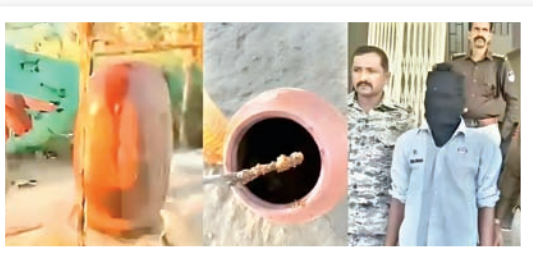

बालाघाट। मध्य प्रदेश में शिवमंदिर की पवित्रता को भंग करने का मामला सामने आया है। मंदिर में शिवलिंग पर मटन की ग्रेवी डालने व जलपात्र में ग्रेवी व नानवेज के टुकड़े डाल दिए गए। पूजा करने पहुंचे लोगों ने जब सुबह यह सब देखा तो होश उड़ गए। मामले की जानकारी मिलते ही पुलिस हकरत में आई और महज छह घंटे में ही आरोपी को दबोच लिया गया। जानकारी अनुसार शिवलिंग के जलपात्र में नॉनवेज ग्रेवी डालने की सनसनीखेज वारदात में पुलिस ने शुक्रवार को एक आरोपी को गिरफ्तार कर लिया। घटना के महज छह घंटे के भीतर ही आरोपी योगेश नागवंशी (40), निवासी स्नेह नगर, को पुलिस ने दबोच लिया। पूछताछ में आरोपी ने अपना अपराध स्वीकार कर लिया है। पुलिस के अनुसार योगेश नागवंशी बीती रात अत्यधिक शराब के नशे में था। उसने बताया कि वह एक जन्मदिन पार्टी से बची हुई नॉनवेज ग्रेवी अपने साथ ले आया था। श्मशान घाट के पास शराब पीने के बाद उसने नशे की हालत में यह ग्रेवी शिवलिंग के जलपात्र में डाल दी, जो छलककर शिवलिंग पर भी गिर गई। पुलिस ने बताया कि आरोपी की हरकत पूरी तरह नशे की हालत में की गई थी।

फर्स्ट एसी में चूहे का आतंक: राजेंद्रनगर-बांका इंटरसिटी में पूर्व एसएलए को काटा

भागलपुर। बिहार के पीरपैंती के पूर्व विधायक ललन कुमार के लिए राजेंद्रनगर-बांका इंटरसिटी एक्सप्रेस का सफर एक अप्रिय अनुभव बन गया। दरअसल ललन कुमार जब फर्स्ट एसी कोच में यात्रा कर रहे थे, तो उन्हें एक चूहे ने काट लिया। पूर्व विधायक कुमार अपने साथियों के साथ गुरुवार देर रात पटना से भागलपुर जा रहे थे। उन्हें एच-1 फर्स्ट एसी केबिन में बर्थ संख्या पांच और छह आवंटित थीं। रात 12:20 बजे के आसपास जब यात्री सो रहे थे, तभी ललन कुमार को अचानक अपने हाथ पर किसी चीज के काटने का एहसास हुआ। लाइट जलाने पर उन्होंने देखा कि एक बड़ा चूहा ऊपर की बर्थ पर चढ़कर भाग रहा था। पूर्व विधायक की ओर से घंटी बजाने पर अटेंडेंट मौके पर पहुंचा। काफी मशक्कत के बाद चूहा बिस्तर के नीचे छिपा हुआ पाया गया। रेलवे स्टाफ ने वाइपर सिस्टम के एल्युमिनियम चैनल को खोलकर उसे बाहर निकालने की कोशिश की, जिससे यात्रियों को अपना सारा सामान और बिस्तर हटाना पड़ा, और उनकी परेशानी बढ़ गई। ललन कुमार ने कोच की सफाई व्यवस्था की कड़ी आलोचना की। उन्होंने कहा कि सफाई के लिए अनुबंधित प्राइवेट एजेंसी केवल ऊपरी तौर पर सफाई कर रही है, और यह लापरवाही यात्रियों के लिए खतरनाक है। उन्होंने आशंका जताई कि ऐसी लापरवाही से पेंट्री कार में भोजन दूषित हो सकता है और कोच में अन्य खतरनाक जीव भी प्रवेश कर सकते हैं। पूर्व विधायक ने रेल मंत्री अश्विनी वैष्णव, दानापुर डीआरएम और सीनियर डीसीएम से इस संबंध में शिकायत दर्ज कराई है और घटना का वीडियो ऑनलाइन पोस्ट किया है।

अमृतसर में हाई अलर्ट, 15 स्कूलों को बम से उड़ाने की धमकी

नई दिल्ली। पंजाब के अमृतसर में शुक्रवार को कई स्कूलों को बम से उड़ाने की धमकी भरे ईमेल मिले, जिसके चलते छात्रों को स्कूलों से बाहर निकाला गया और अधिकारियों ने जांच शुरू कर दी। जिला प्रशासन ने अमृतसर के सभी स्कूलों को बंद करने का आदेश दिया, क्योंकि अभिभावक अपने बच्चों को लेने के लिए स्कूलों की ओर दौड़ पड़े।

खालिस्तानी संगठन का मेल सामने आया

अमृतसर के पुलिस आयुक्त गुरप्रीत सिंह भुल्लर ने एक बयान में कहा कि शहर और ग्रामीण इलाकों के कुछ स्कूलों को संदिग्ध ईमेल मिले हैं। प्रत्येक स्कूल में एक राजपत्रित अधिकारी तैनात किया गया है और तोड़फोड़ रोधी जांच जारी है। साइबर पुलिस स्टेशन ईमेल के स्रोत का पता लगाने के लिए युद्धस्तर पर काम कर रहा है। इस बीच, अमृतसर पुलिस आयुक्त गुरप्रीत सिंह भुल्लर ने बताया कि स्कूलों को मिली बम की धमकियां झूठी थीं और मामले की जांच जारी है। भुल्लर ने कहा कि अमृतसर जिले के आसपास के ग्रामीण इलाकों में कई स्कूलों को ईमेल के जरिए बम की धमकियां मिलीं। सभी वरिष्ठ अधिकारियों को तुरंत मौके पर भेजा गया और परिसरों को सुरक्षित कर लिया गया।

दक्षिण कोलकाताके बाजार में आग लगी, 40 दुकानें जलकर खाक हुईं

कोलकाता। दक्षिण कोलकाता के रामगढ़ स्थित एक बाजार में बृहस्पतिवार देर रात आग लग गई, जिससे करीब 40 दुकानें जलकर खाक हो गईं। अधिकारियों ने यह जानकारी दी। अधिकारियों ने बताया कि घनी आबादी वाले इलाके में कई दुकानों में देर रात करीब डेढ़ बजे आग लग गई। उन्होंने बताया कि आग बुझाने में दमकल की सात गाड़ियों को करीब दो घंटे का समय लगा।छठ उन्होंने बताया कि घटना में अब तक किसी के घायल होने की कोई सूचना नहीं है, हालांकि बाजार में लगभग 40 दुकानें जलकर नष्ट हो गई हैं। बाजार की संकरी बनावट के कारण आग तेजी से फैल गई। एक अधिकारी ने बताया, ''शीतलन (कूलिंग) प्रक्रिया जारी है। आग लगने का वास्तविक कारण अभी पता नहीं चल पाया है।

भारत का एक राज्य एंटी-सनातन धर्म का सिंबल बन गया : अनुराग

एजेंसी। नई दिल्ली

लोकसभा में चुनाव सुधार, वंदे मातरम की चर्चा के बाद अब कई अन्य मुद्दों पर बहस जारी है। इसी क्रम में आज बीजेपी सांसद अनुराग ठाकुर ने एक ऐसा मुद्दा उठा दिया जिससे सदन में हंगामा मच गया। दरअसल, अनुराग ठाकुर ने तमिलनाडु सरकार पर हिंदुओ पर लाठीचार्ज करने का गंभीर आरोप लगाया। उन्होंने कहा कि राज्य सरकार के मंत्री सनातन धर्म के खिलाफ बयान दे रहे हैं।

- **क्या कहा अनुराग ठाकुर ने**

लोकसभा में बीजेपी सांसद अनुराग ठाकुर ने नाराजगी जताते हुए कहा कि मैं एक बहुत जरूरी मुद्दा उठाना चाहता हूं, जहां भारत का एक राज्य एंटी-सनातन धर्म का सिंबल बन गया है। उनके मंत्री सनातन धर्म के खिलाफ बयान दे रहे हैं। लोगों को मंदिर तक पहुंचने के लिए कोर्ट जाने पर मजबूर होना पड़ा। मद्रास हाई कोर्ट की मदुरै बेंच ने तमिलनाडु सरकार की कड़ी आलोचना की और अधिकारियों पर मदुरै के थिरुपरनकुंद्रम मंदिर में कार्तिगई दीपम का दीया जलाने के उसके आदेश को जानबूझकर नजरअंदाज करने का आरोप लगाया। हिंदुओं पर लाठीचार्ज किया जाता है, हिंदुओं को क्यों रोका जाता है?

डीएमके सांसदों ने कड़ा विरोध किया

अनुराग ठाकुर के इस आरोप पर डीएमके सांसदों ने हंगामा कर दिया और आसन के करीब पहुंच गए। हंगामे को देखते हुए पीठासीन सभापति जगदंबिका पाल ने दोपहर एक बजे सदन की कार्यवाही अपराह्न 2 बजे तक के लिए स्थगित कर दी।

सुप्रीम कोर्ट का दरवाजा खटखटाया

तमिलनाडु सरकार ने मद्रास हाई कोर्ट के एक फैसले के खिलाफ सुप्रीम कोर्ट का दरवाजा खटखटाया है। हाई कोर्ट ने एक दरगाह के पास स्थित मंदिर में कार्तिगई दीपम जलाने की अनुमति दी थी। सुप्रीम कोर्ट इस मामले की सुनवाई 5 दिसंबर को करेगा। यह मामला तिरुपरमकुंद्रम स्थित एक शिला दीप स्तंभ दीपथून में अरुलमिघु सुब्रमणिय स्वामी मंदिर के श्रद्धालुओं से जुड़ा है।

कोई भी जबरन वक्फ संपत्तियों पर कब्जा नहीं कर सकता : ममता बनर्जी

कोलकाता। पश्चिम बंगाल की मुख्यमंत्री ममता बनर्जी ने कहा कि वक्फ संपत्तियों को मौजूदा नियमों के तहत सख्ती से संरक्षित किया जाएगा और कोई भी उन्हें जबरन अधिग्रहित नहीं कर सकता है। नदिया के कृष्णानगर में एक जनसभा को संबोधित करते हुए बनर्जी ने कहा कि उनकी सरकार ने अल्पसंख्यकों के लिए कई कल्याणकारी उपाय किए हैं, जिनमें 10,000 कब्रिस्तानों का निर्माण और ओबीसी आरक्षण लाभों का विस्तार शामिल है। उन्होंने कहा, "हमने स्पष्ट रूप से कहा है कि वक्फ संपत्ति में नियमों का पालन होगा। अब मुतवल्ली (मस्जिद के न्यासी) इसका पालन करेंगे। हम किसी को भी वक्फ संपत्ति हासिल करने की अनुमति नहीं देंगे।" विपक्ष के नेता शुभेंदु अधिकारी ने आरोप लगाया कि चुनाव में मुस्लिम समुदाय से भारी समर्थन हासिल करने के बावजूद मुख्यमंत्री ने उन्हें नजरअंदाज कर दिया है। उन्होंने दावा किया, "जिसे 2021 में 92 प्रतिशत और 2024 में 91 प्रतिशत मुस्लिम वोट मिले थे, उसने अब वक्फ के मुद्दे पर समुदाय को गड्ढे में धकेल दिया है।" अधिकारी ने दावा किया कि तृणमूल कांग्रेस नेताओं ने वक्फ की कई एकड़ जमीन पर अतिक्रमण कर लिया है।

राहुल की बुलाई बैठक से फिर गायब है थरूर

कांग्रेस के चीफ व्हिप बोले:- नहीं पता वजह

एजेंसी। नई दिल्ली

तिरुवनंतपुरम से सांसद शशि थरूर और कांग्रेस नेतृत्व के बीच अनबन की अफवाहें चल रही हैं। भाजपा के साथ उनकी बढ़ती नजदीकी और प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की प्रशंसा की खबरों के बीच हर कुछ दिनों में तनाव के नए मामले सामने आ रहे हैं। हालांकि थरूर ने खुद कई बार इन अफवाहों का खंडन किया है, लेकिन एक और उदाहरण राहुल गांधी द्वारा बुलाई गई कांग्रेस लोकसभा सांसदों की बैठक में देखने को मिला, जिसमें थरूर शामिल नहीं हुए। पिछले तीन हफ्तों में यह तीसरी कांग्रेस बैठक है जिसमें थरूर अनुपस्थित रहे हैं।

राहुल गांधी ने शुक्रवार सुबह कांग्रेस के 99 सांसदों के साथ बैठक की अध्यक्षता की, जिसमें अब तक के उनके प्रदर्शन की समीक्षा की गई और संसद के शीतकालीन सत्र के 19 दिसंबर को समाप्त होने से पहले भाजपा पर अपने हमलों को और बेहतर बनाने पर चर्चा हुई।

थरूर के अनुपस्थित रहने का कारण क्या था? उनके चंडीगढ़ सांसद मनीष तिवारी भी बैठक में अनुपस्थित थे। थरूर ने कांग्रेस सत्रों में भाग नहीं लिया। पार्टी के मुख्य सचेतक (चीफ व्हिप) ने कहा कि उन्हें थरूर के मीटिंग में नहीं आने का कारण नहीं पता, जिसके बाद अटकलें और तेज हो गईं। थारूर ने इससे पहले नवंबर में दो बैठकों में भाग नहीं लिया था। पहली बैठक 30 नवंबर को हुई थी, जो सोनिया गांधी की अध्यक्षता में एक रणनीति बैठक थी। बाद में उन्होंने पत्रकारों से कहा कि उन्होंने बैठक में भाग लेना नहीं छोड़ा था, बल्कि उस समय वे केरल से उड़ान भर रहे थे।

दिल्ली ब्लास्ट मामला

एनआईए ने चार आरोपियों को कोर्ट में पेश किया

- **12 दिन की न्यायिक हिरासत**

एजेंसी। नई दिल्ली

देश की राजधानी दिल्ली में लाल किला मेट्रो स्टेशन के पास कार में हुए ब्लास्ट मामले में राष्ट्रीय जांच एजेंसी (एनआईए) ने शुक्रवार को चार आरोपियों को पटियाला हाउस कोर्ट में पेश किया। आरोपियों में डॉक्टर मुजम्मिल, डॉ. शाहीन सईद, मुफ्ती इरफान अहमद और आदिल अहमद शामिल हैं। इन सभी चारों आरोपियों को पिछली कस्टडी पूरी होने के बाद अदालत में पेश किया गया। अदालत ने इन सभी चार आरोपियों को 12 दिनों की न्यायिक हिरासत में भेजने का आदेश दिया है। एनआईए ने कोर्ट को बताया कि आरोपी डॉ. मुजम्मिल, डॉ. उमर नबी, आदिल अहमद, डॉ. शाहीन सईद, मुफ्ती

इरफान और इरफान अहमद मिलकर एक बड़ी साजिश रच रहे थे। एजेंसी के अनुसार, इस मॉड्यूल का उद्देश्य राजधानी में बड़े स्तर पर अशांति फैलाना और संवेदनशील स्थानों को निशाना बनाना था। जांच में यह भी सामने आया कि डॉ. उमर नबी ने ही कार में विस्फोट किया था। चारों मुख्य आरोपियों को एनआईए की हिरासत समाप्त होने के बाद कोर्ट में पेश किया गया, जहां उनके खिलाफ जुटाए गए प्रारंभिक साक्ष्यों के आधार पर न्यायिक हिरासत बढ़ाने की मांग की गई।

वीर सावरकर ने रखी 'सांस्कृतिक राष्ट्रवाद' की नींव: अमित शाह

श्री विजयपुरम (अंडमान-निकोबार)। केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह ने शुक्रवार को महान स्वतंत्रता सेनानी विनायक दामोदर सावरकर (वीर सावरकर) को श्रद्धांजलि दी। उन्होंने कहा कि वीर सावरकर ने 'सांस्कृतिक राष्ट्रवाद' की अवधारणा की नींव रखी। श्री विजयपुरम में सावरकर की कविताओं के संग्रह 'सागर प्राण तळमळा' के 115 वर्ष पूरे होने पर आयोजित कार्यक्रम में वे संबोधित कर रहे थे। केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह ने कहा कि सावरकर की विचारधारा को देशभर में प्रचारित करने की जरूरत है और माता-पिता को इसे अपने बच्चों से साझा करना चाहिए। उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व वाली सरकार भी इसी विचारधारा से प्रेरित है। गृह मंत्री ने सावरकर को एक लेखक, योद्धा, जन्मजात देशभक्त और दूरदर्शी बताया। उन्होंने कहा कि बहुत कम ऐसे साहित्यकार होते हैं ।

बीजेपी ने बंगाल फतह के लिए बांटी जिम्मेदारी, गलतियों से भी ली सबक

एजेंसी। नई दिल्ली

पश्चिम बंगाल विधानसभा चुनाव के लिए बीजेपी ने सांसदों, विधायकों सहित पार्टी नेताओं की जिम्मेदारी तय कर दी है। अगले साल की शुरुआत में पश्चिम बंगाल में विधानसभा चुनाव होने हैं। बंगाल को पांच जोन में बांटा गया है और हर जोन में दूसरे राज्यों के सीनियर नेताओं की भी तैनाती की गई है।

- **गलतियों से सबक, बाहरियों पर कम भरोसा**

राज्य के हर जिले में राज्य से बाहर के नेताओं की तैनाती भी शुरू कर दी गई है, साथ ही पिछले विधानसभा चुनाव की गलतियों से सबक भी लिया गया है।पिछले विधानसभा चुनाव में बीजेपी को उम्मीद थी कि वे सरकार बना लेंगे लेकिन बीजेपी 77 सीटें जीत पाई थी। सूत्रों के मुताबिक बीजेपी ने पिछले बार की गलतियों से सबक लिया है।

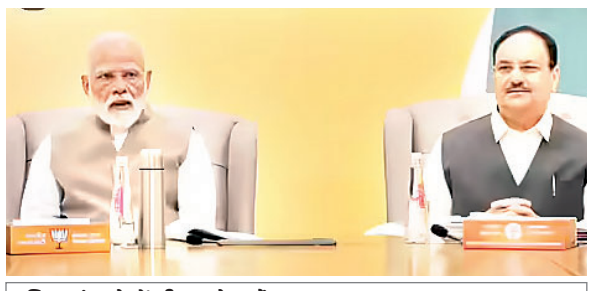

टिकट बंटवारे में भी उन नेताओं का ध्यान

सूत्रों ने कहा कि पार्टी की मीटिंग में इस पर बात हुई कि पिछले चुनाव में टीएमसी से बड़ी संख्या में नेताओं को बीजेपी में शामिल कराया गया था। टिकट बंटवारे में भी उनका ध्यान रखा गया। जिससे पार्टी के पुराने कार्यकर्ताओं की अनदेखी हुई, जिसका खामियाजा पार्टी को उठाना पड़ा।

- **इस बात का रखा जाएगा ख्याल**

सूत्रों के मुताबिक इस बार इस बात का ख्याल रखा जाएगा कि बाहरियों के चक्कर में पार्टी के पुराने समर्पित कार्यकर्ताओं की अनदेखी ना हो। सूत्रों के मुताबिक इस पर भी पार्टी के भीतर चर्चा हुई कि ज्यादा फेज में वोटिंग होने का भी बीजेपी को नुकसान हुआ। पिछला विधानसभा चुनाव 8 चरणों में हुआ था। बीजेपी ने राज्य में पांच-छह बूथ को मिलाकर एक शक्ति केंद्र बनाया है। हर शक्ति केंद्र की जिम्मेदारी पार्टी नेताओं और सक्रिय कार्यकर्ताओं को बांटी गई है।

माइक्रोसॉफ्ट का महाराष्ट्र में निवेश | एआइ हब, 45 हजार लोगों के लिए रोजगार

एजेंसी। मुंबई

महाराष्ट्र के मुख्यमंत्री देवेंद्र फडणवीस ने शुक्रवार को माइक्रोसॉफ्ट के चेयरमैन और सीईओ सत्य नडेला से मुलाकात की और भारत के पहले एआई-संचालित प्लेटफॉर्म महाक्राइमओएस एआई का अनावरण किया, जिसका उद्देश्य साइबर अपराधों की जांच में तेजी लाना है। मुख्यमंत्री फडणवीस ने फेसबुक पर लिखा कि महाराष्ट्र ने डिजिटल सुरक्षा के क्षेत्र में एक नया मानक स्थापित किया है। #AITourMumbai में सत्य नडेला से मिलकर बेहद खुशी हुई, जहां हमने महाक्राइमओएस एआई का अनावरण किया - भारत का

पहला एआई-संचालित प्लेटफॉर्म, जिसका उद्देश्य साइबर अपराधों की जांच में तेजी लाना है। 23 पुलिस स्टेशनों से 1100 तक विस्तार; नागपुर से राज्यव्यापी स्तर तक, महाराष्ट्र नागरिक सुरक्षा के लिए एआई-संचालित शासन को बढ़ावा दे रहा है! उन्होंने मुलाकात की तस्वीरें भी साझा कीं।

नक्सलवाद के खिलाफ बड़ी सफलता दस माओवादियों ने किया सरेंडर

- **सरेंडर करने वाले कैडरों पर कुल 33 लाख रुपए का इनाम था**

एजेंसी। रायपुर

छत्तीसगढ़ के सुकमा में नक्सल विद्रोह के खिलाफ लड़ाई में एक बड़ी सफलता मिली है। दरभा डिवीजन के 10 माओवादियों ने शुक्रवार को सुरक्षा बलों के सामने सरेंडर कर दिया। सरेंडर करने वाले कैडरों पर कुल 33 लाख रुपए का इनाम था। कैडरों में मीडियम भीमा भी शामिल था, जिस पर अकेले 8 लाख रुपए का इनाम था। इस ग्रुप

में शामिल छह महिलाओं ने एक एके-47, दो एसएलआर और एक बीजीएल (बैरल ग्रेनेड लॉन्चर) जैसे हथियार सौंपे, जिससे केंद्र और राज्य सरकारों द्वारा दी गई पुनर्वास नीति को अपनाने का उनका फैसला दिखा। इस दौरान अधिकारियों ने यह भरोसा दिया कि रिहैबिलिटेशन पॉलिसी हिंसा छोड़ने वालों के लिए इज्जत, रोजी-रोटी और समाज में फिर से शामिल होने की गारंटी देती है। प्रदेश के मुख्यमंत्री विष्णु देव साय ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर एक पोस्ट में लिखा, "नक्सलवाद मुक्त छत्तीसगढ़ का संकल्प अब तेजी से हो रहा साकार। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के सशक्त नेतृत्व और केंद्रीय गृहमंत्री अमित शाह के मार्गदर्शन में बस्तर आज ऐतिहासिक परिवर्तन का साक्षी बन रहा है। आज पुनः सुकमा जिले में पूना मारगेम-पुनर्वास से पुनर्जीवन कार्यक्रम के तहत दरबा डिवीजन कमेटी सहित विभिन्न नक्सली संगठनों के 10 माओवादी कैडरों ने आत्मसमर्पण कर मुख्यधारा का मार्ग चुना है। इनमें 6 महिला माओवादी भी शामिल हैं।

KASHYAP'S DENTAL CLINIC

Dr. Vaibhav Kashyap

Oral & Dental Surgeon, C.c. Endodontist & Implantologist Certified Orthodontist, MIDA

" Smiles & More"

छात्र-छात्राओं के लिए 50% की छूट

Facilities

- आरसीटी
- पायरिया का ईलाज
- टेढ़े-मेढ़े दाँतों का ईलाज
- स्माईल डिजाइन
- इनविजिवल क्लिप
- दंत रोपण
- फिक्स दाँत लगाना
- अत्याधुनिक मशीन और तकनीक के द्वारा ईलाज

CHAMBER
SKYLINE - 4006, 4th Floor, Kadru, Opp. Dr. Lal's Hospital, Ranchi
Contact No. : 9199533383, 7903835453
Time : 9 am to 2 pm & 4 pm to 8 pm
Sunday : 9 am to 2 pm
E-mail : vaibhav.kashyap2011@gmail.com

पाकिस्तान के खैबर पख्तूनख्वा में टीटीपी के हमले में पांच पुलिसकर्मी घायल

नई दिल्ली । पाकिस्तान के खैबर पख्तूनख्वा प्रांत में तहरीक-ए-तालिबान पाकिस्तान (टीटीपी) के आतंकवादियों द्वारा एक पुलिस चौकी पर किए गए हमले में कम से कम पांच पुलिसकर्मी घायल हो गए। यह जानकारी अधिकारियों ने दी। प्रवक्ता के बयान में कहा गया कि फितना अल ख्वारिज आतंकवादियों ने बृहस्पतिवार रात, बन्नू जिले के हावैद पुलिस क्षेत्र में स्थित शेख लैंडक पुलिस चौकी को निशाना बनाया। फितना अल खवारिज एक शब्द है जिसका इस्तेमाल सरकार प्रतिबंधित तहरीक-ए-तालिबान पाकिस्तान (टीटीपी) से जुड़े आतंकवादियों के लिए करती है। बयान में बताया गया कि पुलिसकर्मियों ने साहस और बहादुरी का परिचय देते हुए समय रहते कार्रवाई की और हमले को नाकाम कर दिया। हमलावरों और पुलिस के बीच तीन घंटे तक गोलीबारी जारी रही।

18 महीनों में 64 शर्तें

आईएमएफ ने पाकिस्तान को ऐसी शर्तों पर कर्ज दिया जिसे पूरा करना आसान नहीं

नई दिल्ली । अंतर्राष्ट्रीय मुद्रा कोष (आईएमएफ) ने भ्रष्टाचार पर लगाम लगाने के लिए 11 नई शर्तें जोड़कर नकदी संकट से जूझ रहे पाकिस्तान पर अपने 7 अरब डॉलर के राहत पैकेज को लेकर और दबाव बढ़ा दिया है। आईएमएफ द्वारा 1.2 अरब डॉलर जारी करने की मंजूरी के कुछ ही दिनों बाद उठाया गया यह कदम, उन शर्तों की कुल संख्या 64 तक पहुंचाता है जिनका पाकिस्तान को 18 महीनों के भीतर पालन करना होगा। पाकिस्तान की खस्ताहाल अर्थव्यवस्था आईएमएफ और विश्व बैंक से मिलने वाली बाहरी वित्तीय सहायता पर काफी हद तक निर्भर है।

थाईलैंड-कंबोडिया सीमा संघर्ष में प्रीह विहार मंदिर परिसर को नुकसान, भारत ने जताई चिंता

नई दिल्ली । थाईलैंड और कंबोडिया के बीच जारी सीमा संघर्ष के दौरान विश्व धरोहर स्थल प्रीह विहार के संरक्षण केंद्र को हुए नुकसान की खबरों पर भारत ने चिंता जताई है। विदेश मंत्रालय ने शुक्रवार को कहा कि क्षेत्र की सांस्कृतिक धरोहर को होने वाली किसी भी प्रकार की क्षति "दुर्भाग्यपूर्ण" और "चिंता का विषय" है। भारत ने दोनों देशों से संयम बरतने, संघर्ष विराम के लिए कदम उठाने और स्थल को सुरक्षित रखने की अपील की है। मंत्रालय के प्रवक्ता ने कहा, "प्रीह विहार में संरक्षण सुविधाओं को हुए नुकसान की रिपोर्ट देखी है। ऐसा कोई भी नुकसान दुखद और चिंता का कारण है।

दुनिया के 5 ताकतवर देशों का ग्रुप बना रहे ट्रंप

इसमें भारत, रूस और चीन शामिल होंगे जी7 को सी5 से रिप्लेस करने का प्लान

एजेंसी । वॉशिंगटन डीसी

अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप भारत, रूस, चीन और जापान के साथ एक नया ग्रुप कोर फाइव लाने पर विचार कर रहे हैं। अमेरिकी वेबसाइट पोलिटिको के मुताबिक यह मंच ग्रुप सेवन देशों की जगह लेगा। जी7 अमीर और लोकतांत्रिक देशों अमेरिका, ब्रिटेन, जर्मनी, फ्रांस, कनाडा, इटली और जापान जैसे देशों का एक मंच है। हालांकि ट्रंप की चाह ताकवर देशों को लेकर एक नया मंच बनाने की है। हालांकि अभी तक इस बारे में आधिकारिक तौर पर कुछ नहीं कहा गया है। लेकिन पोलिटिको के मुताबिक सी5 वाला नया आइडिया असल में नेशनल सिक्योरिटी स्ट्रैटेजी के एक लंबे ड्राफ्ट में लिखा था।

यह ड्राफ्ट जनता को नहीं दिखाया गया है। पोलिटिको यह पुष्टि नहीं कर पाया कि यह लंबा ड्राफ्ट वास्तव में मौजूद है या नहीं, लेकिन एक और मीडिया संस्थान डिफेंस वन ने इसकी पुष्टि की है।

सी5 का पहला एजेंडा- इजराइल-सऊदी के रिश्ते सुधारना

रिपोर्ट के मुताबिक इस ग्रुप को बनाने के पीछे मकसद यह है कि एक ऐसा नया मंच बनाया जाए जिसमें सिर्फ वही देश हों जो बड़ी शक्ति रखते हैं, चाहे वे लोकतांत्रिक हों या न हों, और चाहे वे जी7 जैसे क्लब की शर्तों पर खरे उतरते हों या नहीं। रिपोर्ट में कहा गया- 'कोर फाइव' या सी5 में अमेरिका, चीन, रूस, भारत और जापान शामिल होंगे। ऐसे देश जिनकी आबादी 100 मिलियन (10 करोड़) से ज्यादा है।

ट्रंप की सोच से मेल खा रहा सी5 बनाने का प्लान

पहले ऐसा प्लान बिल्कुल असंभव लगता था। लेकिन अब एक्सपर्ट्स का कहना है कि जी5 का प्लान ट्रंप की सोच से मेल खाता है। राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप अक्सर प्रतिद्वंद्वी देशों के साथ सीधे डील करने की कोशिश करते रहे हैं। जैसे बीजिंग को एनवीडीआईए के एच200 एआई चिप्स की बिक्री की इजाजत देना, या अपने दूत स्टीव विटकॉफ और जेरेड कुशनर को मास्को भेजना ताकि वे रूस के राष्ट्रपति व्लादिमिर पुतिन से सीधे बातचीत कर सकें। ट्रंप प्रशासन में काम कर चुके एक अधिकारी ने (नाम गोपनीय रखने की शर्त पर) पोलिटिको से कहा कि अमेरिका, चीन, भारत, जापान और रूस वाला सी5 विचार बिल्कुल भी चौकाने वाला नहीं है। उसने कहा कि ट्रंप के साथ पहले सी5 पर कभी आधिकारिक चर्चा नहीं हुई थी लेकिन इस पर जरूर बात होती थी।

ट्रंप का नया वैश्विक मंच प्रस्ताव

- ट्रंप भारत, रूस, चीन, जापान के साथ "कोर फाइव" समूह पर विचार
- जी7 को बदलने का संभावित प्रस्ताव
- नया मंच अधिक शक्तिशाली देशों को शामिल करेगा

सैन फ्रांसिस्को गैस विस्फोट में छह घायल, सड़क मरम्मत बनी वजह

एजेंसी । कैलिफोर्निया

कैलिफोर्निया के सैन फ्रांसिस्को के अश्लैंड इलाके में गुरुवार सुबह एक भयानक गैस विस्फोट हुआ। इसमें 4 मकान पूरी तरह तबाह हो गए और छह लोग घायल हो गए हैं। यह हादसा सड़क पर मरम्मत के दौरान हुआ। सड़क चौड़ी करने और बाइक लेन बनाने वाली लेवलिंग मशीन ने गलती से जमीन के नीचे दबी हाई-प्रेशर गैस पाइपलाइन को तोड़ दिया। पेसेफिक गेस कंपनी को सुबह 7:30 बजे इसकी सूचना मिली, लेकिन गैस कई जगहों से रिस रही थी, इसलिए लाइन पूरी तरह बंद करने में 2 घंटे का समय लग गया।

स्थानीय बोले- धमाका इतना तेज की लगा बम फट गया

पड़ोस में रहने वाली ब्रिटनी माल्दोनाडो ने बताया, "हम घर में बैठे थे, अचानक सब कुछ जोर से हिलने लगा, सामान गिरने लगा, लगा जैसे कोई बम फट गया या कोई गाड़ी सीधे हमारे लिविंग रूम में घुस आई हो। घायलों में से तीन को तुरंत अस्पताल ले जाया गया।

चैटजीपीटी के कहने पर अमेरिकी व्यक्ति ने मां को मारा फिर आत्महत्या की

उकसाने का मामला दर्ज

एजेंसी । नई दिल्ली

अमेरिका के कनेक्टिकट राज्य में एक व्यक्ति ने अपनी मां की गला घोंटकर हत्या कर दी और फिर खुदकुशी कर ली। महिला के परिवार ने ओपनएआई (चैटजीपीटी बनाने वाली कंपनी) के खिलाफ गुरुवार को मुकदमा दायर किया है। मुकदमे में आरोप है कि चैटजीपीटी ने 56 साल के पूर्व टेक कंपनी अधिकारी स्टीव-एरिक सोलबर्ग के डर (पैरानॉयड भ्रम) को लगातार बढ़ावा दिया, जिसके चलते उसने मां को मार डाला। सोलबर्ग चैटजीपीटी के नए वर्जन जीपीटी-4o का इस्तेमाल कर रहा था। जून में उसने चैटजीपीटी से बातचीत का वीडियो सोशल मीडिया पर डाला था, जिसमें AI ने उसे बताया कि वह महान ज्ञान वाला इंसान है। चैटबॉट ने उसकी जिंदगी को फिल्म "द मैट्रिक्स" से जोड़ा और कहा कि लोग उसे नुकसान पहुंचाना चाहते हैं।

पुतिन ने पाकिस्तानी पीएम शहबाज को 40 मिनट तक कराया इंतजार

गुस्से में एर्दोगन की मीटिंग में घुस गए थे शहबाज

एजेंसी । नई दिल्ली

तुर्कमेनिस्तान के अश्गाबात में इंटरनेशनल फोरम फोर पीस एंड ट्रस्ट कार्यक्रम का आयोजन किया गया है। इस बैठक में रूस के राष्ट्रपति व्लादिमीर पुतिन, तुर्की के राष्ट्रपति एर्दोगन, पाकिस्तान के प्रधानमंत्री शहबाज शरीफ समेत कई देशों के नेताओं ने हिस्सा लिया है। हालांकि, इस बैठक में पाकिस्तान के प्रधानमंत्री शहबाज शरीफ की बड़ी बेइज्जती होने की खबर सामने आ रही है। आरटी इंडिया के मुताबिक, रूसी राष्ट्रपति व्लादिमीर पुतिन ने शहबाज शरीफ को 40 मिनट तक इंतजार कराया है। खबर ये भी सामने आई है कि इंतजार के बाद शहबाज शरीफ बिना बुलावे के उस कमरे में घुस गए जहां पुतिन तुर्की के राष्ट्रपति एर्दोगन के साथ बैठक कर रहे थे।

क्या है पूरा मामला?

आरटी इंडिया ने अपने संवाददाता के हवाले से आधिकारिक एक्स हैंडल पर जानकारी दी है कि पाकिस्तानी प्रधानमंत्री शहबाज शरीफ ने रूसी राष्ट्रपति व्लादिमीर पुतिन के लिए 40 मिनट से ज्यादा समय तक इंतजार किया। वह कुर्सी पर लगातार बैठे रहे लेकिन पुतिन नहीं आए। पुतिन का इंतजार करते-करते थक जाने के बाद शहबाज शरीफ उस कमरे में चले गए जहां पर व्लादिमीर पुतिन तुर्की के राष्ट्रपति एर्दोगन के साथ बैठक कर रहे थे।

कुर्सी पर इंतजार करते रहे शहबाज

तुर्कमेनिस्तान से जो वीडियो सामने आया है उसमें साफ दिखाई दे रहा है कि शहबाज शरीफ और व्लादिमीर पुतिन की बैठक के लिए दो कुर्सियां लगाई गई हैं। हालांकि, शहबाज शरीफ कुर्सी पर बैठे दिखाई दिए लेकिन पुतिन वहां पर नदारद थे। शहबाज के साथ पाकिस्तान के उपप्रधानमंत्री इशाक डार और अन्य अधिकारी भी मौजूद थे।

10 मिनट में बाहर निकले शहबाज

सामने आई जानकारी के मुताबिक, पाकिस्तानी प्रधानमंत्री शहबाज शरीफ पुतिन और एर्दोगन की बैठक वाले कमरे में बिना बुलाए घुसने के करीब 10 मिनट बाद बाहर आ गए। जब शहबाज कमरे से बाहर आते दिखाई दिए तब राष्ट्रपति पुतिन और एर्दोगन अपनी बातचीत में लगे रहे। एर्दोगन के साथ बैठक के बाद पुतिन काफी खुश दिखाई दिए और मुस्कुराते हुए बाहर निकले।

व्हाइट हाउस ने ट्रंप की बीमारी की अफवाह खारिज की, कहा- हैंडशेक करने से निशान बने

डोनाल्ड ट्रंप बोले- मेरे जैसा मेहनती राष्ट्रपति कोई नहीं

एजेंसी । वॉशिंगटन डीसी

अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप को गंभीर बीमारी होने की अफवाह फिर से तेज हो गई हैं। दरअसल, पिछले कुछ दिनों से बार-बार ट्रंप के दाहिने हाथ पर बैंडेज और नीले-लाल निशान दिखाई दिए। कुछ मीडिया रिपोर्ट्स में दावा किया गया कि ट्रंप किसी बीमारी से जूझ रहे हैं या तो उन्हें हाथ में कोई इंजेक्शन लग रहा है। व्हाइट हाउस की प्रेस सेक्रेटरी कैरोलाइन लेविट ने गुरुवार को प्रेस कॉन्फ्रेंस में इन सभी अफवाहों को खारिज कर दिया। उन्होंने बताया कि ये निशान सिर्फ ज्यादा हैंडशेक करने की वजह से हैं। ट्रंप हर दिन सैकड़ों-हजारों लोगों से हाथ मिलाते हैं, जिससे ऐसे निशान बन जाते हैं। इसके अलावा बढ़ती उम्र के कारण त्वचा पतली हो जाती है, जिससे मामूली दबाव या रगड़ से भी आसानी से नीला निशान (ब्रूइज) पड़ जाता है।

ट्रंप के दाहिने हाथ पर बैंडेज और नीले निशान दिखाई दिए (लाल घेरे में)

ट्रंप बोले- लोग मेरी उम्र और सेहत को लेकर झूठ फैला रहे

यह पहली बार नहीं हुआ है। इसी साल 2025 के शुरुआती महीनों में भी (फरवरी-मार्च के आसपास) ट्रंप के दाहिने हाथ पर बड़ा सा नीला-बैंगनी निशान दिखाई दिया था। उस समय भी फोटो वायरल हो गई थीं। तब भी व्हाइट हाउस ने यही स्पष्टीकरण दिया था कि राष्ट्रपति का रोज का रूटीन इतना व्यस्त होता है कि लगातार हैंडशेक करने से ऐसा हो जाता है। उस समय ट्रंप ने खुद ट्रुथ सोशल पर लिखा था, "मैं बिल्कुल ठीक हूं, ये लोग बस मेरी उम्र और सेहत को लेकर झूठ फैला रहे हैं।

ऑस्ट्रेलिया- पैराडाइवर प्लेन के विंग में फंसा

विमान 15000 फीट की ऊंचाई पर था, रिजर्व पैराशूट को काटा, मेन पैराशूट खोलकर जमीन पर उतरा

सिडनी । ऑस्ट्रेलिया क्वींसलैंड में 15,000 फीट की ऊंचाई पर स्काईडाइवर का इमरजेंसी (रिजर्व) पैराशूट अचानक खुलकर प्लेन के पिछले विंग में फंस गया। यह घटना स्काईडाइवर के प्लेन से कूदने से ठीक पहले हुई। ऑस्ट्रेलिया की ट्रांसपोर्ट सेफ्टी एजेंसी ने एक वीडियो जारी किया है, जिसमें स्काईडाइवर काफी देर तक हवा में लटका नजर आ रहा है। इसके बाद वह पैराशूट की सभी 11 रस्तियां काटकर खुद को आजाद कराता है। इसके बाद स्काईड्राइवर मेन पैराशूट खोलकर लैंडिंग करता है। यह 20 सितंबर की घटना है, जिसका वीडियो अब जारी हुआ है।

तालिबान को सीधी धमकी

लश्कर बोला- पाकिस्तान संग मिलकर अफगानिस्तान में सैन्य कार्रवाई करेंगे

इस्लामाबाद । आतंकवादी संगठन लश्कर-ए-तैयबा ने पाक आर्मी के साथ मिलकर अफगानिस्तान पर हमला करने की सीधी धमकी दी है। इससे पाकिस्तान और अफगानिस्तान के बीच सीमा पर तनाव और बढ़ गया है। लश्कर-ए-तैयबा ने पहली बार खुलकर पाकिस्तानी सेना का पक्ष लिया है। लश्कर कमांडर ने असीम मुनीर को सीडीएफ बनाए जाने का भी स्वागत किया है। संगठन के वरिष्ठ नेता और हाफिज सईद के करीबी सहयोगी कारी याकूब शेख ने एक वीडियो संदेश जारी कर पाकिस्तानी सेना प्रमुख जनरल असीम मुनीर की हालिया चीफ ऑफ डिफेंस फोर्सेज नियुक्ति का स्वागत किया है।

सलमान 25 साल से डिनर पर नहीं गए, एक्टर बोले-

लाइफ काम ट्रैवल और पुराने दोस्तों तक सीमित कई करीबियों को जिंदगी से हटाया

सलमान खान सऊदी अरब के जेद्दा में चल रहे रेड सी फिल्म फेस्टिवल का हिस्सा बने। सलमान इस फिल्म फेस्टिवल में अवॉर्ड प्रेजेंटर भी थे। गुरुवार को एक्टर ने इस फेस्टिवल के एक सेशन में हिस्सा लिया, जहां उन्होंने अपने करियर, व्यक्तिगत अनुभवों और अपनी जर्नी के बदलते फेज पर बात की। यहां सलमान खान ने स्वीकार किया कि अब उनकी दुनिया सिर्फ काम, ट्रैवल और कुछ पुराने दोस्तों तक सीमित है। कुछ लोग जिन्हें वो करीबी मानते थे लेकिन वो अब उनकी लाइफ का हिस्सा नहीं हैं। इस पर बात करते हुए एक्टर ने कहा- 'मैंने अपनी जिंदगी का ज्यादातर समय अपने परिवार और दोस्तों के साथ बिताया है, जिनमें से काफी निकल गए हैं। अब सिर्फ 4-5 ही लोग मेरे साथ हैं। सेशन में उन्होंने आगे बताया कि पिछले कुछ सालों में उनका रूटीन अनुशासन से भरा रहा है। सलमान ने कहा- '25-26 साल हो गए हैं, मैं कहीं बाहर डिनर पर नहीं गया। घर से शूटिंग, शूटिंग से घर, एयरपोर्ट, होटल... बस इतना ही। यह मेरी जिंदगी है।

सलमान ने हॉलीवुड स्टार डॉनी डेप से मुलाकात की

कहानी फिल्म जगत की

खाने के बाद रोज 2 इलायची खाएं एक माह बाद देखें क्या होता है

आरपी सिंह

नई दिल्ली। भारतीय रसोई का आम मसाला इलायची आज केवल स्वाद व सुगंध तक सीमित नहीं है, बल्कि आधुनिक रिसर्च इसे कई स्वास्थ्य लाभों से जुड़ा हुआ बताती हैं। आयुर्वेद में इसे 'क्वीन ऑफ स्पाइसेज़' कहा गया है । हरी इलायची को सात्विक तथा त्रिदोष-नाशक माना गया है—यानी यह शरीर के वात, पित्त और कफ को संतुलित रखने में सहायक है।बीते कुछ वर्षों में हुए न्यूट्रिशन रिसर्च में पाया गया है कि इलायची में मौजूद पॉलीफेनॉल्स और एसेंशियल ऑयल्स—सिनिओल, लिमोनीन और टरपीनीन—एंटी-इन्फ्लेमेटरी और एंटीऑक्सीडेंट गुणों से भरपूर होते हैं। कई अध्ययनों में यह भी देखा गया कि रोज़ाना सीमित मात्रा में इलायची का सेवन पाचन व मेटाबॉलिज्म को बेहतर बनाता है और गैस्ट्रिक डिसऑर्डर में राहत देता है। कार्डियक हेल्थ पर हुए शोध बताते हैं कि इलायची नेचुरल डायरेटिक की तरह काम करती है, जिसके कारण शरीर से अतिरिक्त सोडियम और पानी बाहर निकलता है। इससे रक्तचाप पर पॉजिटिव प्रभाव पड़ता है। हल्के बढ़े हुए ब्लड प्रेशर वाले लोगों में 6–8 सप्ताह के सेवन के बाद सुधार देखा गया है। विशेषज्ञों का मत है कि इसके एंटीऑक्सीडेंट कंपाउंड रक्त वाहिनियों को रिलैक्स करने में मदद कर सकते हैं।

पाचन शक्ति में सुधार : आयुर्वेदिक चिकित्सकों और आधुनिक गैस्ट्रो रिसर्च दोनों में यह पाया गया है कि इलायची पाचक रसों के स्राव को बढ़ाती है। भोजन के बाद 1-2 इलायची चबाने से ब्लोटिंग, भारीपन, गैस और एसिडिटी में राहत मिलती है। इसकी गर्म तासीर आंतों की गति को सहज बनाती है, जिससे भोजन पचने की प्रक्रिया सुगम होती है।

माउथ ओडर और ओरल हेल्थ : इलायची के एंटी-बैक्टीरियल गुण मुंह में बैक्टीरिया के स्तर को नियंत्रित करते हैं। यही कारण है कि पारंपरिक भारत में भोजन के बाद इलायची खाना अच्छी हाइजीन प्रैक्टिस मानी जाती थी। यह सांसों की बदबू को प्राकृतिक तरीके से कम करती है।

सर्दी-जुकाम और साइनस में राहत : गर्म तासीर और एक्सपेक्टोरेंट गुणों के कारण इलायची बलगम को ढीला करती है, जिससे सर्दी, खांसी, जुकाम और साइनस कंजेशन में आराम मिलता है।

नियमित सेवन से समग्र लाभ-एक माह तक रोजाना दो इलायची लेने से कई लोगों में पाचन में सुधार होता है, शरीर हल्का महसूस होता है, सांस ताज़ा रहती है और ब्लड प्रेशर व श्वसन कार्यप्रणाली में सुधार देखा जा सकता है।

ध्यान दें: अधिक मात्रा में सेवन करने पर पित्त वृद्धि या जलन जैसी समस्या कुछ लोगों में हो सकती हैं। किसी भी हर्बल आदत को शुरू करने से पहले विशेषज्ञ की सलाह उपयोगी रहती है।

सीआइआइ झारखंड का ट्राइबल एंटरप्रेन्योरशिप समिट आयोजित, बोले जितेंद्र कुमार

मैन्युफैक्चरिंग व सर्विस सेक्टर में मिल रहे अवसरों का लाभ उठाएं आदिवासी उद्यमी

● श्रम एवं कौशल विभाग 1.50 लाख से अधिक आदिवासियों को स्किल्ड कर चुका है

नवीन मेल संवाददाता

रांची। श्रम एवं कौशल विकास विभाग के सचिव जितेंद्र कुमार ने कहा कि एंटरप्रेन्योर देश और राज्य के जीडीपी के लिए महत्वपूर्ण भूमिका निभा रहे हैं। इस बढ़ते जीडीपी में आदिवासी उद्यमियों का रोल भी बहुत अहम है। झारखंड में हजारों आदिवासी उद्यमी के रूप में काम कर रहे है। मैन्यूफैक्चरिंग और सर्विस सेक्टर में कई संभावनाएं है, आदिवासी उद्यमी इन संभावनाओं का लाभ जरूर उठाएं। आदिवासी आबादी का 26 प्रतिशत हिस्सा विभिन्न व्यापारिक पहलों में लगा हुआ है। उन्होंने कहा कि श्रम एवं कौशल विभाग 1.50 लाख से अधिक आदिवासियों को स्किल्ड कर चुका है। इसमें 24 प्रतिशत से अधिक लोगों का प्लसमेंट हो चुका है। इसमें और वृद्धि करने करने पर जोर दिया जा रहा है। राज्य सरकार और विभाग आदिवासी उद्यमिता को बढ़ावा देने का हर संभव प्रयास कर रही है। इसके लिए उद्योग जगत की मांग को देखते हुए श्रम एवं कौशल विभाग ने कई नये कोर्स तैयार किये हैं। आने वाले समय में उद्योग जगत में बड़े बदलाव आने वाले हैं। इसके लिए स्वयं को तैयार करें। जितेंद्र कुमार शुक्रवार को स्थानीय होटल में सीआइआइ झारखंड की ओर से आयोजित ट्राइबल एंटरप्रेन्योरशिप समिट में मुख्य अतिथि के रूप में बोल रहे थे। इस समिट का थीम "रूटेड इन हेरिटेज, राइजिंग इन एंटरप्राइज" था।

जियाडा के क्षेत्रीय निदेशक प्रेम रंजन ने कहा कि जियाडा ने अपने लैंड बैंक का 10 प्रतिशत आवंटन वर्तमान में लैंड लूजर कम्युनिटी के लिए रखा है। हम सब मिलकर इस तरीके से अपने इकोसिस्टम को तैयार कर रहे हैं, जिसमें बिना भेदभाव के सबको एक सुरक्षित बाजार मिले। इसके अलावा जमशेदपुर के कुछ एरिया होम स्टे के माध्यम से ट्राइबल कम्युनिटी छोटे-छोटे पर्यटन उद्योग की तरफ बढ़ रही है। मैं उम्मीद करूंगा कि यह पूरे राज्य में इसका प्रसार हो और लोगों में यह जागरूकता आए और होम स्टे के माध्यम से हम एक आर्थिक प्रगति का रास्ता खोज सकें। झारखंड माइंस टूरिज्म की शुरूआत की गयी है। पर्यटन विभाग ने इसके लिए अलग से एक पैकेज डिसाइड किया है। जब हम माइंस के लिए पर्यटकों को ले जाते हैं, तो उनके लिए खाने, ठहरने समेत अन्य सपोर्ट की जरूरत पड़ेगी। इस अवसर का लाभ उठाया जा सकता है। ट्राइबल इंडियन चैंबर के राष्ट्रीय महासचिव बंसत तिर्की ने राज्य सरकार ट्राइबल एंटरप्रेन्योरशिप बोर्ड का गठन करें, जिससे छोटे छोटे एंटरप्रेन्योर को सहयोग एवं सुरक्षा मिल सके। ट्राइबल समुदाय के लिए सरकार कई पॉलिसी बनाई है। जानकारी एवं जागरूकता के बिना ट्राइबल एंटरप्रेन्योर इसका लाभ नही उठा पा रहे हैं।

सीआइआइ झारखंड के पूर्व चेयरमैन तापस साहू ने स्वागत भाषण देते हुए कहा कि झारखंड, अपनी समृद्ध आदिवासी संस्कृति और विरासत के साथ, आदिवासी उद्यमिता के लिए अपार अवसर प्रदान करता है। आदिवासी उद्यमियों में अपार क्षमता है, लेकिन सरकारी योजनाओं और नीतियों से संबंधित उचित मार्गदर्शन, वित्तीय साक्षरता और बाजार तक पहुंच की कमी के कारण उन्हें अक्सर व्यापार करने में कठिनाई जैसी चुनौतियों का सामना करना पड़ता है।

धन्यवाद ज्ञापन सीआइआइ के सदस्य असीम कंडुलना ने दिया। तकनीकी सत्र में अलग अलग विषयों पर टाटा स्टील फाउंडेशन के यशवंत सौरव, नाबार्ड के डीजीएम सुमन सौरव साहू, एक्सएलआरआइ के डॉ सौरव, अनिशेष मिश्रा, पंकज कुमार, उषा मार्टिन के सीएसआर हेड मयंक मुरारी, जयश्री चौधरी, एलेन जोसफ, तौफिक इकबाल, आइआइएम के प्रोफेसर गौरव मराठे, पूनम मधु तुंबा, रविकांत तिर्की, एन मराडी, मोनित बट कुमार, रवि राज मुर्मू और कपिल टोप्पो ने अपने विचार रखे। समिट में 210 से अधिक जनजातीय उद्यमियों, सामुदायिक नेताओं, नीति निर्माताओं, वित्तीय संस्थानों और उद्योग प्रतिनिधियों को एक साथ लाया। शिखर सम्मेलन में 10 जनजातीय उद्यमियों द्वारा एक प्रदर्शनी भी आयोजित की गई, जिसमें उन्होंने अपने उत्पादों, नवाचारों और उद्यम क्षमता को व्यापक दर्शकों के सामने प्रदर्शित किया।

मतदाता सूची के गहन पुनरीक्षण के दौरान एक भी योग्य मतदाता नहीं छूटे : के. रवि कुमार

नवीन मेल संवाददाता

● वर्तमान सूची बनाने के लिए बीएलओ ऐप में पिछली सूची की मैपिंग की जा रही है

रांची। झारखंड के मुख्य निर्वाचन पदाधिकारी के. रवि कुमार ने कहा कि अन्य राज्यों के वे मतदाता जिनका नाम पिछले गहन पुनरीक्षण में झारखंड की मतदाता सूची में शामिल नहीं था, वे अपना नाम संबंधित राज्य की सूची से ढूंढकर अपने बीएलओ (ब्लॉक लेवल अधिकारी) से संपर्क कर सकते हैं। सहायता के लिए मतदाता 1950 पर कॉल भी कर सकते हैं।

रांची स्थित निर्वाचन सदन से शुक्रवार को राज्य के सभी जिलों के उप निर्वाचन पदाधिकारियों के साथ आयोजित वर्चुअल बैठक में मुख्य निर्वाचन पदाधिकारी ने बताया कि पिछले गहन पुनरीक्षण की मतदाता सूची भारत निर्वाचन आयोग और मुख्य निर्वाचन पदाधिकारी की वेबसाइट पर सर्चेबल फॉर्मेट में उपलब्ध है। वर्तमान सूची बनाने के लिए बीएलओ ऐप में पिछली सूची की मैपिंग की जा रही है। अन्य राज्यों से आए मतदाताओं की जानकारी मैनुअल रजिस्टर में दर्ज की जा रही है, ताकि गहन पुनरीक्षण के दौरान कोई भी योग्य मतदाता छूट न जाए। बैठक के दौरान उन्होंने अधिकारियों को निर्देश दिया कि पैरेंटल मैपिंग और ए.एस.डी सूची बनाते समय सभी नियमों का पूर्ण पालन करें। हर स्तर पर निरीक्षण की प्रक्रिया लागू है और इसका पालन करना आवश्यक है। गहन पुनरीक्षण के दौरान एक भी योग्य मतदाता छूटे नहीं इस बात को ध्यान में रखकर कार्य करना है।

कुमार ने पीपीटी के माध्यम से अधिकारियों को पिछले एसआईआर से वर्तमान मतदाता सूची की मैपिंग और निरीक्षण के प्रमुख बिंदुओं पर प्रशिक्षण दिया। बैठक में संयुक्त मुख्य निर्वाचन पदाधिकारी सुबोध कुमार, उप निर्वाचन पदाधिकारी धीरज कुमार ठाकुर, प्रियंका सिंह, अवर निर्वाचन पदाधिकारी सुनील कुमार और सभी जिलों के उप निर्वाचन पदाधिकारी, एचडीएम, कंप्यूटर ऑपरेटर ऑनलाइन उपस्थित थे।

सीआईपी सुरक्षा गार्ड के हत्या मामले में आरोपी रवि साहू बरी

नवीन मेल संवाददाता

रांची। सीआईपी (रिनपास) परिसर में तैनात सुरक्षा गार्ड कमलेश प्रसाद की हत्या के मामले में ट्रायल फेस कर रहे आरोपी रवि साहू को अपर न्यायायुक्त शैलेंद्र कुमार की अदालत ने शुक्रवार को सबूतों के अभाव में बरी कर दिया। सुनवाई के दौरान महत्वपूर्ण गवाह नहीं पहुंचा। घटना 28 अक्तूबर 2021 की है। रात करीब 9.30 बजे 52 वर्षीय कमलेश प्रसाद रिनपास गेट के पास ड्यूटी पर थे, तभी उन्हें गोली मारकर हत्या कर दी गई थी। मामले में पुलिस ने सहकर्मी रवि साहू को गिरफ्तार कर जेल भेजा था। पुलिस की ओर से दावा किया गया था कि नौकरी से निकलवाने के शक में रवि ने कमलेश की हत्या कर दी। दोनों एसआईएस (निजी सुरक्षा कंपनी) में गार्ड के रूप में कार्यरत थे। घटना से पहले ओपीडी ड्यूटी को लेकर रवि और कमलेश के बीच विवाद हुआ था। इसके अलावा एसआईएस में कमलेश का एक रिश्तेदार भी काम करता था, जिससे रवि की कहासुनी हुई थी। इस विवाद के बाद रवि को नौकरी से निकाल दिया गया था, जबकि घटना से करीब पांच माह पहले ही उसे बहाल किया गया था। रवि को शक था कि कमलेश ने ही उसे गार्ड की नौकरी से निकलवाया, क्योंकि कमलेश एसआईएस के रांची ब्रांच मैनेजर तरुण कुमार के मामा थे।

ई-कल्याण पोर्टल की तकनीकी गड़बड़ियों से छात्र परेशान

मंच ने आयुक्त को सौंपा ज्ञापन पोर्टल में त्रुटि सुधार की मांग

नवीन मेल संवाददाता

रांची। राजधानी रांची में शुक्रवार को छात्रहित सर्वोपरी मंच के प्रतिनिधिमंडल ने कल्याण सचिव एवं कल्याण आयुक्त से मुलाकात कर ई-कल्याण पोर्टल की तकनीकी समस्याओं से जुड़ा ज्ञापन सौंपा और छात्रों की परेशानियों से विस्तारपूर्वक अवगत कराया। प्रतिनिधिमंडल में शामिल छात्रों ने आयुक्त को बताया कि आवेदन भरते समय पोर्टल पर बार-बार त्रुटि संदेश दिखाई देते हैं। इन तकनीकी गड़बड़ियों के कारण हजारों छात्र आवेदन प्रक्रिया से वंचित रह गए हैं, जबकि कई छात्रों के आवेदन बिना किसी कारण स्वतः अस्वीकृत हो गए। सर्वोपरी मंच के प्रदेश अध्यक्ष राहुल कुमार राणा ने बताया कि मंच तकनीकी गड़बड़ी से प्रभावित छात्रों के डेटा की बहाली को लेकर लगातार प्रयासरत रहा है। उन्होंने कहा कि 18 और 19 अगस्त 2025 को पोर्टल की गंभीर तकनीकी त्रुटियों के कारण जिन छात्रों के आवेदन डिलीट हो गए थे, उनका डेटा विभाग द्वारा पुनः बहाल कर दिया गया है। राणा ने बताया कि आज फिर से आयुक्त से मुलाकात कर छात्रों की समस्याओं को गंभीरता से रखा गया। विभाग ने इस पर तत्काल तकनीकी समीक्षा कर समाधान करने का आश्वासन दिया है। प्रतिनिधिमंडल में प्रमुख रूप से प्रदेश अध्यक्ष राहुल कुमार राणा, प्रदेश उपाध्यक्ष आमिर हमजा, संगठन प्रभारी कुणाल पोद्दार, प्रदेश सचिव रईस अंसारी सहित अन्य सदस्य मौजूद थे।

थाने में तोड़फोड़ मामले में आरोपी महेश साव को जमानत नहीं

रांची। अपर न्यायायुक्त शैलेंद्र कुमार की अदालत ने थाने में तोड़फोड़ और हमला मामले में जेल में बंद आरोपी महेश साव को जमानत देने से कोर्ट ने इनकार किया है। अपर न्यायायुक्त शैलेंद्र कुमार की अदालत ने उसकी ओर से दाखिल जमानत याचिका सुनवाई के पश्चात खारिज कर दी। मामले में वह 21 सितंबर 2025 से न्यायिक हिरासत में है, उस पर 21 सितंबर से घटना को लेकर पंडरा ओपी में पुलिसकर्मियों पर हमला करने और सरकारी संपत्ति को नुकसान पहुंचाने के आरोप में सुखदेवनगर (पंडरा ओपी) थाना में केस नंबर 514/2025 के तहत प्राथमिकी दर्ज की गई है। एपीपी ने जमानत का विरोध किया। अभियोजन पक्ष ने कहा कि याचिकाकर्ता और उनके सहयोगियों ने 100 से अधिक लोगों के साथ मिलकर पुलिस स्टेशन में घुसकर तोड़फोड़ की, वाहनों और दस्तावेजों को नष्ट किया। पुलिसकर्मियों पर हमला किया।

केंद्रीय सरना समिति का प्रदर्शन

धर्मांतरित आदिवासियों को 'दोहरे लाभ' से डिलिस्ट करने की मांग

● डिलिस्टिंग की मांग को लेकर निशा भगत ने करवाया अपना मुंडन

नवीन मेल संवाददाता

रांची। केंद्रीय सरना समिति के अध्यक्ष फूलचंद तिर्की के नेतृत्व में शुक्रवार को लोकभवन के समक्ष धर्मांतरित आदिवासियों द्वारा आरक्षण और सरकारी योजनाओं में मिल रहे 'दोहरे लाभ' के खिलाफ जोरदार प्रदर्शन किया गया। कार्यक्रम की शुरुआत पाहन द्वारा पारंपरिक पूजा से हुई। इसी दौरान विरोध स्वरूप समिति की महिला अध्यक्ष निशा भगत ने अपना मुंडन कराया। प्रदर्शन के दौरान वक्ताओं ने कहा कि झारखंड एक आदिवासी बहुल राज्य है, लेकिन धर्मांतरण के बाद आदिवासी पहचान से दूर हो चुके लोग अभी भी आरक्षण और विभिन्न योजनाओं का लाभ उठा रहे हैं। अध्यक्ष फूलचंद तिर्की ने कहा कि आदिवासी समाज की अपनी परंपराएं और प्रथाएं हैं, जिन्हें त्यागने वाले लोगों को आदिवासी सूची से डिलिस्ट किया जाना आवश्यक है। सामाजिक कार्यकर्ता जय मंगल उरांव ने आरोप लगाया कि कुछ मुस्लिम परिवार आदिवासी बेटियों से विवाह कर मायके से जाति और आवासीय प्रमाण पत्र बनवा लेते हैं और आदिवासी समुदाय के लिए बनी योजनाओं का अनुचित लाभ उठा रहे हैं। महिला अध्यक्ष निशा भगत ने कहा कि झारखंड पांचवीं अनुसूची का राज्य है, फिर भी पेसा कानून अब तक लागू नहीं हो सका है। उन्होंने आरोप लगाया कि ईसाई समुदाय के धर्मांतरित लोग आदिवासी आरक्षण का लाभ लेकर मंत्री, सांसद और विधायक तक बन रहे हैं, जिससे मूल आदिवासी समाज के अधिकार प्रभावित हो रहे हैं। प्रदर्शन में संजय तिर्की, एंजेल लकड़ा, निरा टोप्पो, प्रमोद एक्का, विनय उरांव, पंचम तिर्की, सोहन कच्छप, हंदु भगत सहित कई लोग उपस्थित थे।

न्यूज बॉक्स

नई दिल्ली में सुदेश महतो-चिराग पासवान की मुलाकात में झारखंड पर चर्चा

रांची। शुक्रवार को नई दिल्ली में आजसू पार्टी के केंद्रीय अध्यक्ष एवं पूर्व उपमुख्यमंत्री सुदेश महतो और केंद्रीय खाद्य प्रसंस्करण मंत्री चिराग पासवान के बीच मुलाकात हुई। श्री पासवान के कार्यालय पर हुई मुलाकात में बिहार विधानसभा चुनाव में ऐतिहासिक जीत पर बधाई का आदान–प्रदान हुआ। मुलाकात के दौरान झारखंड के राजनीतिक मुद्दों तथा विकास के संबंधित विषयों पर चर्चा हुई। इस मौके पर आजसू पार्टी के केंद्रीय उपाध्यक्ष एवं गिरिडीह सांसद चंद्रप्रकाश चौधरी भी उपस्थित रहे। चिराग पासवान ने चंद्रप्रकाश चौधरी जी को उनके गिरिडीह संसदीय क्षेत्र में खाद्य प्रसंस्करण इकाइयों की स्थापना, किसानों को उचित मूल्य दिलाने और स्थानीय उत्पादों को राष्ट्रीय एवं अंतर्राष्ट्रीय बाजार से जोड़ने के लिए अपने मंत्रालय के माध्यम से विशेष योजनाएं लागू करने का आश्वासन दिया।

पृष्ठ एक के शेष

झारखंड में धान की खरीद...
मंत्री इफान अंसारी ने यह भी कहा कि किसानों को मजबूत बनाना सरकार की प्राथमिकता है और इसी सोच के तहत लगातार साहसिक निर्णय लिए जा रहे हैं। धान अधिप्राप्ति योजना का व्यापक प्रचार-प्रसार तभी संभव है, जब जनप्रतिनिधि इसमें शामिल होकर किसानों को प्रोत्साहित करें।

बीस वर्षों से फरार नक्सली...
बताया जा रहा है कि मोती लाल किस्कू को गिरिडीह और जमुई के सीमावर्ती इलाके के पोझा बरमोरिया में नक्सलियो की ओर से छिपाए गए हथियार की भी पुख्ता जानकारी है। इसकी गिरफ्तारी के बाद से इलाके में सर्च ऑपरेशन चलाया जा रहा है।

कफ सीरप मामले में ईडी ने की रांची सहित...
कफ सीरप मामले के मुख्य आरोपी शुभम जायसवाल के रिश्तेदार बताए जाते हैं। जानकारी के अनुसार, शैली ट्रेडर्स का यह प्रतिष्ठान भोला प्रसाद ने भिलाई केमिकल के संचालक जगन्नाथ साहू से किराए पर लिया था। कुछ दिनों पहले बनारस पुलिस ने यहां छापेमारी की थी, लेकिन कफ सीरप की बरामदगी किसी अन्य स्थान से हुई थी। तुपुदाना ओपी में इस मामले में एक दिन पहले औषधि नियंत्रक शैल अंबष्ट के बयान पर भोला प्रसाद के खिलाफ प्राथमिकी दर्ज हुई थी। वहीं, भोला प्रसाद ने भी ऑनलाइन शिकायत देकर औषधि विभाग के अधिकारियों पर 20 लाख रुपए की रिश्वत मांगने का आरोप लगाया है।

कोयला कारोबारियों के कई...
जानकारी के अनुसार, ईडी ने शुक्रवार की सुबह धनबाद में फिर बड़ी कार्रवाई करते हुए कोयला कारोबारी मनोज अग्रवाल के धनसार और भेलाटांड़ स्थित आवास और कार्यालय पर छापेमारी शुरू की। ईडी की टीम चार गाड़ियों में केंद्रीय सुरक्षा बलों के साथ दोनों ठिकानों पर पहुंची और सुबह करीब 7:30 बजे कार्रवाई शुरू की। मीडिया रिपोर्ट्स के अनुसार, ईडी की टीम वित्तीय लेन-देन, कोयला कारोबार से जुड़े दस्तावेजों और इलेक्ट्रॉनिक डाटा की बारीकी से जांच की है। आधिकारिक रूप से कोई जानकारी सार्वजनिक नहीं की गई है। यह एक महीने के भीतर ईडी की दूसरी बड़ी कार्रवाई है, जिसे कोयला कारोबार में संभावित अनियमितताओं और मनी लांड्रिंग की जांच से जोड़कर देखा जा रहा है। मनोज अग्रवाल न केवल डेको आउटसोर्सिंग कंपनी के संचालक हैं, बल्कि कोयला परिवहन कार्य से भी जुड़े हुए हैं। ईडी की टीम ने सुधीर चौटाला और इंद्रराज भदौरिया के ठिकानों पर भी तलाशी अभियान तेज कर दिया है। ज्ञात हो कि विगत 21 नवंबर को ईडी ने कोयला कारोबारी दीपक पोद्दार सहित कई अन्य कारोबारियों के आवास और कार्यालयों पर भी छापेमारी की थी। उस दौरान कोलकाता ईडी की टीम भी शामिल थी, जो पश्चिम बंगाल के ठिकानों पर कार्रवाई कर रही थी। उस छापेमारी में ईडी को कई करोड़ रुपए, महत्वपूर्ण दस्तावेज और चल-अचल संपत्ति के अहम सबूत मिले थे। जांच के दौरान ईडी को पता चला कि कोयला के अवैध कारोबार में इंद्रराज भदौरिया, सुधीर चौटाला और मनोज अग्रवाल की भी भूमिका है। इसके आधार पर एजेंसी ने इन कारोबारियों के खिलाफ कार्रवाई और तेज कर दी है। मीडिया रिपोर्ट्स के अनुसार, इंद्रराज भदौरिया झारखंड और पश्चिम बंगाल के सबसे बड़े कोयला ट्रांसपोर्टरों में से एक माने जाते हैं। उनकी कंपनी दोनों राज्यों से देशभर की विभिन्न पावर कंपनियों तक कोयला सप्लाई करती है। भदौरिया के नेटवर्क में कई अन्य कोयला ट्रांसपोर्टर भी जुड़े हुए हैं।

पूर्व गृहमंत्री व कांग्रेस नेता...
अधिक समय तक कई महत्वपूर्ण पदों पर रहे। पाटिल ने वर्ष 1980 में राष्ट्रीय राजनीति में प्रवेश किया। वह इस साल पहली बार सातवीं लोकसभा के लिए चुने गए और वर्ष 2004 तक लगातार सात कार्यकाल तक सदस्य बने रहे। वर्ष 1980-1990 की अवधि के दौरान उन्होंने संसद सदस्यों के वेतन और भत्तों पर संयुक्त समिति में कार्य किया। बाद में इसके अध्यक्ष बने। संसद में उनका कार्यकाल विभिन्न मंत्रालयों में व्यापक कार्य के लिए जाना जाता है। उन्होंने रक्षा, वाणिज्य, विज्ञान और प्रौद्योगिकी, परमाणु ऊर्जा, इलेक्ट्रॉनिक्स, अंतरिक्ष और महासागर विकास, जैव-प्रौद्योगिकी, कार्मिक और प्रशिक्षण, सार्वजनिक शिकायतें और पेंशन, प्रशासनिक सुधार, रक्षा उत्पादन, नागरिक उड्डयन और पर्यटन सहित कई विभागों में राज्यमंत्री के रूप में कार्य किया।

सभी जिलों के थानों में जनता दरबार आयोजित किया जाए : विजय शंकर

रांची। झारखंड में पुलिस सुधार और नागरिक अधिकारों को मजबूत बनाने की दिशा में एक महत्वपूर्ण पहल करते हुए आदिवासी मूलवासी जनाधिकार मंच के केंद्रीय उपाध्यक्ष विजय शंकर नायक ने झारखंड के डीजीपी को एक विस्तृत पत्र इमेल के माध्यम से भेजकर राज्य की पुलिस व्यवस्था में व्यापक सुधार की मांग उठाई है। श्री नायक ने कहा कि झारखंड के अनेकों थानों में शिकायत दर्ज कराने, एफआईआर स्वीकार करवाने और त्वरित न्याय प्राप्त करने में आम नागरिकों को खास कर दलित, आदिवासी, मूलवासी समाज को भारी कठिनाइयों का सामना करना पड़ता है।

योगाभ्यास क्रम पर तीन दिवसीय राज्यस्तरीय टीओटी का आयोजन

नवीन मेल संवाददाता

रांची। योगाभ्यास क्रम पर तीन दिवसीय राज्यस्तरीय टीओटी का आयोजन किया गया। यह प्रशिक्षण 12 से लेकर 14 दिसंबर तक योग्य केंद्र आयुष निदेशालय चलाया जा रहा है। तीन दिवसीय आवश्यक योग प्रशिक्षण दो पालियों में आयोजित किया गया है। जिसमें प्रत्येक जिलों (24) से एक-एक योग प्रशिक्षक तथा एक-एक समुदायिक स्वास्थ्य पदाधिकारी भाग ले रहे हैं। योग प्रशिक्षण आयुष निदेशालय के योग प्रशिक्षकों के द्वारा दिया जा रहा है। स्वास्थ्य मेरी सशक्त परिवार कार्यक्रम में बेहतर कार्य करने वाली सभी सीएचओ को सम्मानित भी किया गया। डॉ कमलेश, एसटीओ सह नोडल पदाधिकारी, एसपीएमयू, सीपीएचसी कोषांग, डॉ लाल माझी, नोडल पदाधिकारी, आईईसी सह एनसीडी कोषांग एवं डॉ नुजहत सुलताना, उप-निदेशक, यूनानी, आयुष निदेशालय योग के महत्व के बारे में बताया एवं स्वास्थ्य जीवन शैली एवं योग की जानकारी लोगों को देने के लिए प्रेरित किया ताकि लोग स्वास्थ्य जीवन यापन कर सके।

रामलीला मैदान की रैली लोकतंत्र बचाने का आगाज : राकेश सिन्हा

नवीन मेल संवाददाता

रांची। झारखंड प्रदेश कांग्रेस कमेटी के महासचिव सह मीडिया प्रभारी राकेश सिन्हा ने कहा कि कांग्रेस पार्टी द्वारा रविवार को नई दिल्ली के रामलीला मैदान में आयोजित की जाने वाली रैली लोकतंत्र बचाने के अभियान का आगाज है। शुक्रवार को जारी प्रेस विज्ञप्ति में सिन्हा ने कहा कि देश के लोकतंत्र पर मंडरा रहे खतरे से जनता को आगाह करने और उन्हें जागरूक करने के उद्देश्य से यह रैली आयोजित की जा रही है। उन्होंने कहा कि रैली के माध्यम से निर्वाचन आयोग की भूमिका पर उठ रहे सवालों को लेकर देशभर में संदेश जाएगा। राकेश सिन्हा ने आरोप लगाया कि भाजपा सरकारी तंत्र का दुरुपयोग कर मतदाताओं के साथ अन्याय कर रही है और चुनावी प्रक्रिया को प्रभावित किया जा रहा है। बावजूद इसके, चुनाव आयोग की निष्पक्षता पर उठ रहे सवालों को दरकिनार कर भाजपा निष्पक्ष जांच के प्रति गंभीरता नहीं दिखा रही है। उन्होंने कहा कि भाजपा की ओर से लोकतांत्रिक मूल्यों का हनन किया जा रहा है, ऐसे में यह रैली ऐतिहासिक साबित होगी और पूरे देश में संदेश देगी कि लोकतंत्र को किस प्रकार कमजोर किया जा रहा है। राकेश सिन्हा ने बताया कि रैली में शामिल होने के लिए प्रदेश अध्यक्ष केशव महतो कमलेश के नेतृत्व में कांग्रेस के नेता और कार्यकर्ता शुक्रवार को दिल्ली रवाना हो चुके हैं।

झारखंड पेरेंट्स एसोसिएशन ने शिक्षा सचिव को भेजा ज्ञापन

स्कूलों के समय-सारणी में तत्काल बदलाव की मांग

नवीन मेल संवाददाता

रांची। झारखंड पेरेंट्स एसोसिएशन ने राज्य में लगातार बढ़ती ठंड, शीतलहर और घने कोहरे की गंभीर स्थिति को देखते हुए शुक्रवार को शिक्षा सचिव को ज्ञापन भेजकर तत्काल सभी सरकारी एवं गैर-सरकारी विद्यालयों के समय में परिवर्तन की मांग की है। एसोसिएशन के अध्यक्ष अजय राय ने कहा कि राज्य के सभी जिलों में न्यूनतम तापमान बेहद गिर चुका है। सुबह के समय 500 मीटर से भी कम दृश्यता, घना कोहरा और तेज शीतलहर बच्चों के लिए स्कूल पहुंचने को जोखिमपूर्ण बना रही है। अभिभावकों से मिल रही लगातार शिकायतों और मौसम विभाग की चेतावनी—जिनमें अगले 24–48 घंटों में तापमान में और गिरावट की संभावना जताई गई है। इसे ध्यान में रखते हुए एसोसिएशन ने कहा कि बच्चों को सुबह 6:30–7:00 बजे ठिठुरन भरी सड़क पर भेजना असुरक्षित और स्वास्थ्य के लिए हानिकारक है।

कार्यक्रम | अंतरराष्ट्रीय मानवाधिकार दिवस में भारत का किया प्रतिनिधित्व

रांची की बेटी जया ने बढ़ाया देश का मान

● यह अवसर मेरे लिए प्रेरणा का स्रोत है और आने वाले समय में मानवाधिकार के क्षेत्र में और भी सक्रिय भूमिका निभाऊंगी : जया

नवीन मेल संवाददाता

रांची। रांची की जया ने एक बार फिर यह साबित कर दिया कि झारखंड की प्रतिभाएं वैश्विक मंच पर भी किसी से कम नहीं हैं। जया ने अंतरराष्ट्रीय मानवाधिकार दिवस 2025 पर श्रीलंका में आयोजित प्रतिष्ठित सम्मेलन में भारत की प्रतिनिधि के रूप में भाग लिया। यह कार्यक्रम संयुक्त राष्ट्र के सहयोग से आयोजित किया गया था, जिसमें श्रीलंका के पूर्व राष्ट्रपति, श्रीलंका के गृह मंत्री, तथा 12 अन्य देशों के अंतरराष्ट्रीय प्रतिनिधियों की उपस्थिति ने आयोजन को और भी महत्वपूर्ण बना दिया। जया ने मानवाधिकारों से जुड़े कई महत्वपूर्ण मुद्दों पर वैश्विक मंच पर अपनी बात रखी और भारत का दृष्टिकोण प्रभावशाली ढंग से प्रस्तुत किया। उनके इस उल्लेखनीय योगदान पर रांची सहित पूरे झारखंड में गर्व की लहर है। परिवारजन और स्थानीय लोगों ने जया की इस उपलब्धि को झारखंड के लिए "गौरव का क्षण" बताया और भविष्य के लिए शुभकामनाएं दीं। जया का कहना है कि यह अवसर मेरे लिए प्रेरणा का स्रोत है और आने वाले समय में मानवाधिकार के क्षेत्र में और भी सक्रिय भूमिका निभाऊंगी। जया अमर शहीद पांडे गणपत राय के परिवार से आती हैं।

भारत-नेपाल दिव्यांगजन टी-20 क्रिकेट सीरीज

आज से रांची के दो खिलाड़ी भारतीय दल में

नवीन मेल संवाददाता

रांची। आज से उषा मार्टिन विश्वविद्यालय परिसर अनगड़ा स्थित अमिताभ चौधरी क्रिकेट स्टेडियम रांची में भारत एवं नेपाल के बीच दिव्यांगजनों का 03 अंतरराष्ट्रीय टी-20 क्रिकेट मैच सीरिज- चैंपियन स्पिरिट कप का आगाज होगा। भारतीय दल में रांची के विजय कुमार महतो और चंदन लोहरा और साहिबगंज के शौकत अली शामिल हैं। भारतीय दल के कप्तान बंगाल के सूब्रो जोरदर हैं, जिनका घुटने से नीचे दोनों पैर कृत्रिम है।

विदित हो कि सीरीज का आयोजन दिव्यांग क्रिकेट कंट्रोल बोर्ड ऑफ़ इंडिया द्वारा मान्यता प्राप्त झारखण्ड डिसेबल्ड क्रिकेट एसोसिएशन एवं राउंड टेबल इंडिया द्वारा झारखण्ड शिक्षा परियोजना परिषद, झारखण्ड सरकार, एनटीपीसी, एच.पी, सीएमपीडीआई, मेघा दूध, झारखण्ड विकलांग जन फोरम, लीड्स, सेवा सदन कोडरमा, झारक्राफ्ट, पी.एन.बी बैंक, आशा, मिशन ब्लू फाउंडेशन, मंगलम सोसाइटी सहित अन्य स्थानीय स्थानीय संस्थाओं के सहयोग से आयोजित किया जा रहा है। सभी मैच प्रातः 11.00 बजे प्रारंभ होगा। इसमें प्रवेश निशुल्क है।

डीसीसीबीआई के अध्यक्ष मुकेश कंचन ने रांची वासियों को ज्यादा से ज्यादा आमंत्रित करते हुए कहा कि सभी को कम से कम एक बार दिव्यांगजन क्रिकेट अवश्य देखना चाहिए। इसमें रोमांच नियमित क्रिकेट से कम नहीं होता है।

अंडर-19 एशिया कप: वैभव सूर्यवंशी के विराट शतक से

भारत ने यूएई को 234 रन से हराया

एजेंसी

दुबई। दुबई के आईसीसी एकेडमी में शुक्रवार को खेले गए मुकाबले में वैभव सूर्यवंशी की विराट शतकीय पारी के बदौलत भारतीय टीम ने यूएई को 234 रन के बड़े अंतर से हरा दिया। यूएई ने टॉस जीतकर पहले गेंदबाजी का फैसला किया था। भारतीय टीम ने वैभव सूर्यवंशी के 95 गेंद पर 14 छक्कों और 9 चौकों की मदद से खेली गई 171 रन की पारी की बदौलत 433 रन बनाए। भारतीय अंडर 19 टीम का वनडे फॉर्मेट में यह सबसे बड़ा स्कोर है। भारत ने अपने सबसे बड़े स्कोर में 20 छक्के और 31 चौके लगाए। भारत ने यूथ वनडे के इतिहास में तीसरी बार 400 रन का आंकड़ा पार किया। कोई भी टीम अब तक ऐसा नहीं कर पाई है। पूर्व में भारतीय टीम ने 2004 में स्कॉटलैंड के खिलाफ 425/3 और 2022 में युगांडा के खिलाफ 405/5 का स्कोर बनाया था। कप्तान आयुष म्हात्रे नहीं चले। वे 4 रन बनाकर आउट हो गए। आरोन जॉर्ज ने 73 गेंद पर 69 और विहान मल्होत्रा ने 55 गेंद पर 69 रन की पारी खेली। इसके अलावा वेदांत त्रिवेदी ने 38, अभिज्ञान कुंडू ने 32 और कनिष्क चौहान ने 28 रन की पारी खेली।

434 रन का लक्ष्य हासिल करने उतरी यूएई की टीम 50 ओवर में 7 विकेट पर 199 रन बना सकी और 234 रन के बड़े अंतर से मैच हार गई। आठवें नंबर पर बल्लेबाजी के लिए उतरे उद्धिश सूरी ने सबसे ज्यादा 78 रन बनाए। वह नाबाद रहे। उनके साथ सालेह अमीन 20 रन बनाकर नाबाद रहे। पृथ्वी मधु ने 50 रन बनाए।

भारत के लिए दिपेश देवेंद्रन ने 2, जबकि किशन सिंह, हेनिल पटेल, खिलान पटेल, विहान मल्होत्रा ने 1-1 विकेट लिए।

नेत्रहीन टी20 विश्व कप 2012: पाकिस्तान को हराकर चैंपियन बनी थी भारतीय टीम

नई दिल्ली। भारत और पाकिस्तान के बीच खेल के मैदान में जोरदार रोमांच और संघर्ष देखने को मिलता है। खेल कोई भी हो और कोई भी स्तर हो, रोमांच में कमी नहीं होती। भारत के सामने पाकिस्तान टीम हर बार उन्नीस साबित होती है। टी20 विश्व कप 2007 का आयोजन दक्षिण अफ्रीका में हुआ था। यह पहला आईसीसी टी20 विश्व कप था। फाइनल में भारत और पाकिस्तान का मुकाबला हुआ था। भारतीय टीम चैंपियन बनी थी। इस टूर्नामेंट ने टी20 क्रिकेट में एक नई जान फूंकी थी। टी20 विश्व कप 2007 के ठीक 5 साल बाद 2012 में भारत में पहला नेत्रहीन टी20 विश्व कप हुआ था। इस ऐतिहासिक टूर्नामेंट का फाइनल बेंगलुरु में भारत और पाकिस्तान के बीच हुआ था। भारतीय टीम 29 रन से इस मैच को जीतकर चैंपियन बनी थी। फाइनल मुकाबला 13 दिसंबर को खेला गया था।

पीएसजी ने पहली बार जीता चैंपियंस लीग का खिताब

एजेंसी। नई दिल्ली

पेरिस सेंट-जर्मेन (पीएसजी) फ्रांस का एक प्रतिष्ठित क्लब है। क्लब की स्थापना 1970 में हुई थी। यह क्लब लोकप्रियता के साथ-साथ दुनिया के धनी क्लबों में से एक माना जाता है। इस क्लब के लिए अर्जेंटीना के लियोनेल मेसी, ब्राजील के नेमार और फ्रांस के किलियन एमबापे जैसे खिलाड़ी लंबे समय तक खेल चुके हैं। इसके बावजूद पीएसजी चैंपियंस लीग जैसा प्रतिष्ठित खिताब नहीं जीत सकी थी। टीम का चैंपियंस लीग जीतने का सपना 2025 में पूरा हुआ। 31 मई को पीएसजी ने म्यूनिख में हुए फाइनल में इंटर मिलान को 5-0 से हराकर चैंपियंस लीग 2025 का खिताब जीता था। पीएसजी की जीत में फ्रांस के डेसिरे डौए और सेनी मायुलु जैसे युवा फ्रांसीसी खिलाड़ियों की अहम भूमिका रही।

19 वर्षीय फॉरवर्ड डेसिरे डोए ने 2 गोल किए, जबकि उनके स्थानापन्न खिलाड़ी के रूप में आए सेनी मायुलु ने भी एक गोल किया। डौए ने मैदान पर एक घंटे से कुछ अधिक समय में दो गोल किए और एक अन्य गोल में सहायता की, जिसके बाद दूसरे हाफ में उन्हें प्रतिस्थापित कर दिया गया।अशरफ हकीमी और ख्विचा क्वारात्स्खेलिया के 1-1 गोलों ने ड्रूए के दोहरे गोल में योगदान दिया। इन गोलों की मदद से पीएसजी ने चैंपियंस लीग के 70 साल के इतिहास में फाइनल में सबसे बड़ी जीत दर्ज की। पीएसजी के लिए अशरफ हकीमी ने (12वें), डौए ने (20वें और 63वें), ख्विचा क्वारात्स्खेलिया ने (73वें), और सेनी मायुलु ने (86वें) मिनट में गोल किया और अपनी टीम को ऐतिहासिक जीत दिलाई। पीएसजी फुटबॉल की दुनिया में बड़े खिलाड़ियों को अपने साथ रखने और महंगे ट्रांसफर के लिए जानी जाती है, लेकिन अपनी स्थापना के पिछले 54 साल में चैंपियंस लीग नहीं जीत पाई थी। 2025 टीम के लिए यादगार और ऐतिहासिक रहा। टीम ने न सिर्फ अपनी पहली चैंपियंस लीग जीती, बल्कि लीग के इतिहास में सबसे बड़े अंतर से फाइनल जीता। इस जीत के बाद फुटबॉल क्लब के रूप में पीएसजी का दबदबा और बढ़ा है।

मेसी तीन दिवसीय दौरे पर भारत आ रहे हैं

एजेंसी। नई दिल्ली

भारतीय फुटबॉल प्रेमियों का महान फुटबॉलर लियोनल मेसी को भारत की धरती पर देखने का इंतजार आखिरकार समाप्त हो रहा है। अर्जेंटीना को अपनी कप्तानी में फीफा विश्व कप 2026 का खिताब दिलाने वाले लियोनल मेसी शनिवार को अपने तीन दिवसीय (13 से 15 दिसंबर) दौरे पर भारत पहुंच रहे हैं। मेसी दौरे के दौरान भारत के चार बड़े शहरों में जाएंगे साथ ही एक मैत्री मैच में भी शामिल होंगे। आइए लियोनल मेसी के दौरे पर एक नजर डालते हैं। लियोनल मेसी मियामी से 13 दिसंबर की सुबह 1:30 बजे कोलकाता पहुंचेंगे। इस बीच वह कुछ समय के लिए दुबई में रुकेंगे। शनिवार को सुबह 9:30 बजे से उनका मीट-एंड-ग्रीट सेशन शुरू होगा। इसके बाद उनके 70 फुट लंबे स्टैच्यू का वर्चुअल अनावरण होगा। इसके बाद मेसी युवा भारती क्रीड़ांगन जाएंगे। उनके साथ पश्चिम बंगाल की मुख्यमंत्री ममता बनर्जी, अभिनेता शाहरुख खान और भारतीय क्रिकेट टीम के पूर्व कप्तान सौरव गांगुली मौजूद रह सकते हैं। कोलकाता में मेसी एक फ्रेंडली मैच भी खेलेंगे। आयोजकों ने सॉल्ट लेक स्टेडियम में होने वाले कार्यक्रम के लिए 78,000 सीटें सुरक्षित रखी हैं। इसके लिए टिकटों की कीमत 7,000 रुपये तक है। इसके बाद दोपहर 2 बजे मेसी हैदराबाद के लिए रवाना हो जाएंगे।

टोरिया कैपिटल्स ने केशव महाराज को कप्तान नियुक्त किया

एजेंसी। प्रिटोरिया

साउथ अफ्रीका 20 लीग के चौथे सीजन से पहले प्रिटोरिया कैपिटल्स ने दिग्गज स्पिनर केशव महाराज को अपना कप्तान बनाया है। फ्रेंचाइजी ने अपने एक्स प्लेटफॉर्म पर इसकी जानकारी दी।

केशव महाराज ने बतौर कप्तान प्रिटोरिया कैपिटल्स में राइली रोसो की जगह लेंगे। पिछले सीजन महाराज ने डरबन सुपर जायंट्स की कप्तानी की थी।

फ्रेंचाइजी ने एक विज्ञप्ति में कहा, केशव महाराज की मौजूदगी नए सीजन में टीम में एक मजबूत संतुलन देगी। केशव महाराज का नाम दक्षिण अफ्रीका के बड़े खिलाड़ियों में शुमार है। वह तीनों फॉर्मेट खेलते हैं और राष्ट्रीय टीम की कप्तानी भी कर चुके हैं। फ्रेंचाइजी के 'एक्स' प्लेटफॉर्म पर शेयर किए गए वीडियो में केशव महाराज ने कहा, "कप्तान नियुक्त किए जाने पर मैं प्रिटोरिया कैपिटल्स को धन्यवाद देता हूं। हमारे पास बहुत अच्छी टीम है। डेवाल्ड ब्रेविस, लुंगी एंगिडी, शर्फेन रदरफोर्ड, रोस्टन चेज, आंद्रे रसेल, शाई होप जैसे बेहतरीन खिलाड़ी हमारे पास हैं। इनके पास बेहतरीन खेल के साथ नेतृत्व का भी अनुभव है, जो टीम के काम आएगा।" उन्होंने कहा, "हमारा थिंक टैंक भी बेहद ऊर्जावान है। इसमें शॉन पोलॉक और सौरव गांगुली जैसे दिग्गज क्रिकेटर शामिल हैं। मैं इनका फैन बॉय रहा हूं। इसलिए अगले सीजन में इनके साथ काम करने को लेकर उत्साहित हूं।

भारतीय कुश्ती महासंघ विनेश फोगाट की वापसी का स्वागत करता है: संजय सिंह

अहमदाबाद। भारतीय कुश्ती महासंघ के अध्यक्ष संजय सिंह ने महिला पहलवान विनेश फोगाट की कुश्ती में वापसी के फैसले का स्वागत किया है और उन्हें नियमानुसार हर सुविधा देने की घोषणा की है। आईएएनएस से बात करते हुए संजय सिंह ने कहा, "भारतीय कुश्ती संघ विनेश फोगाट की कुश्ती में वापसी का स्वागत करता है। नियमानुसार उन्हें सारी सुविधाएं दी जाएंगी। ट्रायल की जो भी प्रक्रिया चयन के लिए अपनाई जाती है, उसी आधार पर उनका चयन होगा।" संजय सिंह 12 से 14 दिसंबर तक वीर सावरकर कॉम्प्लेक्स में चल रही कुश्ती की राष्ट्रीय चैंपियनशिप के लिए अहमदाबाद में मौजूद हैं। इस आयोजन के संबंध में उन्होंने कहा, "वीर सावरकर स्पोर्ट्स कॉम्प्लेक्स में भारतीय कुश्ती संघ द्वारा सीनियर पहलवानों की राष्ट्रीय चैंपियनशिप का आयोजन किया गया है। कुल 28 टीमें हैं जो अलग-अलग राज्यों से आई हैं। इसमें एक टीम रेलवे और एक सेना की है।

जेम्स एंडरसन 43 की उम्र में बने कप्तान

एजेंसी। मैनचेस्टर

अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट को अलविदा कह चुके इंग्लैंड के दाएं हाथ के तेज गेंदबाज जेम्स एंडरसन बढ़ती उम्र के साथ क्रिकेट में अपने नाम नए-नए कीर्तिमान गढ़ रहे हैं। एंडरसन को लंकाशायर ने काउंटी चैंपियनशिप 2026 के लिए कप्तान नियुक्त किया है। 2002 में लंकाशायर के लिए डेब्यू करने वाले जेम्स एंडरसन 2005 में भी कुछ मैचों के लिए टीम की कमान संभाल चुके हैं। पिछले सीजन भी एंडरसन ने टीम की कमान संभाली थी, लेकिन तब वे कार्यवाहक कप्तान थे। अगले सीजन के लिए रेड-बॉल फॉर्मेट में उन्हें पूर्णकालिक कप्तान बना दिया गया है। कप्तानी मिलने के बाद एंडरसन ने कहा, "पिछले सीजन में लंकाशायर की कप्तानी करना मेरे लिए बहुत बड़ी बात थी। नए सीजन में यह भूमिका फुल-टाइम निभाने पर मुझे गर्व है। मैं अप्रैल में नए काउंटी चैंपियनशिप सीजन में टीम को लीड करने के लिए उत्सुक हूं।" उन्होंने कहा, "हमारे पास शानदार खिलाड़ियों का एक ग्रुप है, जिसमें युवा और अनुभवी दोनों शामिल हैं। मैं इस बात को लेकर उत्साहित हूं कि हम डिवीजन वन में वापस प्रमोशन के साथ मिलकर क्या हासिल कर सकते हैं। हमारी प्राथमिकता यही है।"

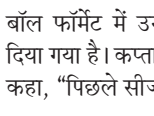

व्यापार/लाइफ व साइंस

भारत में क्लाउड डेटा सेंटर की क्षमता 2030 तक 4-5 गुना बढ़ने का अनुमान : सरकार

एजेंसी। नई दिल्ली

भारत में क्लाउड डेटा सेंटर की क्षमता लगभग 1,280 मेगावाट (एमडब्ल्यू) तक पहुंच गई है, जो मुख्य रूप से बैंकों, पावर और अन्य महत्वपूर्ण सार्वजनिक क्षेत्रों को सेवाएं दे रही है। सरकार ने शुक्रवार को संसद में जानकारी दी कि इस क्षमता में 2030 तक 4-5 गुना बढ़ोतरी हो सकती है।

केंद्रीय इलेक्ट्रॉनिक्स और आईटी राज्य मंत्री जितिन प्रसाद ने राज्यसभा में कहा कि भारत में डेटा सेंटर की संख्या लगातार बढ़ रही है और इसका कारण सरकार और निजी क्षेत्रों में डिजिटलाइजेशन और आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस (एआई) का तेजी से बढ़ता उपयोग और क्लाउड सेवाओं की मांग में बढ़ोतरी है। ग्लोबल टेक कंपनियां भारत में एआई और डेटा सेंटर इकोसिस्टम में काफी निवेश कर रही हैं। गूगल ने विशाखापत्तनम में 15 अरब डॉलर का एआई हब बनाने की घोषणा की है, जो भारत में कंपनी का सबसे बड़ा निवेश है। वहीं, अमेजन वेब सर्विसेज (एडब्ल्यूएस) महाराष्ट्र में 8.3 अरब डॉलर का डेटा सेंटर स्थापित कर रही है।

मंत्री ने कहा कि भारत एक सुरक्षित, बढ़ने योग्य और एआई-सक्षम क्लाउड इंफ्रास्ट्रक्चर बना रहा है, ताकि डिजिटल गवर्नेंस, निजी क्षेत्र के सहयोग और नागरिक सशक्तीकरण को बढ़ावा दिया जा सके। उन्होंने बताया कि सरकार की जरूरतों को पूरा करने के लिए नेशनल क्लाउड इंफ्रास्ट्रक्चर बनाया गया है, जिसे 'डिजिटल इंडिया' योजना के तहत स्थापित किया गया है। 'जीआई क्लाउड', जिसे मेघराज के नाम से जाना जाता है, एक सुरक्षित, स्केलेबल और बेहतरीन क्लाउड सर्विस प्रदान करता है, जो ई-गवर्नेंस सेवाएं देने के लिए उपयोग किया जाता है।

राष्ट्रीय सूचना केंद्र (एनआईसी) विभिन्न मंत्रालयों और विभागों को क्लाउड सर्विसेज प्रदान करता है।

अब तक, 2,170 मंत्रालयों और विभागों ने अपनी क्लाउड-आधारित सेवाएं 'मेघराज' पर होस्ट की हैं। उन्होंने यह भी कहा कि नेशनल डेटा सेंटर सरकार के विभागों को क्लाउड सेवाएं देते हैं। इन सेवाओं की सुरक्षा के लिए कड़ी सुरक्षा व्यवस्था बनाई गई है, ताकि इन पर किसी भी तरह का खतरा न हो।

ट्रेन हादसों की संख्या में पिछले 11 वर्षों में 93 प्रतिशत की कमी

एजेंसी। नई दिल्ली

रेलवे मंत्री अश्विनी वैष्णव ने शुक्रवार को कहा कि देश में ट्रेन हादसों की संख्या 2025-26 में (नवंबर 2025 तक) 11 है, जो कि 2004-14 की अवधि के दौरान 1711 (औसतन 171 प्रति वर्ष) थी। यह ट्रेन हादसों की संख्या में करीब 93 प्रतिशत की कमी को दर्शाता है। केंद्रीय मंत्री ने राज्यसभा में एक सवाल का जवाब देते हुए कहा कि ट्रेन संचालन में सुरक्षा सुधारने के लिए भारतीय रेल द्वारा कई उपाय किए गए हैं। पिछले कुछ वर्षों में उठाए गए विभिन्न सुरक्षा उपायों के परिणामस्वरूप, दुर्घटनाओं की संख्या में भारी कमी आई है। ट्रेन दुर्घटनाओं की संख्या 2014-15 में 135 से घटकर 2024-25 में 31 हो गई है। उन्होंने आगे कहा कि भारतीय रेल में यात्रियों की सुरक्षा को सर्वोच्च प्राथमिकता दी जाती है। किसी भी असामान्य घटना की रेलवे प्रशासन द्वारा गहन जांच की जाती है। तकनीकी कारणों के अलावा किसी अन्य कारण की आशंका होने पर राज्य पुलिस की सहायता ली जाती है।

केंद्रीय मंत्री के मुताबिक, कुछ मामलों में केंद्रीय जांच ब्यूरो (सीबीआई) और राष्ट्रीय जांच एजेंसी (एनआईए) से भी मार्गदर्शन लिया जाता है। हालांकि, जांच का प्राथमिक माध्यम राज्य पुलिस ही है। यह संवैधानिक प्रावधानों के अनुरूप है। इसके अंतर्गत आपराधिक गतिविधियों की जांच, कानून व्यवस्था बनाए रखना और पटरियों, पुलों, सुरंगों आदि रेलवे के बुनियादी ढांचे की सुरक्षा राज्य सरकार की जिम्मेदारी है।

वर्ष 2023 और 2024 में रेलवे ट्रैक से छेड़छाड़/तोड़फोड़ की सभी घटनाओं में, राज्यों की पुलिस/जीआरपी और अन्य कानून प्रवर्तन एजेंसियों द्वारा मामले दर्ज किए गए। इसके बाद जांच, अपराधियों की गिरफ्तारी की गई और उन पर मुकदमा चलाया गया।

भारत में खुदरा महंगाई दर नवंबर में 0.71 प्रतिशत रही

एजेंसी। नई दिल्ली

भारत में खुदरा महंगाई दर नवंबर में 0.71 प्रतिशत रही है, जो कि अक्टूबर की महंगाई दर 0.25 प्रतिशत से 46 आधार अंक अधिक है। यह जानकारी सांख्यिकी एवं कार्यक्रम कार्यान्वयन मंत्रालय की ओर से शुक्रवार को दी गई। मंत्रालय ने बताया कि नवंबर में शहरी क्षेत्रों में महंगाई दर 1.40 प्रतिशत रही है। वहीं, ग्रामीण क्षेत्रों में महंगाई दर 0.10 प्रतिशत रही है। सरकारी आंकड़ों के मुताबिक, नवंबर में खाद्य महंगाई दर -3.91 प्रतिशत रही है। ग्रामीण इलाकों में खाद्य महंगाई दर -4.05 प्रतिशत है, जबकि शहरी इलाकों में खाद्य महंगाई दर -3.60 प्रतिशत रही है। नवंबर में पिछले साल की समान अवधि के मुकाबले अनाज की कीमत में 0.10 प्रतिशत, मांस और मछली की कीमत में 2.50 प्रतिशत, अंडों की कीमत में 3.77 प्रतिशत, दूध और उससे जुड़े उत्पादों की कीमतों में 2.45 प्रतिशत, ऑयल और फैट की कीमतों में 7.87 प्रतिशत, फलों की कीमतों में 6.87 प्रतिशत, चीनी और उससे जुड़े उत्पादों की कीमतों में 4.02 प्रतिशत और गैर अल्कोहल पेय पदार्थों की कीमतों में 2.92 प्रतिशत का इजाफा देखा गया है। दूसरी तरफ सब्जियों की कीमतों में 22.20 प्रतिशत, दालों और उससे जुड़े उत्पादों की कीमतों में 15.86 प्रतिशत और मसालों की कीमतों में 2.89 प्रतिशत की कमी दर्ज की गई है।

खुदरा महंगाई के आंकड़े उम्मीद के मुताबिक, अर्थव्यवस्था के लिए सकारात्मक : एक्सपर्ट

नई दिल्ली। नवंबर में खुदरा महंगाई दर के आंकड़े उम्मीद के मुताबिक रहे हैं और अर्थव्यवस्था के लिए यह सकारात्मक है। यह बयान शुक्रवार को एक्सपर्ट की ओर से दिया गया। पावर गिल्ट ट्रेजरीज के डायरेक्टर विनीत नाहटा ने समाचार एजेंसी आईएएनएस से बातचीत करते हुए कहा कि खुदरा महंगाई दर नवंबर में 0.71 प्रतिशत रही है। हालांकि, यह अक्टूबर की महंगाई दर 0.25 प्रतिशत से 0.46 प्रतिशत अधिक है, लेकिन अभी भी महंगाई दर आरबीआई के लक्ष्य 4 प्रतिशत से 3 प्रतिशत से अधिक कम है। उन्होंने आगे कहा कि महंगाई दर कम होना अर्थव्यवस्था के लिए काफी अच्छा है। यह ग्रोथ के लिए काफी सकारात्मक स्थिति है। सांख्यिकी एवं कार्यक्रम कार्यान्वयन मंत्रालय की ओर से जारी किए गए आंकड़ों में बताया गया कि नवंबर में शहरी क्षेत्रों में महंगाई दर 1.40 प्रतिशत रही है। वहीं, ग्रामीण क्षेत्रों में महंगाई दर 0.10 प्रतिशत रही है। सरकारी आंकड़ों के मुताबिक, नवंबर में खाद्य महंगाई दर -3.91 प्रतिशत रही है। ग्रामीण इलाकों में खाद्य महंगाई दर -4.05 प्रतिशत है, जबकि शहरी इलाकों में खाद्य महंगाई दर -3.60 प्रतिशत रही है। नवंबर में पिछले साल की समान अवधि के मुकाबले अनाज की कीमत में 0.10 प्रतिशत, मांस और मछली की कीमत में 2.50 प्रतिशत, अंडों की कीमत में 3.77 प्रतिशत, दूध और उससे जुड़े उत्पादों की कीमतों में 2.45 प्रतिशत, ऑयल और फैट की कीमतों में 7.87 प्रतिशत, फलों की कीमतों में 6.87 प्रतिशत, चीनी और उससे जुड़े उत्पादों की कीमतों में 4.02 प्रतिशत और गैर अल्कोहल पेय पदार्थों की कीमतों में 2.92 प्रतिशत का इजाफा देखा गया है।

मेटा इंडिया ने अमन जैन को बनाया नया पब्लिक पॉलिसी हेड

नई दिल्ली। मेटा इंडिया ने शुक्रवार को बड़ा ऐलान किया और अमन जैन को पब्लिक पॉलिसी (सार्वजनिक नीति) का नया प्रमुख नियुक्त किया है। वह अपना कार्यभार अगले साल की शुरुआत में संभालेंगे और सीधे मेटा के एशिया-प्रशांत क्षेत्र के पॉलिसी के वाइस प्रेसिडेंट साइमन मिलनर को रिपोर्ट करेंगे। जैन इसके साथ ही मेटा इंडिया की लीडरशिप टीम का भी हिस्सा बनेंगे। मेटा ने एक बयान में कहा, "जैन अगले साल की शुरुआत में कंपनी से जुड़ेंगे और एशिया प्रशांत (एपेक) क्षेत्र के वाइस प्रेसिडेंट साइमन मिलनर को रिपोर्ट करेंगे। वह भारत की लीडरशिप टीम में भी शामिल होंगे।" अमन जैन को पब्लिक पॉलिसी और बिजनेस स्ट्रेटेजी में 20 साल से ज्यादा का अनुभव है। उन्होंने अमेजन और गूगल जैसी बड़ी कंपनियों के साथ काम किया है। वह भारत सरकार और अंतरराष्ट्रीय संगठनों के साथ भी जुड़े रहे हैं। गूगल इंडिया में उन्होंने कई बड़े पदों पर काम किया, जिनमें कंट्री हेड फॉर गवर्नमेंट अफेयर्स एंड पब्लिक पॉलिसी शामिल है।